शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 143 | गुवाहाटी | मंगलवार, 19 दिसंबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पेमा खांडू ने गुवाहाटी में अत्याधुनिक अरुणाचल भवन का उद्घाटन किया पेज 2
असम राइफल्स ने पकड़े तीन एनएनसी उग्रवादी पेज 3
पंजाब : सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में चार प्रतिशत वृद्धि का एलान पेज 5
मानसिक स्थिति बार-बार बिगड़ने लगें तो समझो मकान में है वास्तुदोष पेज 8

भारत के सबसे बड़े दुश्मन दाऊद को दिया गया जहर, हालत गंभीर : पाकिस्तानी पत्रकार

जावेद मियांदाद परिवार समेत हाउस अरेस्ट

नई दिल्ली। पाकिस्तान से भारत में वांछित अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। पाकिस्तान में रविवार देर रात अज्ञात शख्स ने दाऊद इब्राहिम को खाने में जहर दे दिया। इसके बाद उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। दाऊद का कराची के अस्पताल में इलाज चल रहा है। पिछले कई घंटों से पाकिस्तान में इंटरनेट सेवाएं भी बंद थी। कई घंटों के बाद रात करीब आठ बजे इंटरनेट सेवाओं को फिर से चालू कर दिया गया है। वहीं, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के दफ्तर में आईएसआई और पाकिस्तान के आलाधिकारियों की बैठक हुई है। जानकारी के मुताबिक, यह बैठक कई घंटों तक चली। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी अभी तक यह पता लगाने में विफल हुई है कि वह अज्ञात आदमी कौन था, जिसने दाऊद को जहर दिया। पाकिस्तान की पत्रकार आरजू काजमी ने दावा किया है कि पाकिस्तान में कई घंटों से इंटरनेट बंद था। करीब 12 घंटों के बाद इंटरनेट को फिर से चालू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि दाऊद की हालत गंभीर है और वह कराची के किसी अस्पताल में भर्ती है। हालांकि, अस्पताल का नाम अभी सामने नहीं आया है। आरजू ने दावा किया है कि पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर जावेद मिंयादाद को हाउस अरेस्ट कर लिया गया। जावेद को दाउद का करीबी बताया जाता है। आईएसआई समर्थित दाऊद 12 मार्च, 1993 के उन सिलसिलेवार विस्फोटों का मास्टरमाइंड है, जिसमें 257 लोग मारे गए थे और 713 अन्य घायल हुए तथा कई करोड़ रुपए की संपत्ति को नुकसान पहुंचा था। सूत्रों के मुताबिक मुंबई पुलिस अंडरवर्ल्ड डॉन के अस्पताल में भर्ती होने के बारे में उसके रिश्तेदारों से अधिक जानकारी हासिल करने की कोशिश कर रही है। भारतीय अधिकारी दाऊद की तलाश में हैं। वह कराची में रहता है और अक्सर खाड़ी देशों की यात्रा करता रहता है। फिलहाल, दाऊद इब्राहिम की स्वास्थ्य स्थिति गंभीर बनी हुई है और उसके लिए एक पूरी मंजिल को सील कर दिया गया है, जहां उसके परिवार और पाकिस्तानी अधिकारियों के अलावा किसी को भी उससे मिलने की इजाजत नहीं है। पाकिस्तान के कराची और लाहौर समेत कई शहरों में एक्स, फेसबुक और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को भी ठप किया गया है। वहीं पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर जावेद मियांदाद को उनके परिवार के साथ घर में नजरबंद रखा गया है। पाकिस्तानी क्रिकेट के दिग्गज माने -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान ने सभी खबरों को बताया फर्जी

नई दिल्ली। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम, जिसे 1993 के मुंबई विस्फोटों में उसकी भूमिका के लिए भारत खोज रहा था वह पाकिस्तान में छुपा बैठा था। सालों से पाकिस्तान की सरकार ने दाऊद को पनह दे रही थी लेकिन अब किसी ने दाऊद को खलास करने की प्लानिंग रच दी। कथित तौर पर पाकिस्तान में जहर दे दिया गया और उसे कराची के एक अस्पताल में ले जाया गया। हालांकि, इस खबर की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और कथित जहर के पीछे के स्रोत और उद्देश्य स्पष्ट नहीं हैं। पाकिस्तान की कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दाऊद को उसके किसी करीबी ने जहर दे दिया था और वह अस्वस्थ हो गया था। इसके बाद उन्हें कराची के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि दाऊद की हालत गंभीर है और उसे कड़ी सुरक्षा में रखा गया है। हालांकि, पाकिस्तान के अन्य मीडिया आउटलेट्स ने इन रिपोर्टों को आधारहीन और मनगढ़ंत बताते हुए खारिज कर दिया है और कहा है कि दाऊद ठीक है और कराची में अपने सुरक्षित घर में रह रहा है। उन्होंने भारत पर दाऊद के सहयोगियों और समर्थकों के बीच दहशत और भ्रम पैदा करने के लिए उसके स्वास्थ्य के बारे में झूठी अफवाहें फैलाने का भी आरोप लगाया। पाकिस्तान के कराची में कुख्यात अंडरवर्ल्ड शख्स दाऊद इब्राहिम के अस्पताल में भर्ती होने की खबरें -शेष पृष्ठ दो पर

परेश बरुआ को खुले में आकर चेतावनी देनी चाहिए : विशेष डीजीपी

गुवाहाटी। असम पुलिस के विशेष पुलिस महानिदेशक हरमीत सिंह ने यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असोम-इंडिपेंडेंट (अल्फा (स्वा.) के कमांडर-इन-चीफ परेश बरुआ को कड़ी चेतावनी दी है। सिंह ने कहा कि अल्फा (स्वा.) के कमांडर-इन-चीफ को कहीं दूर छिपकर चेतावनी देने के बजाय गुवाहाटी आना चाहिए और खुले में पुलिस को चेतावनी देनी चाहिए। मीडिया से बात करते हुए स्पेशल डीजीपी हरमीत सिंह ने कहा कि परेश बरुआ को गुवाहाटी आना चाहिए और पुलिस को खुले में चेतावनी देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वह चेतावनियों का क्या करेगा? अगर परेश को कुछ कहना है तो उन्हें यहां आकर कहना चाहिए। किसी दूर स्थान से छिपकर चेतावनी देने से क्या लाभ? उन्हें बाहर आना चाहिए। हरमीत सिंह का बयान अल्फा (स्वा.) कमांडर-इन-चीफ परेश बरुआ द्वारा हाल ही में असम के डीजीपी जीपी सिंह को बिना सुरक्षा के एक सप्ताह के लिए गुवाहाटी में स्वतंत्र रूप से घूमने के लिए कहने के बाद आया है। यह बयान तब आया था जब डीजीपी ने प्रतिबंधित आतंकवादी -शेष पृष्ठ दो पर

जोरहाट विस्फोट में शामिल चार गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम पुलिस ने हाल ही में जोरहाट शहर में एक सेना शिविर के पास हुए मामूली विस्फोट में शामिल होने के आरोप में कम से कम चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान राहुल मोहन, दिव्यज्योति चेतिया, मिंटू चेतिया और रिंटू नाथ के रूप में की गई है। पुलिस ने कहा कि ये सभी यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असोम – स्वतंत्र कैडरों के साथ मिलकर काम कर रहे थे। 13 दिसंबर को असम के जोरहाट शहर के लिचुबारी इलाके में एक सेना शिविर के पास विस्फोट -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर जातीय हिंसा के पीछे ड्रग माफिया और अवैध अप्रवासी : सीएम

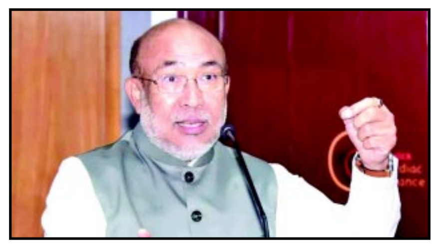

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने सोमवार को राज्य में महीनों से जारी जातीय तनाव के लिए ड्रग माफिया और अवैध प्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया। सिंह ने मौजूदा संकट के लिए राज्य की सीमाओं की सुरक्षा में पिछली सरकार की विफलता को भी जिम्मेदार बताया। मई महीने से कुकी और मैतेयी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष के कारण लगभग 200 लोग मारे गए हैं और 60 हजार से अधिक लोग बेघर हो गए हैं। थौबल जिले के लीलांग में लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मौजूदा संघर्ष की साजिश ड्रग माफिया और अवैध प्रवासियों ने रची जो वास्तविक -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

पहले लोग आते थे, अब सरकार खुद गरीबों के पास जाएगी : पीएम

वाराणसी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को मॉडल ब्लाक सेवापुरी बरकी में आयोजित विशाल जनसभा में वाराणसी सहित पूरे प्रदेश को 19,150 करोड़ की 37 परियोजनाओं की सौगात दी। जनसभा में प्रधानमंत्री ने बनारस रेल इंजन कारखाना में निर्मित 10 हजारवें रेल इंजन को राष्ट्र को समर्पित कर वंदेभारत एक्सप्रेस, इंदारा-दोहरीघाट मेमू और डीएफसी पर चलने वाली दो मालगाड़ियों को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। जनसभा में विकसित भारत संकल्प यात्रा में प्रधानमंत्री मोदी ने काशी सांसद खेल प्रतियोगिता 2023 के प्रतिभागियों और विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद भी किया, प्रतिभागियों के लाइव खेल कार्यक्रम देखे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विकसित भारत के लिए देश की नारी शक्ति, युवा शक्ति, किसान और हर गरीब का विकास होना -शेष पृष्ठ दो पर

कोरोना : भारत में 260 नए मामले, केंद्र ने राज्यों को जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वायरस एक बार फिर से एक्टिव हो गया है। सोमवार को अपडेट किए गए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, देश में 260 नए कोरोना वायरस संक्रमण दर्ज किए गए हैं, जबकि सक्रिय मामले बढ़कर 1,828 हो गए हैं। सुबह 8 बजे अपडेट किए गए आंकड़ों के अनुसार मरने वालों की संख्या 5,33,317 दर्ज की गई। देश में कोविड मामलों की संख्या 4.50 करोड़ (4,50,05,076) है। स्वास्थ्य मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, बीमारी से ठीक होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,44,69,931 हो गई है और राष्ट्रीय रिकवरी दर 98.81 प्रतिशत है। मामले की मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक, देश में अब तक कोविड टीकों की 220.67 करोड़ खुराकें लगाई जा चुकी हैं। वहीं केरल के तिरुवनंतपुरम जिले के काराकुलम में हल्के लक्षणों वाली 79 वर्षीय महिला से लिए गए नमूने में नए कोरोना वायरस वेरिएंट जेएन.1 का पहला मामला सामने आने के बाद केंद्र ने राज्यों को एक सलाह जारी की। इससे पहले, तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले के एक यात्री में सिंगापुर में एनजे 1 सब-वेरिएंट का पता चला है। सलाह में कहा गया है कि आगामी त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए, श्वसन स्वच्छता के पालन द्वारा बीमारी के संचरण के जोखिम को कम करने के लिए अपेक्षित सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय और अन्य व्यवस्थाएं करने की आवश्यकता है। सलाह में राज्यों को नियमित आधार पर सभी स्वास्थ्य सुविधाओं में जिलेवार इन्फ्लूएंज जैसी बीमारी और गंभीर तीव्र श्वसन बीमारी के मामलों -शेष पृष्ठ दो पर

doorgraph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

रामोत्सव : अभेद्य किला बनेगी अयोध्या

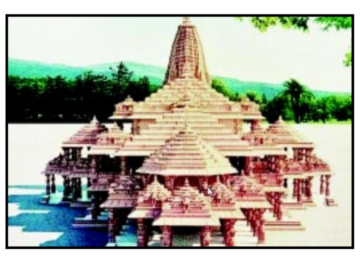

अयोध्या (हि.स.)। श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर योगी सरकार ने सुरक्षा व्यवस्था का पूरा खाका तैयार कर लिया है। आईजी प्रवीण कुमार ने बताया कि अयोध्या पहले से संवेदनशील क्षेत्र रही है। सुरक्षा योजना की दृष्टि से हमारे पास सीआरपीएफ, यूपीएसएसएफ, पीएसी और सिविल पुलिस मौजूद है। इसमें नई तकनीक का समावेश किया गया है। श्रद्धालुओं के आगमन के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ की गई है। उन्होंने बताया कि जल्द ही राम मंदिर के लिए नई सुरक्षा योजना लागू होगी, जिसके तहत कोई भी व्यक्ति बगैर जांच पड़ताल के मंदिर के आस-पास भी नहीं भटक -शेष पृष्ठ दो पर

संसद की सुरक्षा में सेंध पर हंगामा

लोस और रास से 78 सांसद निलंबित

नई दिल्ली (हि.स.)। लोकसभा और राज्यसभा में सोमवार को विपक्ष ने एक बार फिर संसद की सुरक्षा में चूक का मुद्दा उठाया। सदस्य इस दौरान प्लेकार्ड लेकर पहुंचे और सरकार पर मामले में जवाब देने को लेकर दवाब डालने लगे। दोनों सदनों में नारेबाजी के चलते कार्यवाही बाधित रही। इस दौरान विरोध कर रहे विपक्ष के सांसदों पर कार्रवाई की गई और कुल 78 सांसदों को दोनों सदनों से निलंबित किया गया। 14 सांसदों को पहले ही सदन से निलंबित किया जा चुका है, जिससे इनकी कुल संख्या 92 हो गई है। इस दौरान लोकसभा से डाकघर विधेयक, 2023 और राज्यसभा से जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2023 केंद्र शासित प्रदेश सरकार (संशोधन) -शेष पृष्ठ दो पर

ज्ञानवापी मामेल में एएसआई ने एससी को सौंपी रिपोर्ट

साक्ष्यों को सार्वजनिक न करें : मुस्लिम पक्ष

प्रयागराज। ज्ञानवापी सर्वे मामले में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के एडिशनल डायरेक्टर ने वाराणसी के जिला जज को सील बंद रिपोर्ट सौंप दी है। सूत्रों के मुताबिक, उनकी ओर से 1000 से ज्यादा पेज की रिपोर्ट जिला अदालत में सौंपी गई। इस मामले पर अब 21 दिसंबर को फैसला आ सकता है। ज्ञानवापी सर्वे मामले में हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

आग सिर में स्थापित करने पर भी जलाती है। अर्थात दुष्ट व्यक्ति का कितना भी सम्मान कर लें, वह सदा दु:ख ही देता है।

– **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

एनआईए ने आईएसआईएस के आठ गुर्गों को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली (हि.स.)। इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया (आईएसआईएस) पर कार्रवाई करते हुए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को चार राज्यों में 19 स्थानों पर छापे मारे। इसके साथ ही प्रतिबंधित आतंकी संगठन के बेल्लारी मॉड्यूल के आठ गुर्गों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें उनका नेता मिनाज भी शामिल था। आठों गुर्गे, मिनाज उर्फ मोहम्मद सुलेमान के नेतृत्व में काम कर रहे थे। एनआईए की टीम ने कर्नाटक के बेल्लारी और बेंगलुरु के -शेष पृष्ठ दो पर

बाई-बाई 2023...

चंद्रमा पर उतरने के लिहाज से महत्वपूर्ण होगा नया साल, कई मिशन भर सकते हैं उड़ान

नई दिल्ली। कोलोराडो स्कूल ऑफ माइन्स गोल्डन (कोलोराडो) के एक्सपर्ट एलेक्स गिलबर्ट का दावा है कि साल 2024 के स्वागत के लिए उल्टी गिनती शुरू हो गई है और अगले साल चंद्रमा के लिए कई मिशन उड़ान भर सकते हैं। अगले साल चंद्रमा के लिए 12 मिशन भेजे जा सकते हैं या उसकी सतह पर उतर सकते हैं। ये एक साल में सर्वाधिक चंद्र मिशन होंगे। अकेले जनवरी में ही तीन ऐसे मिशन संचालित होने की संभावना है। जापान के एसएलआईएम मिशन ने 19 जनवरी को पहली चंद्र उड़ान की योजना बनाई है। यदि यह मिशन सफल रहा तो जापान चंद्रमा की सतह पर उतरने वाला पांचवां देश होगा। इससे पहले रूस, अमेरिका, चीन और भारत यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। इनट्यूशिव मशीन्स और एस्ट्रोबोटिक नामक दो कंपनियां चंद्रमा पर पहली व्यावसायिक लैंडिंग की दौड़ में शामिल हैं। दोनों ही नासा के व्यावसायिक चंद्र पेलोड सेवा (सीएलपीएस) कार्यक्रम का हिस्सा -शेष पृष्ठ दो पर

फंड की गंभीर कमी से जूझ रही कांग्रेस जनता से की आर्थिक मदद की अपील

नई दिल्ली। राजनीतिक चुनौतियों के साथ फंड की गंभीर कमी से जूझ रही कांग्रेस ने अब सीधे जनता से आर्थिक मदद मांगने की अपील करते हुए *डोनेट पर देश* (देश के लिए दान) अभियान की शुरूआत की है। लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुटी पार्टी ने पहली बार क्राउड फंडिग के जरिए आम लोगों से चंदा जुटाने की यह पहल की है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपने वेतन से 1,38000 रुपए का दान देकर पार्टी के इस अभियान की सोमवार को शुरूआत की। लोकतंत्र पर गहराती चुनौतियों के साथ बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई के खिलाफ लड़ाई में शामिल होने का आह्वान करते हुए कांग्रेस ने लोगों से आर्थिक मदद मांगी है। आमलोगों से चंदा मांगने के इस बड़े अभियान की शुरूआत करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि संभवत: यह यह पहली बार है कि कांग्रेस देश के निर्माण के लिए आम लोगों की मदद मांग रही है। इस अभियान के दौरान आम लोगों और छोटे दानदाताओं से आर्थिक सहयोग मिलेगा उसके सहारे पार्टी मौजूदा चुनौतियों का सामना करते हुए देश का -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पेमा खांडू ने गुवाहाटी में अत्याधुनिक अरुणाचल भवन का उद्घाटन किया

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने 18 दिसंबर को गुवाहाटी में नवनिर्मित अरुणाचल भवन का उद्घाटन किया, जो राज्य के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। मुख्यमंत्री ने माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स पर अरुणाचल प्रदेश के लोगों को आधुनिक सुविधा समर्पित करने की घोषणा की। निर्माण, 2019 में शुरू हुआ और दो साल की प्रभावशाली अवधि के भीतर पूरा हुआ, राज्य की अटूट प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है। मुख्यमंत्री खांडू ने परियोजना के असाधारण निष्पादन, हर विवरण में कुशलता दिखाने के लिए लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की सराहना की। नया अरुणाचल भवन, एक जी प्लस 6 मंजिला इमारत है जो 41441 वर्ग फुट के कुल क्षेत्रफल में फैली हुई है, जिसकी कुल लागत 3673.71 लाख रुपए है। सावधानीपूर्वक डिजाइन की गई संरचना में अच्छी तरह से सुसज्जित कमरे हैं और इसमें अतिरिक्त रेजिडेंट कमिश्नर का कार्यालय है, जो गुवाहाटी में राज्य की उपस्थिति को और बढ़ाता है। उद्घाटन के अवसर पर माननीय अध्यक्ष पासंग दोरजी सोना, पीडब्ल्यूडी मंत्री के सलाहकार फुरपा त्सेरिंग, सचिव जीए साधना देवरी, लेपराडा जेडपीसी न्याबी जिनी दिरची, अतिरिक्त आरसी दिलीप कुमार चुटिया, मुख्य अभियंता पीडब्ल्यूडी टी कामची सहित विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। और एसई पीडब्ल्यूडी चौ सिहाराज चौटांग। मुख्यमंत्री खांडू ने पिछले भवन की बिगड़ती स्थिति को देखते हुए एक नए अरुणाचल भवन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (जीएमसीएच) के पास रणनीतिक स्थान पर प्रकाश डाला, जिससे चिकित्सा उपचार चाहने वाले अरुणाचल प्रदेश के रोगियों के लिए अत्यधिक लाभ की उम्मीद की गई। कोविड-19 महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बावजूद, खांडू ने परियोजना के समय पर पूरा होने को सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त रेजिडेंट कमिश्नर दिलीप कुमार और उनकी टीम के प्रयासों को स्वीकार किया। उन्होंने बिना किसी समझौते के गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न एजेंसियों के साथ उनके प्रभावी संपर्क की सराहना की। भविष्य को देखते हुए, खांडू ने नए अरुणाचल भवन के अधिकारियों से अब उपलब्ध विशाल और उच्च गुणवत्ता वाले कार्यालयों को देखते हुए, अपनी कार्य संस्कृति को ऊपर उठाने का आग्रह किया। उन्होंने गुवाहाटी और शिलांग में स्थित केंद्रीय सरकारी एजेंसियों और उपक्रमों के साथ संपर्क स्थापित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। मुख्यमंत्री खांडू ने खुलासा किया कि नई दिल्ली में एक नया अरुणाचल भवन पूरा होने वाला है और आने वाले महीनों में उद्घाटन के लिए तैयार होने की उम्मीद है। यह विस्तार राज्य के बाहर अरुणाचल प्रदेश के सरकारी अधिकारियों, मरीजों और छात्रों के लिए आवास प्रदान करने, एक अनुकूल कामकाजी माहौल सुनिश्चित करने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

एपीएससी घोटाला : एसीएस रूमी तिमुंगपी को सीआईडी से तलब

गुवाहाटी (हिंस)। बहुचर्चित एपीएससी घोटाले के सिलसिले में राजपत्रित अधिकारियों से पूछताछ जारी है। एसआईटी ने राजपत्रित पदाधिकारी रूमी तिमुंगपी को तलब किया है। उन्हें आज सीआईडी कार्यालय में पेश होना होगा। राजपत्रित अधिकारी पर सभी उत्तर पुस्तिकाओं में नंबर बढ़ाने का आरोप लगा है। पुस्तिकाओं में 50 से 100 अंकों तक की वृद्धि की गई थी। रूमी ने असम लोक सेवा आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष राकेश पाल को रिश्वत देकर नंबर बढ़वाया था। राकेश पाल की पैरवी से एपीएससी परीक्षा में फेल हुई रूमी एपीएस अधिकारी बन गई। उसे कटआफ नंबर से बहुत कम अंक मिले थे। राकेश पाल ने कुल अंक में 200 अंकों का इजाफा करवा दिया था। उल्लेखनीय है कि एपीएससी घोटाले में अब तक कई राजपत्रित अधिकारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। जांच अभी भी जारी है।

सड़क दुर्घटना में चार की मौत

गोलाघाट (हिंस)। जिले के बरपथार के हलौखोवा में एक महिंद्रा थार और जिप्सी के बीच हुए टक्कर में चार लोगों की मौत हो गई। जबकि, चार अन्य घायल हो गए। चारों घायलों को बोकाजान अस्पताल रेफर किया गया है। दुर्घटनाग्रस्त थार का नंबर एएस-01एफ-जे4114 और जिप्सी का नंबर एनएल-04सी-3801 है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया इस मृतकों की पहचान न्यांगमेई बी कोन्याक, नामसन, एन लांगफोंग कोन्याक और नापाया के रूप में हुई है। सभी मृतक नगालैंड के मोन जिले के रहने वाले हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

त्रिपुरा पुलिस ने 16 सौ गांजा के पौधों को किया नष्ट

अगरतला (हिंस)। त्रिपुरा पुलिस ने आज काटकर तथा आग लगाकर लगभग 16 सौ गांजा के पौधों को नष्ट कर दिया। त्रिपुरा के उत्तर रंगमूरा थाना के सातमारा इलाके में बेलोनिया के एसडीपीओ, पीआर बाड़ी थाना प्रभारी के साथ ही 124 बैटालियन सीआरपीएफ, टीएसआर (पुरुष और महिलाएं) और वन विभाग के कर्मचारी ने गांजा पौधों को नष्ट करने का अभियान चलाया। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी त्रिपुरा पुलिस द्वारा भारी मात्रा में गांजा के पौधों को नष्ट किया जा चुका है। त्रिपुरा पुलिस का अभियान लगातार जारी है।

संसद की सुरक्षा में चूक का मामला एससी पहुंचा

नई दिल्ली (हि.स.)। संसद की सुरक्षा में चूक का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर इस घटना की स्वतंत्र और निष्पक्ष न्यायिक जांच की मांग की गई है। वकील अबू सोहैल ने वकील श्रुति बिष्ट के जरिये दायर याचिका में कहा है कि 13 दिसंबर को हुई इस घटना ने संसद की सुरक्षा की पोल खोल दी है। याचिका में मांग की गई है कि इस घटना की सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की निगरानी में स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराई जाए। याचिका में कहा गया है कि इस मामले में न्यायिक हस्तक्षेप की जरूरत है। दरअसल, 13 दिसंबर को संसद की विजिटर गैलरी से दो युवक चैंबर में कूदे। कुछ ही देर में एक युवक ने डेस्क के ऊपर चलते हुए अपने जूतों से कुछ निकाला और अचानक पीले रंग का धुआं निकलने लगा। इस घटना के बाद सदन में अफरा-तफरी मच गई। हंगामे और धुएं के बीच कुछ सांसदों ने इन युवकों को पकड़ लिया और इनकी पिटाई भी की। कुछ देर के बाद संसद के सुरक्षाकर्मियों ने दोनों युवकों को कब्जे में ले लिया। संसद के बाहर भी दो लोग पकड़े गए, जो नारेबाजी करने के साथ पीले रंग का धुआं छोड़ रहे थे।

त्रिपुरा : 200 लोगों को पुलिस ने लिया हिरासत में

अगरतला (हिंस)। त्रिपुरा पुलिस ने आजअलग-अलग आपराधिक मामलों में दो सौ लोगों को हिरासत में लिया। त्रिपुरा पुलिस द्वारा आज दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार पुलिस ने 160 किलोग्राम गांजा जब्त किया है। जबकि, पुलिस द्वारा चलाए गए अलग-अलग अभियानों के दौरान 15 ग्राम हेरोइन जब्त किया गया।

तीन बाइक चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी की गोरजुक पुलिस थाना की टीम ने तीन बाइक चोरों की एक चोरी की एक स्कूटी समेत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान तीन बाइक चोरों को मणिराम देवान ऑडिटोरियम के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार बाइक चोरों की पहचान अभिषेक दास (19 धीरेनपड़ा), दीपक राय (19 बरसपारा) और राजू सरकार (30 बरसपारा) के रूप में की गई है। गिरफ्तार तीन आरोपियों के पास से चोरी की एक (एएस-01एवाई-9324) स्कूटी जब्त की गई है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिक की दर्ज कर गिरफ्तार तीनों चोरों से सघन पूछताछ कर रही है।

पृष्ठ एक का शेष

भारत का सबसे बड़ा ...

जाने वाले जावेद मियांदाद अंडरवर्ल्ड डॉन और आतंकवादी दाऊद इब्राहिम के करीबी रिश्तेदार हैं। दाऊद इब्राहिम की बेटी की शादी जावेद मियांदाद के बेटे से हुई है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व क्रिकेटर को उनके पूरे परिवार के साथ घर में नजरबंद रखा गया है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर जावेद मियांदाद और उनके परिवार को घर में नजरबंद कर रखा है। मियांदाद ने हाल ही में भारत पर कई विवादास्पद टिप्पणियां की हैं। उन्होंने कई भारत विरोधी बातें कही हैं और हाल ही में उन्होंने अयोध्या में बन रहे राम मंदिर को लेकर भी हंगामा किया। मियांदाद ने कहा कि नवनिर्मित राम मंदिर में आने वाले हिंदू मुसलमान बनकर आएंगे। यह वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो गया और मियांदाद की ऐसी टिप्पणी करने के लिए भारत में निंदा की गई, जिससे कई लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई।

पाकिस्तान ने सभी...

सामने आ रही हैं, जिससे उसकी बिगड़ती सेहत के पीछे जहर देने की अटकलें लगाई जा रही हैं। भारतीय अधिकारियों द्वारा लंबे समय से वांछित 65 वर्षीय भगोड़ा वैश्विक स्तर पर कानून प्रवर्तन एजेंसियों से बचने के लिए कराची में रह रहा है। पाकिस्तान के एक टीवी न्यूज ने भी दाऊद इब्राहिम के कराची अस्पताल में भर्ती होने के बाद उसके स्वास्थ्य को लेकर चल रही अफवाहों को स्वीकार करते हुए सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं पर रिपोर्ट दी। रिपोर्टों से पता चलता है कि उनके अस्पताल में भर्ती होने का कारण जहर है, हालांकि कोई ठोस सबूत या पुष्टि नहीं दी गई है। 1993 के मुंबई सीरियल ब्लास्ट का मास्टरमाइंड दाऊद इब्राहिम भगोड़ा है और कई सालों से पाकिस्तान में रह रहा है। विनाशकारी बम विस्फोटों में 250 से अधिक लोग हताहत हुए और हजारों घायल हो गए। बढ़ती चिंताओं और उड़ती अफवाहों के बीच अधिकारी उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। उन पर भारत में आतंकवाद, संगठित अपराध और मादक पदार्थों की तस्करी सहित कई आरोप हैं। 2003 में वैश्विक आतंकवादी के रूप में नामित दाऊद इब्राहिम का आपराधिक गतिविधियों का एक लंबा इतिहास रहा है। दिसंबर 1955 में महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में जन्मे दाऊद इब्राहिम का परिवार बाद में मुंबई के डोंगरी इलाके में चला गया। 1970 के दशक में, वह मुंबई के अंडरवर्ल्ड में प्रमुखता से उभरे, शुरुआत में वह हाजी मस्तान गिरोह से जुड़े थे। समय के साथ, उसने प्रभाव प्राप्त कर लिया, जिससे उसके गिरोह की पहचान कुख्यात *डी-कंपनी* के रूप में होने लगी। दाऊद इब्राहिम के स्वास्थ्य के बारे में चल रही अटकलों के बावजूद, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इन दावों में आधिकारिक सत्यापन का अभाव है। अंडरवर्ल्ड के इस शख्स का आपराधिक गतिविधियों से जुड़ाव और उसकी भगोड़ा स्थिति ने उसे दशकों तक सुर्खियों में बनाए रखा है, जिससे वर्तमान स्थिति में जटिलता की परत जुड़ गई है।

परेश बरुआ को ...

संगठन को चुनौती देते हुए कहा था कि अगर उनसे कोई खतरा है तो उन्हें निशाना बनाया जाए। स्पेशल डीजीपी हरमीत सिंह ने आगे कहा कि परेश बरुआ को जंगलों से चेतावनी देने के बजाय मुख्यधारा में आना चाहिए और असम के विकास के लिए काम करना चाहिए। सिंह ने यह भी कहा कि किसी भी तरह की राष्ट्र विरोधी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। असम पुलिस के विशेष डीजीपी ने आगे कहा कि कोई भी राष्ट्र-विरोधी गतिविधि स्वीकार नहीं की जाएगी। अगर उन्हें असम से प्यार है तो उन्हें वापस लौटना चाहिए और असम के विकास के लिए काम करना चाहिए। चेतावनियां भेजने से कुछ नहीं होगा। एक पुलिस बल के रूप में, हम उनका मुकाबला करने के लिए तैयार हैं। वहां कुछ भी नहीं बचा है। राज्य प्रगति कर रहा है, और उन्हें विकास प्रक्रिया में भाग लेना चाहिए। विनाशकारी गतिविधियां करने से लोगों के लिए केवल समस्याएं ही पैदा होंगी। हाल ही में एक प्रेस विज्ञप्ति में, शीर्ष पुलिस को चुनौती देते हुए, अल्फा (स्वा.) ने जीपी सिंह की चुनौती के जवाब में दो शर्तें रखीं, जिसमें कहा गया कि जी.पी. सिंह ने 15 दिसंबर, 2023 को मीडिया से बात करते हुए अल्फा (स्वा.) को आह्वान किया, हमने दो शर्तों पर उक्त चुनौती स्वीकार की है। सबसे पहले, राज्य पुलिस अधिकारियों और कांस्टेबलों के स्थान पर सीआरपीएफ या भारतीय सेना (वेएसईए क्षेत्र के युवाओं को छोड़कर) का उपयोग करें, जिन्हें जीपी सिंह अपने ड्राइवर के साथ-साथ पश्चिम-दक्षिणपूर्व एशिया (वेएसईए) क्षेत्र में सुरक्षा के लिए नियुक्त कर रहे थे। दूसरे, बस एक सप्ताह के लिए अपने आप को गुवाहाटी शहर में बिना सुरक्षा के घूमते हुए दिखाओ।

जोरहाट विस्फोट में ...

हुआ था। गुवाहाटी में सेना के पीआरओ लेफ्टिनेंट कर्नल महेंद्र रावत ने आईएएनएस को बताया कि उपद्रवियों ने जोरहाट में सेना शिविर के गेट के पास एक कूड़ेदान में हाथ से बना बम फेंक दिया। हालांकि, कोई हताहत नहीं हुआ। प्रतिबंधित उग्रवादी समूह अल्फा (स्वा.) ने 22 नवंबर से 13 दिसंबर के बीच असम के तिनसुकिया, शिवसागर और जोरहाट जिलों में तीन विस्फोटों की जिम्मेदारी ली थी। प्रतिबंधित संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि जीपी सिंह राज्य पुलिस को अपनी पैतृक संपत्ति मानते हैं और समूह ने उन पर इन विस्फोटों से सावधान रहने का आरोप लगाया है। उन्होंने धमकी दी कि अगर सिंह ने कदम नहीं बदला तो वे इस तरह के और विस्फोट शुरू कर देंगे। इसके जवाब में सिंह ने कहा कि अल्फा (स्वा.) को सार्वजनिक क्षेत्रों में हथगोले फेंकने के बजाय सीधे उन पर हमला करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मैं काहिलीपारा में रहता हूं और गुवाहाटी में उलुबरी में काम करता हूं। मुझसे मिलने आने के लिए उनका (अल्फा (स्वा.) स्वागत है। वे मुझे नहीं डराते। सिंह ने यह भी कहा कि भले ही विस्फोटों से कोई चोट नहीं आई, लेकिन यह आम जनता में आतंक पैदा कर सकता है और व्यवस्था बनाए रखने के लिए कानून प्रवर्तन को हस्तक्षेप करने के लिए मजबूर कर सकता है।

मणिपुर जातीय हिंसा ...

जनजातियों की आवाज को दबाते हैं। उन्होंने कहा कि लड़ाई मैतेयी और कुकी के बीच नहीं है, बल्कि सरकार और अवैध प्रवासियों के बीच है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं रोज अपने कुकी दोस्तों से फोन पर बातचीत करता हूं। वे असहाय हैं और सच बोलने में असक्षम हैं क्योंकि उनको बंदूक के बल पर धमकाया जा रहा है। सीएम बीरेन सिंह ने कहा कि पड़ोसी देश म्यांमार में सेना और सैन्य शासन विरोधी समूहों के बीच जारी संघर्ष की वजह से वहां से छह हजार से अधिक प्रवासी कामजोंग जिले में दाखिल हुए हैं। पुलिस टीम स्थिति की निगरानी के लिए भेजी गई है और उन्हें अस्थायी आश्रय देने के लिए बायोमेट्रिक जानकारी एकत्रित की जा रही है।

पहले लोग आते ...

बहुत जरूरी है। आधुनिक कनेक्टिविटी और सुंदरीकरण से क्या बदलाव आता है, यह हम काशी नगरी में देख रहे हैं। आस्था और अध्यात्म के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में काशी का गौरव दिन-प्रतिदिन बुलंद होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज काशी समेत सारा देश विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। विकसित भारत संकल्प यात्रा हजारों गांवों, हजारों शहरों में अब पहुंच चुकी है। प्रयास है कि भारत सरकार ने गरीब कल्याण की, जन-कल्याण की जो भी योजनाएं बनाई हैं, उनसे कोई भी लाभार्थी वंचित न रहे। इसलिए मोदी की गारंटी वाली गाड़ी एकदम सुपरहिट हो गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन्हें योजनाओं का लाभ मिला है, उन्हें ये विश्वास हुआ है कि उनका जीवन अब और बेहतर होगा। पहले लोगों को सरकार के पास जाना पड़ता था, अब सरकार खुद गरीबों के पास जा रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने आज लोकार्पित होने वाली योजनाओं का खास तौर पर उल्लेखकर कहा कि आज बनारस रेल इंजन कारखाने में निर्मित 10 हजारवें इंजन का भी संचालन हुआ है। यह मेक इन इंडिया के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को सशक्त करता है। यह विकसित भारत संकल्प यात्रा एक चलता फिरता विश्वविद्यालय है। इन दो दिनों के काशी प्रवास में मैंने बहुत सीखा। आज की लोकार्पित परियोजनाओं से काशी के विकास को गति मिलेगी। मुझे खुशी है जो पहले विदेश घूमने जाते थे वे आज अपना देश घूम रहे हैं। पर्यटन बढ़ता है तो विकास बढ़ता है। पर्यटन बढ़ने से काशी के लोगों की आय बढ़ गई है। इसके लिए सरकार लगातार काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि गौदोलिया की चाट और रामनगर की लस्सी की जानकारी भी आज काशी वेबसाइट पर मिल जाती है। यहां पर्यटकों को अलग-अलग टिकट लेने की जरूरत नहीं होगी। अब एक ही पास से हर जगह एंट्री होगी। काशी में कहा क्या देखना है। काशी में खाने पीने की मशहूर जगह कौन सी है। यहां ऐतिहासिक जगह कौन सी है। ऐसी हर जानकारी दुनिया भर को देखने के लिए वाराणसी टूरिस्ट वेबसाइट काशी को भी लांच किया गया है। उन्होंने कहा कि बनारस की प्रशंसा सुनकर गर्व होता है। कल शाम ही काशी कन्याकुमारी ट्रेन को हरी झंडी दिखाने का मौका मिला। वहीं, आज वाराणसी से दिल्ली के लिए एक और वंदेभारत ट्रेन मिली। आज से मऊ से दोहरीघाट ट्रेन शुरू हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से लोकसभा चुनाव का बिगुल फूंक दिया। उन्होंने कहा कि अब से कुछ महीने बाद ही लोकसभा चुनाव होना है और मोदी ने देश को गारंटी दी है कि अपने तीसरे कार्यकाल में देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएगी। उन्होंने कहा कि समाज के भीतर शक्ति है। जिसमें एक से एक सामार्थ्यवान भरे पड़े हैं। ये सब जानने का मौका विकसित संकल्प यात्रा में जाने के बाद मिला। पहले लोगों को सरकार के पास जाना पड़ता था लेकिन अब सरकार खुद चलकर गरीबों के पास जाएगी। प्रधानमंत्री ने भोजपुरी में बोलकर सम्बोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि काशी के सब लोगन के हमार प्रणाम बा। का कहल जाला बनारस में..जिया राजा बनारस। मुझे आपसे शिकायत है। इस बार देव दीपावली पर मैं यहां नहीं था लेकिन आप लोगों ने इस बार रिकॉर्ड तोड़ दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि काशीवासियों ने जो काम कर दिखाया है, दुनिया जब उसका गौरवगान करती है तो सबसे ज्यादा खुशी मुझे होती है। जब काशी का विकास होता है तो यूपी का विकास होता है। जब यूपी का विकास होता है तब देश का विकास होता है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया। जनसभा में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, मंत्री रविंद्र जायसवाल, डॉ दयाशंकर मिश्र दयालु, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह, गुजरात के भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदि भी मौजूद रहे।

कोरोना : भारत में 260...

की निगरानी और रिपोर्ट करने और एकीकृत स्वास्थ्य सूचना मंच में विवरण अपडेट करने का निर्देश दिया गया। इसमें यह भी कहा गया कि राज्यों को सभी जिलों में पर्याप्त परीक्षण सुनिश्चित करना चाहिए। कोविड के जेएन.1 वेरिएंट को ओमीक्रॉन सब-वेरिएंट बीए.2.86 या पिरोला का वंशज माना जाता है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, इसका पहली बार संयुक्त राज्य अमेरिका में सितंबर 2023 में पता चला था और चीन ने 15 दिसंबर को विशेष उप-संस्करण के सात संक्रमणों का पता लगाया था। रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अनुसार, बीए.2.86 में स्पाइक प्रोटीन पर कुल 20 उत्परिवर्तन होते हैं, जो एक चिंता का विषय है क्योंकि वायरस मेजबान की कोशिकाओं पर कब्जा करने के लिए स्पाइक प्रोटीन का उपयोग करते हैं। जेएन.1 वैरिएंट के लक्षणों में हल्का बुखार, खांसी, नाक के मार्ग में असुविधा, गले में खराश, नाक बहना, चेहरे के भीतर दर्द या दबाव, सिरदर्द और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं शामिल हैं।

रामोत्सव : अभेद्य किला ...

सकेगा। आईजी के अनुसार जगह-जगह चेकिंग प्वाइंट बनाए जाएंगे। इसके अलावा सीसीटीवी कैमरे लगे होंगे। बगैर अनुमति के इस इलाके में ड्रोन नहीं उड़ाए जा सकेंगे। भविष्य में रिवर सिक्योरिटी को भी मजबूत किया जाएगा। नदी के किनारे सुरक्षा की बेहतर व्यवस्था की जाएगी। लोकार्पण के समय की सुरक्षा व्यवस्था के तहत जिले में 37 शासकीय और अशासकीय जमीनों पर पार्किंग व्यवस्था की जा रही है। यहां भी कैमरे लगे होंगे। उन्होंने बताया कि 22 व 23 जनवरी को भारी वाहन शहर के भीतर से होकर नहीं जाएंगे। साथ ही जिन लोगों को आमंत्रण दिया गया होगा उनके आने के लिए बेहतर व्यवस्था रहेगी। वहीं, अन्य छोटे वाहनों के लिए भी व्यवस्था लागू होगी, वे अपने गंतव्य तक आसानी से पहुंच सकेंगे। डायवर्जन की सूचना विभिन्न माध्यमों से मिलेगी। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान सुरक्षा के मद्देनजर खुफिया विभाग चारों ओर सक्रिय रहेगा। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का भी सहयोग लिया जाएगा। अराजकतत्वों की जानकारी के साथ ही उन पर पैनी नजर रहेगी।

लोस और रास ...

विधेयक, 2023 पारित किया गया। दोनों विधेयक दोनों सदनों से पारित होने के कारण संसद की मंजूरी पा गए हैं। लोकसभा में संसदीय कार्यमंत्री ने विपक्ष से सहयोग की अपील की और कहा कि यह लोकसभा का अंतिम पूर्ण सत्र है और बहुत से विधायी कार्य बाकी हैं। विपक्ष सहयोग करे और सदन को चलने दे। लोकसभा में अध्यक्ष ओम बिरला ने भी विपक्षी सदस्यों से सदन को चलाने में सहयोग देने की अपील की। बिरला ने एक बार फिर दोहराया कि संसद परिसर की सुरक्षा की जिम्मेदारी उन पर है और इस संबंध में उन्होंने सभी दलों के नेताओं से चर्चा की है और इस संबंध में उचित कदम उठाए जाएंगे। सरकार से जहां सहयोग की आवश्यकता होगी, सहयोग लिया जाएगा। पूर्व में भी इस तरह की घटनाएं हुई हैं। बिरला ने विरोध कर रहे सदस्यों से कहा कि कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में तय होने के बावजूद सदस्य प्लेकार्ड लेकर आ रहे हैं। इसके बाद सदन की कार्यवाही पहले 12 फिर 2 बजे फिर 2.45 और तीन बजे तक के लिए स्थगित की गई। तीन बजे कार्यवाही शुरू होने पर संसदीय कार्यमंत्री प्रह्लाद जोशी ने 30 सदस्यों को वर्तमान सत्र के बाकी कार्यकाल के लिए निलंबित किए जाने का प्रस्ताव रखा। साथ ही उन्होंने तीन सदस्यों का मामला आचार समिति को भेजे जाने और समिति की रिपोर्ट आने तक उन्हें निलंबित किए जाने का प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव को ध्वनिमत से मंजूर कर लिया गया। उधर, राज्यसभा की कार्यवाही भी दिनभर प्रभावित रही। राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ ने सदस्यों को चेतावनी दी। इसके कारण कार्यवाही दिनभर बाधित रही। शाम को 4.30 बजे कार्यवाही शुरू होने पर सभापति ने कुछ सदस्यों को नाम लेकर उन्हें अनुचित आचरण करने पर चेताया। इसके बाद नेता सदन पीयूष गोयल ने 34 सांसदों को सदन से बाकी कार्यकाल के लिए निलंबित किए जाने का प्रस्ताव रखा। ग्यारह सांसदों का मामला आचार समिति को भेजे जाने और तब तक उन्हें निलंबित रखने का प्रस्ताव रखा। प्रस्ताव को ध्वनिमत से स्वीकार कर लिया गया। लोकसभा से आज निलंबित सांसदों के नाम इस प्रकार हैं - कल्याण बनर्जी, ए राजा, दयानिधि मारन, अपारूपा पोद्दार, प्रसून बनर्जी, ई टी मोहम्मद बशीर, गणेशन सेल्वम, सी एन अन्नादुरई, अधीर रंजन चौधरी, टी सुमति, के एन कनि, एन के प्रेमचंद्रन, शताब्दी रॉय, सौगत रॉय, कौशलेंद्र कुमार, एन्टो एंटनी, एस एस पलनिमणिक्कम, प्रतिमा मंडल, काकोली घोष, दस्तीदार, के मुरलीधरन, सुनील कुमार मंडल, एस रामालिंगम, सुरेश के, डॉ अमर सिंह, टी आर बालू, एस तिरुवुकरशर, गौरव गोगोई, राजमोहन उन्नीथन, डॉ के वीरास्वामी, असित कुमार मल। इसके अलावा डॉ के जयकुमार, अब्दुल खलिक, विजय वसंत का नाम आचार समिति को भेजा गया है। राज्यसभा से निलंबित सांसदों के नाम इस प्रकार हैं -प्रमोद तिवारी, जयराम रमेश, अमी याजनिक, नारणभाई जे. राठवा, सैयद नासिर हुसैन, मती फूलो देवी नेताम, शक्तिसिंह गोहिल, के.सी.वेणुगोपाल, मती रजनी अशोकराव पाटिल, मती रंजीत रंजन, इमरान प्रतापगढ़ी, रणदीप सिंह सुरजेवाला, सुखेन्दु शेखर रे, मोहम्मद नदीमुल हक, अबीर रंजन विश्वास, शांतनु सेन, मती मौसम नूर, प्रकाश चिक बड़ाइक, समीरुल इस्लाम, एम. शनमुगम, एन.आर.एलंगो, कनिमोझी एनवीएन सोमू, आर. गिरिराजन, प्रो.मनोज कुमार झा, फैयाज अहमद, वी. सिवादासन, रामनाथ ठाकुर, अनिल प्रसाद हेगड़े, मती वन्दना चव्हाण, प्रो. रामगोपाल यादव, जावेद अली खान, मती महुआ माजी, जोस के. मणि, अजित कुमार भुइयां। इसके अलावा जेबी माथेर हिशाम, एल. हनुमंथैया, नीरज डांगी, राजमणि पटेल, कुमार केतकर, जी. सी. चंद्रशेखर, बिनॉय विश्वम, सन्दोश कुमार पी, एम. मोहम्मद अब्दुल्ला, जॉन ब्रिटास, और ए. ए. रहीम का नाम आचार समिति को भेजा गया है।

ज्ञानवापी मामेल में ...

विष्णु शंकर जैन ने कहा कि हमें ये पता चला है कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की ओर से अदालत में सील बंद रिपोर्ट जिला जज को सौंपी है। हम मानते हैं कि ऐसा करके एएसआई ने सुप्रीम कोर्ट के 4 अगस्त के फैसले का उल्लंघन किया है। इसलिए हमने जिला अदालत के समक्ष एक आवेदन दायर किया है कि हमें रिपोर्ट की एक प्रति प्रदान की जानी चाहिए, और मीडिया को यह आदेश नहीं दिया जा सकता कि आप इस रिपोर्ट के बारे में बात नहीं कर सकते या इस पर कुछ प्रकाशित नहीं कर सकते। दूसरी ओर मुस्लिम पक्ष की ओर से कहा गया कि हम चाहते हैं कि सर्वे की रिपोर्ट सील बंद लिफाफे में पेश हो और बिना हलफनामे के किसी को भी इसे सार्वजनिक करने की इजाजत न दी जाए। आज सर्वे रिपोर्ट पेश होने से पहले मुस्लिम पक्ष यानी अंजुमन इंतजामिया ने कोर्ट में एक एप्लिकेशन दी, इसमें यह मांग की गई कि सर्वे में जुटाई गई चीजों को सार्वजनिक न करें। सूत्रों के अनुसार, ज्ञानवापी के सर्वे के दौरान एएसआई को खंडित मूर्तियां, घड़ा, चिह्न जैसे 250 अवशेष मिले थे। इन्हें भी आज अदालत में पेश किया गया है। सर्वे से जुड़ी सबसे बड़ी बात यह है कि जीपीआर रिपोर्ट अमेरिका में तैयार की गई है। ज्ञानवापी में सर्वे हैदराबाद की जीपीआर टीम ने किया था। सर्वे के दौरान खंडित मूर्तियों समेत अनेक अवशेष मिले। एएसआई के वैज्ञानिक सर्वेक्षण से अदालत को यह समझने में मदद मिलेगी कि वाराणसी में काशी विश्वनाथ परिसर के निकट मस्जिद का निर्माण हिंदू मंदिर की पहले से मौजूद संरचना पर किया गया था या नहीं। गौरतलब हो कि ज्ञानवापी के पिछले हिस्से की दीवार पर हिंदू धर्म से जुड़े निशान मिलने का दावा किया गया है। साथ ही मस्जिद में त्रिशूल देखा गया है। ज्ञानवापी परिसर में सर्वे करने का आदेश भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को सुप्रीम कोर्ट ने दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने 4 अगस्त को कहा था कि ज्ञानवापी के वजूखाना क्षेत्र को छोड़कर मस्जिद परिसर में सर्वे किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश अंजुमन इंतजामिया मस्जिद कमेटी द्वारा इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका का निपटारा करते हुए दिया था।

चंद्रमा पर उतरने ...

हैं और अमेरिकी व्यावसायिक अंतरिक्ष क्षेत्र की महत्वाकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं। चंद्रमा को लेकर देशों की इस कदर रुचि बढ़ने के तीन प्रमुख कारण हैं। पहला प्रक्षेपण यान और अंतरिक्षयान प्रणालियों की कीमत कम होने के साथ अंतरिक्ष यात्रा की लागत में भी कमी आ रही है। इससे नये प्रतिभागी बाजार में उतर रहे हैं। भारत के चंद्रयान-3 से यह बात सामने आई कि चंद्र मिशन की लागत 10 करोड़ डॉलर से कम रह सकती है। एस्ट्रोबोटिक कंपनी मेक्सिको द्वारा विकसित छोटे रोवरों को ले जाने के लिए उस देश के पहले चंद्र मिशन पर काम कर रही है। दूसरा कारण चंद्रमा के बारे में अन्वेषण को लेकर वैज्ञानिक और आर्थिक रुचि बढ़ी है। चंद्रमा पर जल संसाधन की उपलब्धता मानी जाती है। वर्ष 2024 में प्रस्तावित अधिकतर मिशन का उद्देश्य प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से चंद्रमा की सतह पर पानी की खोज करना है। तीसरी वजह भूराजनीतिक प्रतिस्पर्धा के पैदा होने से अंतरिक्ष कार्यक्रम के प्रति समर्थन मजबूत होना है। अंतरिक्ष में स्पर्धा को रेखांकित करते हुए, चीन और अमेरिका दोनों ने 2024 में अपने महत्वपूर्ण मिशनों की योजना बनाई है। चीन ने मई में चंद्रमा के सुदूर हिस्से से पहले वैज्ञानिक नमूने लाने के लिए चांग-ए 6 मिशन को भेजने की योजना बनाई है। नवंबर में अमेरिका मानव दल के साथ आर्टेमिस-2 मिशन को चंद्रमा के लिए रवाना कर सकता है। इसके साथ चार अंतरिक्ष यात्री 1970 के दशक के बाद पहली बार अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरेंगे। यह मिशन 2026 या 2027 में चंद्रमा की सतह पर चालक दल के पहुंचने के लिए आधार तैयार करेगा, जिसके तहत 2030 के दशक की शुरुआत में चंद्र सतह पर आधार स्थापित करने की उम्मीद है। इन सभी मिशनों में सबसे रोमांचक नासा का वाइपर रोवर हो सकता है, जो चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव की ओर जाने वाला है। चंद्रमा का दक्षिणी ध्रुव स्थायी रूप से छाया वाला है। यहां ऐसे क्षेत्र हैं जहां कभी सूर्य का प्रकाश नहीं मिलता है और वहां पानी जैसे वाष्पशील पदार्थों का पर्याप्त भंडार होने की उम्मीद है।

फंड की गंभीर ...

निर्माण करेगी। खड़गे ने कहा कि अगर अमीरों पर निर्भर रहकर काम करते रहेंगे तो हमें कल को उनकी नीतियों-कार्यक्रमों से सहमत होना पड़ सकता है। कांग्रेस पहले से ही गरीबों, अनुसूचित जाति, पिछड़ों के हितों के लिए काम कर रही है और वे पहले भी हमारी मदद करते रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को हमेशा आम जनता से मदद मिली है और महात्मा गांधी ने भी जनता की मदद से देश को आजादी दिलाई थी। हम आम लोगों से चंदा इकट्ठा करेंगे और उन्हें वर्तमान चुनौतियों से जुड़ी लड़ाई में शामिल करेंगे। हम लोगों को आश्वस्त कर सकते हैं कि केवल एक ही पार्टी है जो गरीबों के लिए लड़ रही है। कांग्रेस कोषाध्यक्ष अजय माकन और संचार महासचिव जयराम रमेश की मौजूदगी में क्राउड फंडिग के लिए तैयार किए गए पार्टी के विशेष एप के जरिए अपने वेतन से चंदा देकर खड़गे ने इस अभियान की शुरूआत की। चंदा जुटाने के अभियान के शुरू होने के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भी लोगों से भारत के इस विजन में कांग्रेस से जुड़ने का आह्वान करते हुए इस अभियान में योगदान देकर पार्टी के संघर्ष में बराबर के साथी बनने की अपील की।

एनआईए ने आईएसआईएस...

अलावा महाराष्ट्र में अमरावती, मुंबई व पुणे, झारखंड में जमशेदपुर, बोकारो और दिल्ली में भी छापेमारी की। इस दौरान प्रतिबंधित संगठन आईएसआईएस की आतंकी गतिविधियों को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने में शामिल आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान बेल्लारी के मिनाज उर्फ मोहम्मद सुलेमान और सैयद समीर के रूप में हुई है। मुंबई से अनस इकबाल शेख, बेंगलुरु से मोहम्मद मुनीरुद्दीन, सैयद समीउल्लाह उर्फ सामी और मोहम्मद मुजम्मिल, दिल्ली से शायान रहमान उर्फ हुसैन और जमशेदपुर से मोहम्मद शाहबाज उर्फ जुल्फिकार उर्फ गुड्डू का नाम है। एनआईए ने छापेमारी के दौरान इन लोगों के परिसर से सल्फर, पोटेशियम नाइट्रेट, चारकोल, गनपाउडर, चीनी और इथेनॉल जैसे विस्फोटक कच्चे माल बरामद किए हैं। इसके साथ तेज धार वाले हथियार, बेहिसाब नकदी के साथ आपत्तिजनक दस्तावेज, स्मार्टफोन और अन्य डिजिटल डिवाइस भी जब्त किए हैं।

डीएफओ अख्तर हुसैन के घर सीएम विजिलेंस का छापा

गुवाहाटी (हिंस)। डीएफओ अख्तर हुसैन के घर पर सीएम विजिलेंस ने छापामारी की है। राजधानी गुवाहाटी के हाथीगांव के शेवाली पथ स्थित अख्तर हुसैन के घर पर सीएम विजिलेंस की टीम ने छापामारी अभियान चलाया। भूमि संरक्षण विभाग, सिलचर के डीएफओ पद पर अख्तर हुसैन तैनात हैं। अख्तर हुसैन पर भ्रष्टाचार के जरिए संपत्ति का अंबार लगाने का आरोप है। हुसैन के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। छापेमारी टीम को हुसैन के घर पर करोड़ों रुपए की संपत्ति की जानकारी मिली है। गुवाहाटी के साथ-साथ ग्वालपाड़ा में भी अख्तर हुसैन की विशाल इमारत है। डीएफओ के पास ग्वालपाड़ा में दो मकान और चार जगहों पर जमीनें हैं। ग्वालपाड़ा में एक विशाल सात मंजिला इमारत है। गुवाहाटी के हाथीगांव में शेवाली पथ पर एक अत्याधुनिक इमारत भी है। हुसैन की बिल्डिंग देखकर सीएम विजिलेंस टीम भी हैरान है।

असम राइफल्स ने पकड़े तीन एनएनसी उग्रवादी

कछार (हिंस)। असम राइफल्स ने तीन नगा नेशनल काउंसिल (एनएनसी) उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। एक विश्वसनीय खुफिया सूचना के आधार पर जिरीघाट थाना केस नंबर 36/23 (302 आईपीसी आर/डब्ल्यू 27 आर्म्स एक्ट) के संबंध में जिरीघाट थाना के अधिकार क्षेत्र के तहत असम मणिपुर सीमा पर क्राउलोंग और नामडेलोंग गांवों में एक विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान तीन एनएनसी सक्रिय कैडरों को पकड़ा गया और गहन पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और 10 दिनों के लिए पुलिस हिरासत में ले लिया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम पौनिंग रोंगमाई (45), दितिउओयांग रोंगमेई (40) तथा नामजाओरेई गंगमेई (40) को गिरफ्तार किया गया। इन उग्रवादियों पर 12 दिसंबर को असम मणिपुर सीमा के नामदैलोंग गांव में एनएनसी हाई रैंक कैडर (मिदान पेयू) गैडिनचुंगपो रोंगमेई की गोली मारकर हत्या में शामिल होने का संदेह है। पूछताछ के दौरान उन्होंने स्वीकार किया कि वे नगा नेशनल काउंसिल के ज़ेलियानग्रोंग क्षेत्रों में सक्रिय कैडर और एरिया कमांडर हैं। ऑपरेशन 39 असम राइफल्स के साथ संयुक्त रूप से रात के समय ऊंचे कठिन पहाड़ी इलाकों में चलाया गया था, जो सिलचर से लगभग 60 किलोमीटर की दूरी पर है। मामले की आगे की जांच जारी है।

दिसपुर राजस्व सर्किल में जिला आयुक्त ने 38 शिकायतें सुनी

गुवाहाटी (हिंस)। कामरूप (मेट्रो) जिला आयुक्त सुमित सत्तावन ने आज दिसपुर राजस्व सर्किल में भूमि से संबंधित 38 शिकायतें सुनीं। आयुक्त अगले रविवार यानी 24 दिसंबर को गुवाहाटी राजस्व सर्किल के लोगों की शिकायतों को सुनेंगे। उस दिन सुबह 9.30 बजे से, जिला आयुक्त उलुबारी में गुवाहाटी राजस्व सर्कल अधिकारी के कार्यालय में उपस्थित होंगे। जिला आयुक्त सुमित सत्तवान लोगों की भूमि से संबंधित शिकायतों को सुनने के लिए कल दिसपुर राजस्व सर्कल के कार्यालय में उपस्थित थे। उन्हें भूमि संबंधी कुल 38 मुद्दों के निपटारे के लिए जनता से कुल 38 आवेदन प्राप्त हुए। जिला आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिया और नियमों के अनुसार आवेदन से संबंधित मुद्दों के निपटारे में तेजी लाने के निर्देश दिए। जिला उपायुक्त अगले रविवार को दिसपुर सर्किल ऑफिस तथा उसके बाद के रविवार को आजरा, सोनापुर तथा चंद्रपुर सर्किल ऑफिस में उपस्थित होकर जनता की शिकायतें सुनेंगे।

रंगिया पुलिस ने दो ठग को किया गिरफ्तार

रंगिया (विभास)। रंगिया पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर सोमवार को शहर के वार्ड नंबर 4 से दो व्यक्तियों को पकड़ने में सफलता हासिल की है। जोकि पिछले कई दिनों से बरपेटा बंगाईगांव नलबाड़ी और रंगिया आदि क्षेत्र में ठगी का कारबार चला रहे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार वें लोगों और विशेषकर महिलाओं से सोने के आभूषनों को साफ करने के नाम पर उनको धोखा देकर आभूषणों को लूटते थे। उनके खिलाफ रंगिया थाने में एक मामला दर्ज किया गया है। दोनों व्यक्तियों की पहचान क्रमश: शंभु साह उम्र 40 वर्ष, पुत्र-लेट मुकेश साह, गांव-सामेली, थाना-पाठिया, जिला कटिहार, बिहार और धर्मेन्द्र साह, उम्र 45 वर्ष, पुत्र-लेट किशन साह, गांव- सामेली, थाना- पाठिया, जिला कटिहार (बिहार) के रूप में हुई है जिनके पास से रंगिया पुलिस ने लूट के कार्य में व्यवहार की गई लाल रंग की पल्सर मोटर साइकिल जिसका रजिस्ट्रेशन नं डब्ल्यू 74 जेड 8729 के साथ कुछ सामान और उपकरण जब्त किए है। पुलिस दोनों अभियुक्तों से गहन पूछताछ कर रही है।

डिब्रूगढ़ चाय बगान क्षेत्र में अवैध कोयला खनन पर रोक, धारा 188 लगाई गई

डिब्रूगढ़ (हिंस)। डिब्रूगढ़ जिला प्रशासन ने सोमवार को नाहरकटिया क्षेत्र के ताराजान चाय बागान इलाके में अवैध कोयला खनन पर प्रतिबंध लगा दिया। डिब्रूगढ़ जिला प्रशासन के एक आदेश में कहा गया है, कि हालांकि, अधोहस्ताक्षरी को ऐसा प्रतीत होता है कि डिब्रूगढ़ जिले के ऐतिहासिक टिपम हिल से लगभग 5 किमी उत्तर पूर्व में ताराजान पहाड़ क्षेत्र में स्थित ताराजान चाय बगान में एक संवेदनशील कानून और व्यवस्था की स्थिति बनी हुई है। अवैध कोयला खनन/कोयले के रेट होल माइनिंग की संभावना है, जिससे कानून और व्यवस्था, शांति और अमन का उल्लंघन होगा और जीवन और संपत्ति को भी नुकसान होगा। इसलिए, सीआरपीसी की धारा 144 के तहत डीसी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और पिछले आदेश संख्या एमजे/51/2022-एमएजी-डीबीआर/128, दिनांक 23.09.2023 के क्रम में जिला मजिस्ट्रेट, डिब्रूगढ़ ने उल्लिखित कार्यक्रम के अनुसार डिब्रूगढ़ जिले में निम्नलिखित गतिविधियों पर निषेधात्मक आदेश जारी किया। ताराजन टी इस्टेट डिब्रूगढ़ के नाहरकटिया राजस्व मंडल के जयपुर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत, नंबर 5 एफएस ग्रांट, फकियाल मौजा के ऐतिहासिक टिपम हिल से लगभग 5 किलोमीटर उत्तर पूर्व में ताराजन पहाड़ में स्थित है। डीसी द्वारा हस्ताक्षरित आदेश में कहा गया है कि अवैध कोयला खनन/रैट होल खनन के कारण कानून और व्यवस्था, शांति और शांति भंग होने और जीवन और संपत्ति को नुकसान होने की पूरी संभावना है।

विधायक की हत्या : कांग्रेस ने की कड़ी निंदा

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) ने सोमवार को तिरप जिले के नेताओं की कथित तौर पर हो रही हत्या को लेकर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) स्तर की जांच की मांग की। कांग्रेस ने कहा कि यह बार-बार राजनीतिक नेताओं की हत्या की जा रही है। 2019 में मौजूदा विधायक तिरोंग अबोह की हत्या के बाद हाल ही में पूर्व विधायक युमसेन माटे की हत्या कर दी गई। लोंगडिंग जिले में एनएससीएन (के-वाईए) के गुट द्वारा नवंबर के महीने में ग्राम प्रधान चोपकु गैंगसा और गांव बूढ़ा चिजगसन वांगम के अपहरण पर चिंता जताते हुए एपीसीसी के प्रवक्ता जिर्डी काडू ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की मशीनरी, खुफिया

एजेंसियां लोगों की जान बचाने और हर साल अपहरण, जबरन वसूली से बचाने में पूरी तरह विफल हो रही है। काडू ने कहा कि राज्य की कानून व्यवस्था उनके उद्देश्यों को उस तरह से पूरा नहीं कर रही है जिस तरह से होनी चाहिए थी, इसलिए राज्य सरकार को अगले साल के चुनाव के सभी इच्छुक उम्मीदवारों को पुलिस सुरक्षा प्रदान करनी होगी। उन्होंने कहा कि अपराधियों से निपटने के लिए तुरंत एक मजबूत तंत्र विकसित किया जाना चाहिए और दोषियों को दंडित करें। एपीसीसी ने कहा, हालांकि राज्य पुलिस ने एक पूर्व विधायक की कथित हत्या की जांच शुरू कर दी है, लेकिन अंतर्राष्ट्रीय सीमा स्तर पर अरुणाचल के निवासियों की रक्षा करना केंद्र सरकार का कर्तव्य है। कांग्रेस पार्टी ने कहा कि इसके लिए उग्रवाद की बाढ़ पर सख्ती से निगरानी रखने के लिए म्यांमार सीमा पर अधिक बल की तैनाती की जानी चाहिए। वहीं तिराप, चागंलांग और लोंगडिंग क्षेत्र में हो रही घटनाओं की कड़ी निंदा करते हुए एपीसीसी ने केंद्र सरकार से मामले पर स्थायी समाधान लाने और क्षेत्र के लोगों में विश्वास पैदा करने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी दावा किया कि समस्या राज्य के भीतर फैल रही है, इसे और बढ़ने से पहले राज्य सरकार इसे नियंत्रित करे। इसके अलावा उन्होंने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

कोकराझाड़ : शक्तिआश्रम उच्च माध्यमिक विद्यालय का 75वां स्थापना दिवस कल से

कोकराझाड़ (विभास)। कोकराझाड़ जिले के शक्तिआश्रम उच्च माध्यमिक विद्यालय में आगामी 20, 21 ओर 22 से तीन दिवसीय के तहत 75वां स्थापना दिवस आयोजित की जाएगी। आज आयोजित एक संवाददादाता सम्मेलन में शक्तिआश्रम उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रचार्य लखन चंद्र दास ने उक्त बातें बताई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, के अलावा शिक्षामंत्री रनोज पेगु, जयंतमल्ल बरुवा उर्खा गौरा ब्रह्म, विधायक रबिराम नार्जारी, लोरेंस इस्लारी बीटीआर के चीफ प्रमोद बोड़ो सहित अन्य कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के समापन समारोह के दौरान एक सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

ईस्टर्न हिमालयन नेचरनॉमिक्स फोरम के 11वें संस्करण की शुरुआत

गुवाहाटी। बालीपाड़ा फाउंडेशन ने इस वर्ष गुवाहाटी में वार्षिक ईस्टर्न हिमालयन नेचरनॉमिक्स फोरम का अपना 11वां संस्करण सफलतापूर्वक लांच किया। इस वर्ष का मुख्य विषय *ग्रेट पीपल्स फॉरेस्ट 2030* का आह्वान है, जिसमें 15 से अधिक देशों के 60 लोगों को संयुक्त राष्ट्र पुनर्स्थापना दशक के अनुरूप क्षेत्र के लिए एक पुनर्स्थापना एजेंडा बनाने के लिए एक साथ लाया गया है। यह थीम 2030 तक 1 मिलियन हेक्टेयर वनों और कृषि भूमि को बहाल करने के लिए इस साल की शुरुआत में जी20 में बालीपाड़ा फाउंडेशन और कंजर्वेशन इंटरनेशनल के बीच साझेदारी में शुरू की गई महत्वाकांक्षी ग्रेट पीपल्स फॉरेस्ट पहल से ली गई है। साझेदारों के एक गठबंधन के साथ, जिसमें एटीआरईई और टीईआरआई शामिल हैं, इस पहल को सीओपी28 में लांच किए गए अपने पहले रैपिड-स्केलिंग पोर्टफोलियो के माध्यम से वसंत 2024 में काम शुरू किया जाएगा - फोरम इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने के लिए गठबंधन को एक साथ लाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा। लक्ष्य। फोरम की शुरुआत टाटा स्टील फाउंडेशन के निदेशक, चाणक्य चौधरी

के मुख्य भाषण से हुई। इसके बाद एमी पुरस्कार विजेता निर्माता/निर्देशक और सह-संस्थापक निकोलस क्लैक्सटन द्वारा संचालित एक चर्चा हुई। इसके बाद जेसन कन्नौफ (ग्लोबल फेलो, कंजर्वेशन इंटरनेशनल) द्वारा संचालित एक सत्र में, प्रमुख खाद्य संप्रभुता वकील और नवदान्य की संस्थापक डॉ. वंदना शिवा, टाटा स्टील फाउंडेशन के सीईओ सौरव रॉय और काजीरंगा नेशनल की डॉ. सोनाली घोष के साथ शामिल हुईं। पार्क की पहली महिला निदेशक ने इस अवसर की गहराई से पड़ताल की कि पूर्वी हिमालयी क्षेत्र को अब जंगलों और लोगों की समृद्ध जैव-सांस्कृतिक विरासत में निवेश करके शेष विश्व के लिए एक शोकेस बनना है। पर्यावरणविद् और जैव विविधता को बढ़ावा देने की पहल नवदान्य की संस्थापक डॉ. वंदना शिवा ने कहा कि जंगल में कोई हीन और श्रेष्ठ नहीं है। यह लोकतंत्र का स्थान है। इस तरह की पहल से हम मानव और जंगल के अलगाव को खत्म कर देते हैं। औपनिवेशिक व्यवस्था ने हमें अलगाव का विचार दिया। या तो पेड़ या इंसान। लेकिन हमें सद्भाव की जरूरत है। बालीपाड़ा फाउंडेशन के संस्थापक रंजीत बरठाकुर ने भूटान के विज़न 2030 पैनल में बोलते हुए कहा कि मूल्यांकन नेचरनॉमिक्स की कुंजी है। मूल्य पर आधारित नेतृत्व किसी भी सफलता का कारक होगा। उन्होंने कहा, खुशी सूचकांक आसपास की प्रकृति पर आधारित है, और अगर इसका अर्थव्यवस्था में अनुवाद किया जा रहा है, तो यह मूल्यवान है। पैनल में बोलते हुए, गौतम मुखोपाध्याय, वरिष्ठ विजिटिंग फेलो, सेंटर पॉलिसी रिसरच, इंडिया ने कहा कि हम जैव विविधता सम्मेलनों में कॉप 27 और कॉप 28 में अपने जंगलों पर बड़ी प्रतिज्ञा कर रहे हैं, लेकिन वन संरक्षण संशोधन अधिनियम जैसी जमीन पर हमारी वास्तविक नीतियां उलट रही हैं। इस पर प्रगति। ईस्टर्न हिमालयन नेचरनॉमिक्स फोरम भूमि, ऊर्जा, अपशिष्ट, जल, वायु, कार्बन और पूर्वी हिमालय के पुनर्योजी भविष्य को आकार देने में उनकी भूमिका के बारे में बातचीत के साथ कल भी जारी रहेगा।

बाबोसा भगवान का मिंगसर महोत्सव आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। श्री बाबोसा भक्त मंडल के तत्वावधान में बाबोसा भगवान का मिंगसर महोत्सव गत रविवार को विभिन्न कार्यक्रमों के साथ धूमधाम से आयोजित किया गया। फैंसी बाजार के सांगानेरिया धर्मशाला में इस अवसर पर बाबोसा भगवान का भव्य दरबार लगाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बाबोसा भगवान की पूजा-अर्चना व ज्योत प्रज्वलित कर की गई। तत्पश्चात प्रख्यात भजन गायिका श्रीमती संतोष शर्मा ने गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने बाबोसा भगवान के कई भजनों की प्रस्तुति दी। वहीं जोरहाट से आए विक्रांत जोशी व पूजा जोशी ने भी अपने अपने भजनों के पुष्प दरबार में अर्पित किए। इस अवसर पर बाबोसा की लाडली समूह द्वारा मनभावन एवं भावपूर्ण नृत्य की प्रस्तुति दी गई। महोत्सव के दौरान बाबोसा भगवान को छप्पन भोग का प्रसाद चढ़ाया गया एवं भक्तों के लिए प्रसाद की व्यवस्था की गई। महोत्सव के अंत में श्री बाबोसा भक्तमंडल के प्रमुख गजराज-राजु देवी सुराणा द्वारा बाबोसा भगवान की महाआरती की गई। आयोजन को सफल बनाने में सभी भक्तों का भरपूर सहयोग रहा।

होजाई में बढ़ीं चोरी व डकैती की घटनाए लोग परेशान

होजाई (निसं)। ठंड के आते ही चोरों-डकैतों का आतंक बढ़ जाता है। होजाई भी इससे अछूता नहीं है। लगातार हो रही चोरी व डकैती की घटना से लोगों में भय का वातावरण छाया हुआ है। चोर डकैतों का गिरोह एक रात में 3- 4 घरों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों में धावा बोलकर धन संपती लूटकर फरार हो रहे हैं। पुलिस प्रशासन मूक दर्शक बना हुआ है। गत दिनों में चोरों ने एक साथ 3 -4 गोदामो में धावा बोलकर लाखों रुपए के माल लेकर फरार हो गए। समाचारो के अनुसार जे के केडिया रोड पर अवस्थित सालासर एसोसिएटस, महाबीर ट्रांसपोर्ट, एवं प्रताप कयाल की गोदामों का ताला तोड़कर चोरो ने लाखों रुपए के माल लेकर फरार हो गए। इस संबंध में थाने में एक प्राथमिकी दर्ज करवाई गई है।

श्री मारवाड़ी पंचायती होजाई की नई कार्यकारिणी गठित

लावण्य अग्रवाल अध्यक्ष व रमेश मुंदड़ा बने सचिव

होजाई (निसं)। श्री मारवाड़ी पंचायती होजाई की दो वर्ष (2023-25) हेतु नई कार्यकारिणी का गठन साधारण सभा में रविवार को किया गया। पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र भीमसरिया की अध्यक्षता में आयोजित सभा में आपसी विचार-विमर्श के पश्चात सर्वसम्मति से अध्यक्ष लावण्य अग्रवाल, सचिव रमेश मुंदड़ा का दायित्व सौंपा गया तत्पश्चाप एक सशक्त कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें उपाध्यक्ष निरंजन सरावगी, कोषाध्यक्ष मनीष बेरीवाल, कार्यकारिणी सदस्य के रूप में निवर्तमान उपाध्यक्ष मोहन मोर, निवर्तमान सचिव द्वय प्रताप क्याल व सुनील भीमसरिया, प्रमोद मोर, राजेश केजरीवाल, मनोज शर्मा, प्रवीण सरावगी, दिनेश दीक्षित, राजेश बजाज, मनोज केजरीवाल, ललित बोरा, महेश चनानी, पवन पंसारी, मनोज तोलावत व मारवाड़ी युवा मंच, होजाई के अध्यक्ष आशीष अग्रवाल को स्थान दिया गया है। उल्लेखयोग्य है सभा के प्रारंभ में, उपाध्यक्ष मोहन मोर की अध्यक्षता में साधारण सभा का आयोजन किया गया जिसमें सचिव सुनील भीमसरिया व प्रताप क्याल ने अपने कार्यकाल के दौरान किए गए कार्यो का विवरण प्रस्तुत किया व कोषाध्यक्ष मनीष बेरीवाल ने आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया, जिसे ध्वनि मत से स्वीकार कर लिया गया। गौरतलब है सभा के दौरान, अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन होजाई शाखा की सक्रिय कार्यकर्ता सुशीला देवी कयाल के निधन पर एक मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की सद्गति हेतु परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की गई।

अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन के 27वें अधिवेशन का भव्य समापन

विश्वनाथ (विभास)। झारखंड के जमशेदपुर बिष्टूपुर स्थित तुलसी भवन में आयोजित अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन के 27 अधिवेशन में देश-विदेश से आए भोजपुरी साहित्यकारों ने भोजपुरी को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने और राजभाषा का दर्जा देने की आवाज प्रमुखता से उठाई। शनिवार को पत्रकार से बातचीत में साहित्यकारों ने कहा कि भोजपुरी फिजी और नेपाल की संवैधानिक भाषाओं में से एक है। मॉरिशस, फिजी, सूरीनाम, सिंगापुर, उत्तरी अमरीका और लैटिन अमेरिका में भी भोजपुरी बोली जाती है। लेकिन, अपने ही देश में राजनीतिक कारणों से भोजपुरी की उपेक्षा की जाती है। भोजपुरी समृद्ध भाषा है, यह बेहद सरस और मधुर है। शनिवार को केंद्रीय जनजातीय कार्य तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री अर्जुन मुंडा ने यह बातें कहीं। वह जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में आयोजित अखिल भारतीय साहित्य सम्मेलन के 27 वें अधिवेशन के पहले उद्घाटन सत्र को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में जितनी भाषाएं हैं, उनका साहित्य भारत की ताकत है। आयोजन दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का उद्घाटन विशिष्ट अतिथि विधायक सरयू राय ने की। उन्होंने कहा कि भोजपुरी बहुत ही मीठी बोली है। भोजपुरी को आठवीं अनुसूची में शामिल कराना हमारी प्राथमिकता है। विधायक ने मारिशस, सूरीनाम सहित अन्य देशों में भोजपुरी की महत्ता व विशिष्टता की चर्चा की। अधिवेशन में मॉरिशस के पूर्व उप प्रधानमंत्री की पत्नी व भोजपुरी स्पीकिंग यूनियन (मॉरिशस) के चेयरपर्सन डॉ. सरिता ने कहा कि गीत गवाई संस्थान के माध्यम से भोजपुरी को यूनेस्को में प्रमुखता दिलाई। यूनेस्कों में भोजपुरी साहित्य और बोली को लोग खूब पसंद करते हैं। इसे आगे बढ़ाने के लिए भोजपुरी बोलने वालों को प्रेरित भी किया जाता है, पर भारत में आने पर लगता है कि एक फोरम की जरूरत है। मनोज भावुक, संपादक, भोजपुरी जंक्शन ने कहा भोजपुरी भले ही भारत में सरकारी है, पर अपने समृद्ध परंपरा के चलते अंतर्राष्ट्रीय भाषा है। आठवीं अनुसूची में भोजपुरी को आज नहीं तो कल शामिल करना ही होगा। व्याकरण के बिना कोई भाषा नहीं होती है। व्याकरण और लिपि को आधार बनाकर कब तक गुमराह करेंगे गोपाल ठाकुर, नेपाल में भोजपुरी आंदोलन के अगुवा ने कहा नेपाल में भोजपुरी तीसरी भाषा के रूप में स्थापित है। नेपाल में भोजपुरी एक संपर्क भाषा के रूप में काम करती है, जो नेपाली और भारत से गए लोगों के बीच संवाद स्थापित करती है। गांवों में भी

अधिकतर लोग भोजपुरी को बोलते और समझते हैं। लाल बहादुर ओझा, प्रोफेसर, माखन लाल बतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय ने कहा भोजपुरी समृद्ध भाषा है। भोजपुरी का अपना व्याकरण है और साहित्य भी। भोजपुरी की लिपि कैथी है। वहीं अन्य वक्ताओं ने भी विचार रखे। इससे पहले सुबह सम्मेलन की स्थायी समिति की बैठक हुई। उसके बाद पुस्तक प्रदर्शनी के अतिथि भी शामिल हैं। उपस्थित लोगों ने अवलोकन किया। पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन कोल्हान विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति डॉ. शुक्ला मोहंती समेत अन्य अतिथियों ने किया। तत्पश्चात उद्घाटन सत्र में समारोह में वीणा पांडेय, भारती, माधवी उपाध्याय, उपासना सिन्हा ने मंगलगीत की प्रस्तुति की। उदय नारायण सिंह और रामेश्वर गोप ने भोजपुरिया राष्ट्रगीत बटोहिया की प्रस्तुति ने सभी को मंत्र-मुग्ध कर दिया। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद विधायक सरयू राय, बिहार विधान परिषद सदस्य डॉ. संजय मयूख, स्पीकिंग यूनियन मॉरीशस की डॉ. सरिता बुधू, पूर्व अध्यक्ष अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन आचार्य हरे राम त्रिपाठी चेतन, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. महामाया प्रसाद विनोद, केंद्रीय महामंत्री डॉ. जयकांत सिंह जय, अध्यक्ष प्रसेनजित तिवारी, अरुण तिवारी, डॉ. अजय ओझा मौजूद थे। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर इसकी शुरुआत की। स्वागत भाषण अध्यक्ष प्रेसनजित तिवारी ने दिया। महामंत्री जयकांत सिंह जय ने वार्षिक प्रतिवेदन की प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अध्यक्ष डॉ. ब्रजभूषण मिश्र ने किया। इसके बाद पुरस्कार वितरण, वयोवृद्ध साहित्य सेवी सम्मान, स्मारिका का लोकार्पण किया गया। पहले दिन की गतिविधियों के अंत में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नगर के प्रसिद्ध गायक वीरेंद्र उपाध्याय ने अपने गीतों से समा बांध दिया। नई दिल्ली के रंग श्री के निर्देशन में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। उद्घाटन पश्चिम बंगाल के पूर्व डीजीपी मृत्युंजय कुमार सिंह ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में महेंद्र प्रसाद सिंह उपस्थित थे। दूसरे दिन रविवार को सर्वप्रथम डॉ. निर्भीक स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसका विषय *झारखंड राज्य और भोजपुरी* था। इसके बाद संगोष्ठी का आयोजन दो सत्र में किया गया। प्रथम संगोष्ठी का विषय - विश्व पटल पर भोजपुरी था, जिसका अध्यक्षता मॉरीशस के डॉ. सरिता बुधु ने किया। इस संगोष्ठी का संचालन नई दिल्ली के मनोज भावुक ने किया। दूसरे सगोष्ठी का विषय-उपन्यास के वैश्विक परिदृश्य और भोजपुरी उपन्यास था जिसका अध्यक्षता में भगवती प्रसाद द्विवेदी ने किया।

संपादकीया

बेरोजगारी पर आम चुनाव!

संसद में घुसपैठ के संदर्भ में बेरोजगारी, मुद्रास्फीति और महंगाई के मुद्दे उठाए जा रहे हैं। खासकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि बेरोजगारी ने युवाओं को ऐसा कदम उठाने को विवश किया है कि उन्होंने संसद में ही घुसपैठ की। उन्होंने सवाल किया है कि नौकरियां कहां हैं? भर्तियां क्यों रुकी हुई हैं? कमोबेश सरकार अपना वायदा निभाए और नौजवानों को नौकरियां मुहैया कराए। कांग्रेसी सूत्रों ने खुलासा किया है कि राहुल गांधी अगले माह संभवतः पूर्वोत्तर से एक और यात्रा की शुरुआत कर सकते हैं। यात्रा का बुनियादी फोकस बेरोजगारी पर होगा। महंगाई का भी प्रसंगवश उल्लेख किया जाएगा। कांग्रेस के रणनीतिकारों का विश्लेषण है कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बेरोजगारी का मुद्दा महत्त्वपूर्ण साबित होगा और पार्टी को चुनावी फायदा भी मिल सकता है। राहुल गांधी महसूस करते हैं कि बेरोजगारी एक भावनात्मक मुद्दा है, लिहाजा उसके मद्देनजर लोगों से आसानी से जुड़ा जा सकता है। लोगों को लामबंद करके भी एक आंदोलननुमा स्वरूप दिया जा सकता है। लोकसभा में दो युवकों की घुसपैठ के लिए बेरोजगारी को ही बुनियादी कारण नहीं माना जा सकता, यह हमारा दृष्टिकोण है। यह सिर्फ राजनीति का ही मुद्दा नहीं है, बल्कि संसद के जरिए राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है, लिहाजा बेरोजगारी की समस्या का इतना सामान्यीकरण करना भी उचित नहीं है। दिसंबर, 2023 में बेरोजगारी की राष्ट्रीय दर 8.8 फीसदी आंकी गई है। अक्तूबर में यह दो साल के उच्चतम स्तर 10.09 फीसदी पर थी। उससे पहले यह दर 7 फीसदी के करीब रही है। यह कोई सामान्य दर नहीं है। आंकड़ों का संग्रह और उनके विश्लेषण के जरिए बेरोजगारी का यह निष्कर्ष 'सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी' (सीएमआईई) का है। बेशक सत्ता-पक्ष इस विश्लेषण को खारिज कर सकता है, लेकिन यह स्वायत्त थिंक टैंक 1976 से इसी काम में संलग्न है। दुनिया के बड़े देश, आर्थिक मंच और औद्योगिक संस्थान भी सीएमआईई के आंकड़ों और निष्कर्षों के आधार पर, भारत के बारे में, अपना नजरिया तय करते हैं। यदि सीएमआईई ने बेरोजगारी की दर 8.8 फीसदी आंकी है और यह स्थापना दी है कि शहरों में गरीब ज्यादा गरीब होते जा रहे हैं, गांवों में बेरोजगारी दर अधिक है, तो ये आंकड़े चौंकाने वाले हैं, क्योंकि दूसरी तरफ भारत सरकार की 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' जारी है। विख्यात अर्थशास्त्री एवं भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन का भी विश्लेषण गौरतलब है कि यदि भारत की विकास दर 6 फीसदी के आसपास ही बनी रही, तो 2047 में भी भारत 'निम्न-मध्य वर्ग का देश' बना रहेगा, बेशक उसकी आबादी के कारण जीडीपी का विस्तार होता रहे। बहरहाल भारत में 25 साल की उम्र तक के 42 फीसदी युवा स्नातक बेरोजगार हैं। 25-29 के आयु-वर्ग में यह बेरोजगारी करीब 23 फीसदी है। भारत दुनिया का सबसे युवा देश है, जिसकी 65 फीसदी आबादी की औसत उम्र 35 साल से कम है। ऐसा न हो कि जो आबादी हमारी ताकत मानी जाती है, वही अंततः आपदा साबित हो! बीते तीन साल में करीब 32,000 लघु, मध्यम, सूक्ष्म उद्यम बंद हुए हैं। उनमें जो काम करते थे, आखिर वे कहां गए हैं? क्या वे सभी बेरोजगार हो गए? नवंबर, 2023 तक प्रधानमंत्री मोदी की घोषणा के संदर्भ में 7 लाख से अधिक युवाओं को नियुक्ति-पत्र दिए जा चुके हैं। उसके बावजूद केंद्र सरकार में करीब 9.64 लाख पद रिक्त हैं। उन्हें क्यों नहीं भरा जा सकता? यह सवाल आज तक अनुत्तरित रहा है। सीएमआईई की रपट के मुताबिक, 20-34 उम्र के 35 करोड़ से अधिक लोगों को नौकरी की अपेक्षा है। हम मानते हैं कि सरकार सभी नागरिकों को सरकारी नौकरी नहीं दे सकती, बेशक सरकार किसी भी पार्टी की हो। मोदी सरकार ने करोड़ों मुद्रा लोन दिए हैं। देश में हवाई अड्डे 147 हो गए हैं। करीब 150 मोबाइल बनाने के कारखाने हैं। करीब 37 किलोमीटर सडक़ औसतन हररोज बनाई जाती है। इनमें मिले रोजगारों की गिनती भी होनी चाहिए।

कांग्रेसी सूत्रों ने खुलासा किया है कि राहुल गांधी अगले माह संभवत : पूर्वोत्तर से एक और यात्रा की शुरुआत कर सकते हैं। यात्रा का बुनियादी फोकस बेरोजगारी पर होगा। महंगाई का भी प्रसंगवश उल्लेख किया जाएगा। कांग्रेस के रणनीतिकारों का विश्लेषण है कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बेरोजगारी का मुद्दा महत्त्वपूर्ण साबित होगा और पार्टी को चुनावी फायदा भी मिल सकता है। राहुल गांधी महसूस करते हैं कि बेरोजगारी एक भावनात्मक मुद्दा है, लिहाजा उसके मद्देनजर लोगों से आसानी से जुड़ा जा सकता है। लोगों को लामबंद करके भी एक आंदोलननुमा स्वरूप दिया जा सकता है। लोकसभा में दो युवकों की घुसपैठ के लिए बेरोजगारी को ही बुनियादी कारण नहीं माना जा सकता, यह हमारा दृष्टिकोण है। यह सिर्फ राजनीति का ही मुद्दा नहीं है, बल्कि संसद के जरिए राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है, लिहाजा बेरोजगारी की समस्या का इतना सामान्यीकरण करना भी उचित नहीं है। दिसंबर, 2023 में बेरोजगारी की राष्ट्रीय दर 8.8 फीसदी आंकी गई है। अक्तूबर में यह दो साल के उच्चतम स्तर 10.09 फीसदी पर थी। उससे पहले यह दर 7 फीसदी के करीब रही है। यह कोई सामान्य दर नहीं है। आंकड़ों का संग्रह और उनके विश्लेषण के जरिए बेरोजगारी का यह निष्कर्ष 'सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी' (सीएमआईई) का है।

भारत के वेडिंग कारोबार और इसमें रोजगार को नई ऊंचाइयां दी जा सकती हैं

'वेड इन इंडिया' का आर्थिक अध्याय

डा. जयंतीलाल भंडारी

भारत की धरती पर, भारत के लोगों के बीच मनाएंगे, तो देश का पैसा देश में ही रहेगा। उन्होंने कहा कि शादियों के लिए खरीददारी करते समय भी सभी को केवल भारत में बने उत्पादों को ही महत्त्व देना चाहिए। मोदी ने कहा कि अब देश को मेक इन इंडिया की तर्ज पर वेड इन इंडिया जैसे आंदोलन की जरूरत है। गौरतलब है कि देश में इस समय विवाह समारोहों के आयोजन यानी वेडिंग से जुड़ा कारोबार करीब 5 लाख करोड़ रुपए का है। इस वेडिंग कारोबार में 15-17 प्रतिशत की वार्षिक बढ़ोतरी भी हो रही है।

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को संबोधित करते हुए कहा कि इस समय देश के संपन्न वर्ग के लोगों के बीच 'डेस्टिनेशन वेडिंग' के लिए विदेश जाना चलन बन गया है। ऐसे में यदि शादी के उत्सव को भारत की धरती पर, भारत के लोगों के बीच मनाएंगे, तो देश का पैसा देश में ही रहेगा। उन्होंने कहा कि शादियों के लिए खरीददारी करते समय भी सभी को केवल भारत में बने उत्पादों को ही महत्त्व देना चाहिए। मोदी ने कहा कि अब देश को मेक इन इंडिया की तर्ज पर वेड इन इंडिया जैसे आंदोलन की जरूरत है। गौरतलब है कि देश में इस समय विवाह समारोहों के आयोजन यानी वेडिंग से जुड़ा कारोबार करीब 5 लाख करोड़ रुपए का है। इस वेडिंग कारोबार में 15-17 प्रतिशत की वार्षिक बढ़ोतरी भी हो रही है। चूंकि शादी को कुछ खास अंदाज में करने के लिए देश के बाहर डेस्टिनेशन वेडिंग का चलन अब मध्यवर्गीय परिवारों में भी देखा जा रहा है और खास तौर से कोरोना काल के बाद युवा विदेशों में डेस्टिनेशन वेडिंग करना ज्यादा पसंद कर रहे हैं, ऐसे में वेड इन इंडिया आंदोलन को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाकर भारत के वेडिंग कारोबार और इसमें रोजगार को नई ऊंचाइयां दी जा सकती हैं। उल्लेखनीय है कि देश के अमीर वर्ग के लोग देश में ही डेस्टिनेशन वेडिंग को अपनाएं तथा दूसरी ओर विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोग भी भारत में डेस्टिनेशन वेडिंग की ओर आकर्षित हों, तो इसके लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। यह बात प्रचारित-प्रसारित करनी होगी कि जिस तरह विदेश में डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए जो तैयारी होती है, उससे कम मूल्य में और गुणवत्तापूर्ण ढंग से वे तैयारियां बहुत कुछ भारत में भी हैं। भारत में भी शिक्षित-प्रशिक्षित वेडिंग प्लानर उपलब्ध हैं। वेडिंग प्लानर वेडिंग के आयोजकों के साथ मिलकर न सिर्फ विवाह समारोह के लिए आयोजन की पूरी प्लानिंग करता है, वरन उस योजना को खास रूपरेखा प्रदान कर अंतिम रूप भी देता है। इनके द्वारा डेस्टिनेशन वेडिंग से लेकर शादी की विभिन्न रस्मों की आकर्षक थीम और

लजीज खानपान की व्यवस्था को खूबसूरत अंजाम दिया जाता है। डेस्टिनेशन वेडिंग के तहत शादी के निमंत्रण पत्र की डिजाइनिंग से लेकर, गिफ्ट पैकिंग और वेन्यू तय करने से लेकर बारात का स्वागत करने तक का सारा भार अलग-अलग वेडिंग कारोबार के विशेषज्ञों के द्वारा पूरा होता है। चूंकि आजकल लोगों के पास समय की बहुत कमी है और उनकी महत्वाकांक्षाएं बहुत ज्यादा होती हैं, आज हर कोई बिना तनाव एवं परेशानी लिए बेहतरीन वैवाहिक व्यवस्था करना चाहता है। इतना ही नहीं, विवाह के हर पहलू जैसे डेकोरेशन, संगीत, मेहंदी की रस्म, भोजन की व्यवस्था और दूल्हा-दुल्हन के परिधान आदि सब पर भी खास ध्यान दिया जाता है, ये सारी ऐसी व्यवस्थाएं हैं जो भारतीय वेडिंग प्लानर्स के द्वारा कुशलतापूर्वक पूरी की जा रही हैं और इससे विवाह में शामिल होने वाले मेहमानों के चेहरे पर भी खुशियां बनी रहती हैं। साथ ही वेडिंग प्लानर होने से शादी से संबंधित किसी कार्य के लिए परेशान नहीं होना होता है तथा विवाह में केवल सज-धज कर पहुंचना होता है। चूंकि विवाह समारोह जिस तरह वर्तमान समय में सामाजिक संस्कार के साथ-साथ व्यक्ति की प्रतिष्ठा का भी पर्याय बन गया है, साथ ही वर्तमान में विवाह से जुड़ी प्रत्येक चीज ट्रेंडी या विशिष्ट हो गई है, लेकिन परंपरा को बनाए रखने की चाह भी नहीं मिटी है। इसी वजह से आधुनिकता व परंपरा का समन्वय एक फैशन भी बन गया है। ऐसे में यदि भारत में संस्कार और संस्कृति के मूल्यों के साथ डेस्टिनेशन वेडिंग के अभियान को आगे बढ़ाया जाए तो संपन्न वर्ग के लोगों में विदेशों में डेस्टिनेशन वेडिंग की बढ़ती हुई संख्या को सीमित किया जा सकता है, साथ ही विदेशों से भी भारत में डेस्टिनेशन वेडिंग को बढ़ाया जा सकता है। निश्चित रूप से जहां एक ओर भारतीयों का विदेशों में विवाह आयोजनों का तेजी से बढ़ता रुझान घरेलू वेडिंग उद्योग के मद्देनजर नुकसान की तरह है, वहीं देश के विदेशी मुद्रा कोष को घटाने वाला भी है। ऐसे में सरकार और देश के वेडिंग आयोजनों से जुड़े निजी सेक्टर को रणनीतिक रूप से ध्यान देना होगा कि इस समय देश के जो वेडिंग डेस्टिनेशन आकर्षक बने हुए हैं, उन्हें और उपयुक्त बनाकर संपन्न वर्ग को लुभाया जाए। इनमें दिल्ली-एनसीआर, आगरा, उदयपुर, जयपुर, जोधपुर, मंसूरी, देहरादून, गोवा, अलवर, लवासा, पुणे, वाराणसी, ऋषिकेश, अहमदाबाद, गांधीनगर, वडोदरा, राजकोट, आनंद, भावनगर, वायनाड, कोझिकोड, अर्नाकुलम, मांडू, उज्जैन तथा इंदौर जैसी लोकप्रिय वेडिंग डेस्टिनेशन शामिल हैं। इसके साथ-साथ सरकार को इस ओर भी ध्यान देना होगा कि देश में जो चमकीले अनोखेपन वाले पर्यटन केंद्र हैं, उनके आसपास वर्तमान वेडिंग डेस्टिनेशन को विकसित किया जाए और नए वेडिंग डेस्टिनेशन के लिए बुनियादी ढांचे की सुविधाओं पर ध्यान दिया जाए। ज्ञातव्य है कि भारत की संस्कृति, संगीत, हस्तकला, खानपान से लेकर नैसर्गिक सुंदरता हमेशा से लोगों को आकर्षित करती रही हैं। भारत एक ऐसा देश है जिसके पास हिमालय का सबसे अधिक हिस्सा, विशाल समुद्री तट-रेखा और रेत का रेगिस्तान, कच्छ में सफेद नमक रेगिस्तान, लद्दाख में ठंडे रेगिस्तान, देश के कोने-कोने में टाइगर रिजर्व समेत अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान जैसी प्राकृतिक विविधताएं हैं। देश के विभिन्न भागों में तटीय पर्यटन, समुद्र तट पर्यटन, हिमालय पर्यटन, साहसिक पर्यटन, धार्मिक पर्यटन, वन्यजीव पर्यटन, पर्यावरण पर्यटन, विरासत पर्यटन से जुड़े क्षेत्रों के नजदीक वेडिंग डेस्टिनेशन के लिए व्यापक बुनियादी ढांचे और अन्य पर्यटन सुविधाओं को नई वेडिंग सोच के साथ आकार दिया जाना होगा।

दृष्टि कोण

शौर्य व पराक्रम की दास्तान बसंतर युद्ध.

बेशक भारत-पाक सेनाओं के दरम्यान सन् 1971 की शदीद जंग पूर्वी पाकिस्तान के महाज पर लड़ी जा रही थी, मगर पाकिस्तान के हुक्मरानों ने जम्मू-कश्मीर को हथियाने की हसरत कभी नहीं छोड़ी और भारतीय सैन्य पराक्रम के आगे पाक जरनैलों के ख्वाबों की यह ताबीर एक मुद्दत से मुकम्मल नहीं हुई और न ही होगी। तीन दिसंबर 1971 को पाक वायुसेना ने भारतीय हवाई अड्डों पर हमले करके युद्ध का आगाज कर दिया था। पाक सेना का मंसूबा यह था कि भारत के पश्चिमी क्षेत्रों व जम्मू-कश्मीर पर हमला करके युद्ध का दायरा बढ़ाया जाए, ताकि आलमी सतह पर भारत की तत्कालीन हुकूमत पर कश्मीर मसले के समझौते के लिए दबाव बनाया जा सके। इस मंसूबे का जिक्र पाकिस्तान के साबिक मे. ज. 'फजल मुकीम खान' ने अपनी किताब 'पाकिस्तान क्राइसिस इन लीडरशिप' में किया था। पाकिस्तानी सिपाहसालार ले. ज. 'इरशाद अहमद खान' की कयादत में पाक सेना की 'प्रथम कोर' सियालकोट से बसंतर के रास्ते जम्मू-कश्मीर पर हमला करने की तैयारी कर रही थी। मगर इससे पहले कि पाक

फौज पंजाब सीमा पर कोई हिमाकत करती, भारतीय सेना ने चार दिसबंर 1971 को पाकिस्तान के 'शकरगढ़' सेक्टर में हमला करके पाक जरनैलों की पूरी तजवीज को नेस्तनाबूद कर दिया था। पश्चिमी मोर्चे पर लड़े गए उस युद्ध को 'बसंतर युद्ध' के नाम से जाना जाता है। सेना की '18 राजपूताना राइफल' ने आठ दिसंबर 1971 को शकरगढ़ में हमला करके पाक सेना की पेशकदमी को ध्वस्त कर दिया था। उस हमले में मेजर 'राजेंद्र सिंह राजावत' 'वीर चक्र' ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। बसंतर नदी के किनारे 15 दिसंबर 1971 को जरपाल कस्बे पर कब्जा करने में सेना की 'तीन ग्रेनेडियर्स' बटालियन ने अहम किरदार निभाया था। युद्ध में तीन ग्रेनेडियर्स की एक कंपनी का नेतृत्व मेजर 'होशियार सिंह' कर रहे थे। भीषण गोलीबारी के बीच जख्मी होने के बावजूद मे. होशियार सिंह ने अपने जवानों के साथ मिलकर पाक सेना की '35वीं फ्रंटियर फोर्स' के एक बड़े हमले को नकारा करने में अदम्य साहस का परिचय दिया था। बसंतर युद्ध में शत्रु की लाशें बिछाकर तीन ग्रेनेडियर्स के 33 सैनिक वीरगति को प्राप्त हो गए थे। जंग में उच्चकोटी के सैन्य नेतृत्व के लिए मेजर होशियार सिंह को सर्वोच्च सैन्य पदक 'परमवीर चक्र' से अलंकृत किया गया था। सन् 1971 की जंग के एकमात्र जीवित 'परमवीर चक्र' विजेता मे. होशियार सिंह ही थे। शकरगढ़ के उसी युद्ध में पाक सेना ने अमेरिका से खैरात में मिले पैटन टैंकों से भारतीय पोजिशन पर हमला किया था। पाक टैंकों का सामना करने के लिए कर्नल 'हनुत सिंह राठौर' की कमान में सेना की टैंक रेजिमेंट 'पूना हार्स' बसंतर के रण में मुस्तैद थी। कर्नल हनुत सिंह व ले. 'अरुण खेत्रपाल' के नेतृत्व में पूना हार्स ने जोरदार पलटवार करके पाकिस्तान की 13वीं लांसर्स के टैंकों को कब्रिस्तान में तब्दील कर दिया था। अरुण खेत्रपाल ने अपने टैंक से अकेले ही शत्रु के चार टैंकों को नष्ट करके रणभूमि में शहादत को गले लगा लिया था। युद्ध में उच्चकोटि की शूरवीरता के लिए ले. अरुण खेत्रपाल को 'परमवीर चक्र' (मरणोपरांत) से नवाजा गया था तथा 'फक्र-ए-हिंद' कर्नल हनुत सिंह राठौर को 'महावीर चक्र' से सरफराज किया गया था। देश के लिए लड़े गए युद्धों में यदि वीरभूमि हिमाचल के रणबांकुरों का जिक्र न किया जाए, तो सेना के शौर्य की तारीख अधूरी रहेगी। शकरगढ़ सेक्टर के उसी बसंतर युद्ध में पाकिस्तान के 27 टैंकों को खाक में मिलाने वाली भारतीय सेना की टैंक रेजिमेंट 'चार हार्स' के कमान अधिकारी हिमाचली शूरवीर कर्नल 'राजमोहन वोहरा' थे। सेना की चार हार्स ने पाकिस्तान के टैंकों, मिसाइलों व बारूदी सुरंगों को बर्बाद करके चमरोला, लगवाल व ठाकुरद्वारा जैसे इलाकों पर कब्जा जमाया था। शकरगढ़ में भारतीय टैंकों का हमला इतना भयानक था कि पाकिस्तान की 'आठवीं टैंक ब्रिगेड' लगभग पूरी तरह समाप्त हो गई थी।

कुछ अलग

छोटे से हिमाचल के महाभारत

क्या हिमाचल अपने अस्तित्व की फिर से खोज करेगा या राजनीतिक अखाड़ों की महत्त्वाकांक्षा में ये घाव यूं ही छुपा लिए जाएंगे। हमारा मुकाबला स्वयं से है, लेकिन स्वयंसिद्धि के शिकार होकर खुशफहमी है कि हम ही विजय हैं और हम ही शंखनाद हैं। हम कैसा समाज हैं जो अतृप्त मूल्यांकन में सिर्फ सरकार के फर्ज को अपनी कसौटी का माध्यम बनाते हैं। ऐसे में सरकारें ढोलकी बन जाती हैं और हम तब तक इसकी ध्वनि में ऊंचे सुर की घोषणाएं सुनते हैं, जब तक यह परिदृश्य से हट न जाएं। सरकारों के आने से कहीं अधिक जाने की तमन्ना में हम कर्मचारी हैं, बेरोजगार हैं और हैं ऐसे नागरिक जिन्हें सुरमयी घोषणाएं चाहिएं। हम हर सरकार के पहले कदम से उसकी अंतिम राह तक केवल एक ख्वाहिश हैं, विरोध हैं या तलवे चाटने वाले लोगों का ऐसा समूह जो हर तरह की राजनीति में 'सत्ता पक्ष' का माफिया हो जाता है। उसके पास ऐसी मंडलियां-जुंडलियां हैं जिनके तहत कर्मचारियों के स्थानांतरण अनवरत शर्तों के तहत स्थायी ढंग से चलते रहते हैं। वह कर्मचारी नेता हो सकता है जिसे कार्य संस्कृति नहीं, अव्यवस्था को कायम करते हुए ऐसे गतिरोध बनाने हैं ताकि सरकारों के घुटने छिलते रहें और वह अपने हुनर में पारंगत नजर आए। वह अब औद्योगिक क्रांति में बीबीएन के स्क्रैप जैसा हो गया है, जो चुपचाप कहीं अंधेरों के तराजू में खुद को तोलता है। वह सडक़ की पैमाइश में, कोलतार की बिछाई में या नई इमारतों की लंबाई में माप रहा है सरकार के अपव्यय को या उधार में ढलते विकास को। एक मुकाबला है अब हिमाचल में या इसकी तरक्की के शृंगार में वह सभी कुछ है, जिससे लाभान्वित कुछ लोग चमक रहे हैं। अब विभागीय कसरतों में न बाबू, न अधिकारी और न ही नौकरशाह किसी जमीन पर चल रहे हैं, बल्कि कोई न कोई ठेकेदार रेत छान रहा है या कोई जेसीबी मशीन कटते पहाड़ को अपनी विजयी पताका पहना रही है। है तरक्की हमारी गली तक भी, लेकिन गड्ढों को हमने छुपा लिया। छोटे से हिमाचल में और कितने महाभारत होंगे। कितनी बार सरकारें डूबेंगी और हम युद्धरत लोग हर महाभारत के एक नए कुरुक्षेत्र में अपने-अपने आक्रोश को धारदार बना कर उन्हीं पत्तों को फेंट रहे होंगे। वो अमली हैं, लेकिन नशे में हम हैं जिन्हें मालूम भी नहीं कि सुबह के लिए महज एक रोशनी की जरूरत है। रोशनी की तलाश में यकीनन सरकारों ने कुछ सफर तय किया है, वरना पर्वतीय राज्यों में हिमाचल का नाम न होता, लेकिन अब नए संतुलन, नए आकलन और नई समीक्षाओं की जरूरत है। बेशक मौजूदा सरकार की बनावट-लिखावट में कई इरादे, नए वादे, नए संकल्प और नई कसरतें चल रही हैं, लेकिन जिन पत्थरों को हटाने की जरूरत है, वे रास्तों पर बिखरे हैं। यानी कसीदे शिमला से लिखे जा सकते हैं, लेकिन हिमाचल की अस्मिता के शब्द पूरे हिमाचल की तस्वीर में छुपे बैठे हैं या क्यों रूठे रूठे से हो जाते हैं तेरी महफिल के नगमे। एक साल बाद व्यवस्था परिवर्तन के नजराने बहुत होंगे, मगर प्रदेश को बदलने के लिए ये तराने पुराने से लगते हैं। हमारे सामने नई योजनाएं उस मंच की तहरीर हो गईं, जिन्हें हमने अपनी पलकें बिछा कर बुना था। हिमाचल को अपनी शून्यताओं से उबर कर आत्मनिर्भर होना है, तो हर रुपए को साबित करना है कि दर्द उसके भी सीने में यही है। हमने आयोजन किए, एक इन्वेस्टर मीट भी कर ली थी, लेकिन कौन आया हमारे चिराग को जलाने। धुआं-धुआं घोषणाओं में हमारी आर्थिक बेडियों को सहलाने कौन आया।

देश दुनीया से

परिंदों के प्रति कितना संवेदनशील है हमारा समाज और सरकार

जापान के पशु रक्षा अधिनियम के तहत उसे जेल की सजा मिली। कबूतर को रौंदने का कारण पूछने पर उस ड्राइवर ने बताया कि वह मानता है कि सड़कें सिर्फ मनुष्यों के लिए हैं। पशु-पक्षियों को उनसे दूर रहना चाहिए। ओजावा के कथन से मनुष्यों के उस अहंकार की झलक मिलती है, जिसके कारण वह धरती, आसमान और सभी संसाधनों पर अपना अधिकार जमाता है। यदि मनुष्यों को जीने का अधिकार है, तो दूसरी प्रजातियों को भी जीने का उतना ही अधिकार है। वैश्विक स्तर पर, पर्यावरणीय मुद्दों के कारण पक्षी प्रजातियों की आबादी में भारी गिरावट आई है। 'स्टेट ऑफ द वर्ल्ड बड़्स-2022' की रिपोर्ट के अनुसार, सभी पक्षी प्रजातियों में से लगभग आधी प्रजातियों में गिरावट आई है, आठ में से एक से अधिक प्रजाति के विलुप्त होने का खतरा है।

जापान के टोक्यो शहर में पचास साल का एक टैक्सी ड्राइवर आतुशी ओजावा टैक्सी चला रहा था। अचानक उसे सड़क पर कबूतरों का झुंड दिखाई दिया और उसने झुंड पर टैक्सी चढ़ा दी। नतीजतन एक कबूतर की मौत हो गई। मृत कबूतर का पोस्टमार्टम किया गया और ओजावा का अपराध सिद्ध हो गया। जापान के पशु रक्षा अधिनियम के तहत उसे जेल की सजा मिली। कबूतर को रौंदने का कारण पूछने पर उस ड्राइवर ने बताया कि वह मानता है कि सड़कें सिर्फ मनुष्यों के लिए हैं। पशु-पक्षियों को उनसे दूर रहना चाहिए। ओजावा के कथन से मनुष्यों के उस अहंकार की झलक मिलती है, जिसके कारण वह धरती, आसमान और सभी संसाधनों पर अपना अधिकार जमाता है। यदि मनुष्यों को जीने का अधिकार है, तो दूसरी प्रजातियों को भी जीने का उतना ही अधिकार है। वैश्विक स्तर पर, पर्यावरणीय मुद्दों के कारण पक्षी प्रजातियों की आबादी में भारी गिरावट आई है। 'स्टेट ऑफ द वर्ल्ड बड़्स-2022' की रिपोर्ट के अनुसार, सभी पक्षी प्रजातियों में से लगभग आधी प्रजातियों में गिरावट आई है, आठ में से एक से अधिक प्रजाति के विलुप्त होने का खतरा है। स्टेट ऑफ द इंडियाज बड़्स-2023 रिपोर्ट के अनुसार, हमारे देश में पक्षियों की 178 प्रजातियों के संरक्षण के लिए तत्काल उच्च प्राथमिकता, 323 प्रजातियों को मध्यम प्राथमिकता और 441 को निम्न प्राथमिकता की आवश्यकता है। गौरतलब है कि पर्यावरण पर मानवजनित दबाव, जैसे कि कृषि विस्तार और गहनता, अस्थिर कटाई, आक्रामक विदेशी प्रजातियां, और जलवायु परिवर्तन और शिकार के चलते दुनिया भर के पक्षियों की स्थिति लगातार खराब हो रही है। भारत पक्षियों की 1,350 से अधिक प्रजातियों का घर है। हमारी संस्कृति में पक्षियों का काफी महत्व रहा है। धर्मग्रंथों में विभिन्न पक्षियों को देवी-देवताओं के वाहन के रूप में वर्णित किया गया है। कोयल, मोर, पपीहा, चातक, चकोर, उल्लू, हंस आदि विभिन्न पक्षी प्रजातियों के जिक्र से हमारा साहित्य अटा पड़ा है। पक्षी कीड़े-मकोड़ों को खाकर फसलों को नष्ट होने से बचाते हैं। हमारा राष्ट्रीय पक्षी मोर है, और हर प्रदेश का एक राजकीय पक्षी और पशु भी है, मगर इनके प्रति हमारी संवेदनशीलता में कमी दिखती है। पक्षियों की अनेक प्रजातियों की संख्या में गिरावट से न केवल जैव-विविधता के लिए संकट पैदा हो गया है, बल्कि मनुष्य का जीवन भी प्रभावित हो रहा है। गौरैया हमारे घर-आंगन में पाई जाती थीं और हमारे घरों में ही घोंसले बनाती थीं। घर-आंगन में बिखरे अन्न के दाने खाकर उनका पेट भर जाता था। लेकिन अब सीमेंट-कंकरीट के घर में गौरैयों के घोंसले के लिए कोई जगह नहीं बची है। बढ़ते मोबाइल टावरों के रेडिएशन से भी पक्षियों की प्रजातियों को नुकसान पहुंचा है। यही नहीं, पतंगबाजी में चीनी मांझे के बढ़ते प्रचलन से भी पक्षी घायल होते और बेमौत मारे जाते हैं। बढ़ती हवाई यात्राओं के कारण भी पक्षियों की जान जाती है। इसके साथ-साथ कीटनाशक भी पक्षियों के बहुत बड़े दुश्मन हैं। कीटनाशकों के कारण इनकी जान तो जाती ही है, अगर जीवित भी रहे, तो इनकी प्रजनन क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। हमारे देश के अनेक समुदायों में पक्षियों के शिकार की कुप्रथा अमानवीय क्रूरता है, जिसे सख्ती और जागरूकता से ही खत्म किया जा सकता है। हालांकि सरकारों, पक्षी प्रेमियों और धर्मार्थ संस्थाओं की तरफ से पक्षियों के संरक्षण के लिए विभिन्न प्रयास किए जाते हैं, लेकिन सिर्फ इतने से ही काम नहीं चलने वाला है। आम लोगों में पक्षियों के प्रति संवेदनशीलता और पक्षियों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बेहद जरूरी है। पतंगबाजी के मौसम में दिल्ली के चांदनी चौक के जैन अस्पताल में बहुत से घायल पक्षी लाए जाते हैं। भला हो उन दयालु लोगों का जो इन घायल पक्षियों को अस्पताल पहुंचाते हैं। कल्पना कीजिए कि यदि हमारे आस-पास पक्षी न हों, तो दुनिया कितनी बेरंग और बदसूरत लगेगी, जहां उनकी चहचहाहट, मधुर आवाज और उनके विविध आकर्षक रंग न हों। चीन में एक जमाने में पक्षियों को इस कारण नष्ट किया जाने लगा कि वे अनाज खा जाते हैं। इसका नतीजा यह हुआ कि भारी संख्या में कीड़े-मकोड़े पैदा हुए और अनाज को नष्ट करने लगे। दरअसल प्रकृति की जो एक श्रृंखला है, उसमें हर एक जीव की हिस्सेदारी है।

आप का नजरीया

जीवन में संतुलन और विश्वास प्रेरणा

इस दुनिया में आज लगभग 7 अरब से ज्यादा लोग रहते हैं। इनमें से अधिकतर लोग इस भौतिक संसार की इच्छाओं को पूरा करते हुए अपने आत्मिक पहलू की ओर ध्यान दिए बगैर ही अपना जीवन गुजार देते हैं। वुछ ही लोग हैं जो जिदगी के असली उद्देश्य तलाशते हैं। वे एक ऐसे रास्ते की खोज करते हैं जिससे कि वे अपने जीवन का उद्देश्य और पिता-परमेश्वर के साथ अपने संबंध के बारे में जान सवें। जब हम ऐसे लोगां को देखते हैं जो पिता-परमेश्वर को जानना चाहते हैं तो जिन लोगों का ध्यान दुनिया पर वेंद्रित होता है, उन्हें ऐसा लगता है कि वे अपने ही समाज और संस्वृति से दूर हो रहे हैं। जबकि ऐसा बिल्वुल भी नहीं है। ऐसे लोग सिर्प अपने जीवन के ध्येय के प्रति पूरी तरह सर्मपित होते हैं। जो लोग परमात्मा की तलाश में हैं, उनमें से वुछ लोग ऐसे भी होते हैं जो परमात्मा की खोज तो बड़े ही जोश और जज्बे के साथ शुरू करते हैं लेकिन धीरे-धीरे उनकी दिलचस्पी कम हो जाती है और वह अपने लक्ष्य तक

पहुँच नहीं पाते। अगर हम अपने जीवन पर एक नजर डालकर देखें तो हम हमेशा अपना जीवन यह सोचकर व्यतीत करते हैं कि दूसरे व्यक्ति हमारे बारे में क्या सोचते हैं या वे हमारी बातों और हमारे कार्यो को किस प्रकार समझते हैं? हम अपना जीवन दूसरों के नजरिये को ध्यान में रखकर जीते हैं। इसके अलावा हम दूसरों की निदा भी करते हैं। हमारी ओर से की गईं आलोचना, हमारी तरफ और ज्यादा आलोचना लेकर आती है और हमारी और से की गईं प्रशंसा हमारी तरफ और अधिक प्रशंसा लेकर आती है। अंत में हम पाते हैं कि इस तरह का जीवन व्यतीत कर हम वुछ भी हासिल नहीं कर पाते। इसके बजाय हमें एक संतुलित जीवन जीना चाहिए। हमें एक ऐसा जीवन जीने की जरूरत है जिसमें हम दूसरों के प्रति सदैव अच्छाईं ही दर्शाएं। हमें ऐसा जीवन जीने की जरूरत है जिसमें पिता-परमेश्वर पर हमारा विश्वास इतना मजबूत हो कि कोईं भी हमारी आस्था को तोड़ न सके। हमें एक ऐसी जिदगी जीनी है जिसमें कि हम किसी से भयभीत न हों। हमारे अंदर इतना विश्वास होना चाहिए कि पिता-परमेश्वर सदा हमारे साथ हैं और वे हमेशा हमारी संभाल कर रहे हैं। हमें ऐसा जीवन जीना चाहिए जिसमें हम सबको एक नजरिये से देखें, फिर चाहे बाहरी तौर पर वे हमें सोने की तरह लगें या लोहे की तरह दिखें। जब हम हर एक में पिता-परमेश्वर की ज्योति को देखेंगें, सिर्प तभी हम अपने जीवन के लक्ष्य जोकि अपने आपको जानना और पिता-परमेश्वर को पाना है, को हासिल कर पाएंगे।

पंजाब : सरकारी कर्मचारियों के महंगाई भत्ते में चार प्रतिशत वृद्धि का एलान

कर्मचारियों के साथ बैठक में सीएम ने लिया फैसला

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब सरकार के लाखों कर्मचारियों और पेंशनरों को नये साल के तोहफे के रूप में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने 1 दिसंबर 2023 से चार प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) देने की मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही अब महंगाई भत्ता 34 से बढ़कर 38 प्रतिशत हो गया। सोमवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कर्मचारी संगठनों के साथ हुई बैठक के बाद यह फैसला लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस फैसले से लाखों मुलाजिमों और पेंशनरों को फायदा होगा। उन्होंने कहा कि मुलाजिम प्रांतीय प्रशासन का अहम हिस्सा हैं और उनके हितों की रक्षा करना सरकार की मुख्य प्राथमिकता है। मान ने कहा कि इस नेक कार्य के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी और मुलाजिमों की भलाई के लिए हरसंभव यत्न किए जाएंगे। एक अन्य मुद्दे पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पुरानी पेंशन स्कीम बहाल करने का मुद्दा केंद्र सरकार के समक्ष उठाएगी। उन्होंने कहा कि इस मामले को आगे बढ़ाने के लिए भारत सरकार के वित्त सचिव के साथ बैठक की जाएगी। मान ने स्टेनो टाइपिस्टों के लिए वरिष्ठता के आधार पर अलग-अलग विभागों में तरक्कियों को यकीनी बनाने के लिए समय-सारणी (टाइम स्केल) तैयार करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री मान ने अधिकारियों को सभी विभागों की मिनिस्टिरियल सेवाओं में खाली पड़े पदों को प्रमोशन से भरने की प्रक्रिया दो महीनों के अंदर-अंदर पूरी करने के निर्देश दिए। उन्होंने एसीपी स्कीम बहाल करने सहित मुलाजिमों की कई लंबित मांगों के समाधान के लिए कमेटी बनाने का ऐलान भी किया। भगवंत सिंह मान ने मुलाजिमों को भरोसा दिया कि राज्य सरकार उनकी भलाई के लिए पूरी तरह वचनबद्ध है और इस सम्बन्धी ठोस प्रयास किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने की लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से भेंट

नई दिल्ली/ जयपुर (हिंस)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सोमवार प्रात: लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से मुलाकात कर उन्हें गुलदस्ते भेंट किए। इस अवसर पर उनके साथ राज्य के दोनों उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा भी साथ थे। नई दिल्ली स्थित लोकसभा अध्यक्ष के 20 अकबर रोड स्थित राजकीय निवास पर हुई इस शिष्टाचार भेंट में ओम बिड़ला ने मुख्यमंत्री और दोनों उप मुख्यमंत्रियों को बधाई दी।

सीएम भजन लाल शर्मा ने उप राष्ट्रपति और लोकसभाध्यक्ष से की शिष्टाचार भेंट

केंद्रीय परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से भी मिले सीएम और डिप्टी सीएम

नई दिल्ली/जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सोमवार को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला और केंद्रीय। परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उनके साथ राज्य के दोनों उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी और प्रेमचंद बैरवा भी थे। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और दोनों उप मुख्यमंत्रियों ने लोकसभाध्यक्ष ओम बिरला से उनके अकबर रोड स्थित राजकीय निवास पर जाकर उन्हें गुलदस्ते भेंट किए। लोकसभाध्यक्ष से मुलाकात के उपरांत मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा सहित दोनों उप मुख्यमंत्रियों ने केंद्रीय उ। क्ष परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मोती लाल नेहरू मार्ग स्थित उनके राजकीय निवास पर मुलाकात कर उन्हें गुलदस्ते भेंट किए। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और उप मुख्यमंत्री प्रेम चंद बैरवा को शॉल ओढ़ाकर उनका स्वागत किया। गडकरी ने उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को साड़ी भेंट कर उनका सम्मान किया। इसके उपरांत राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री और दोनों उप मुख्यमंत्रियों ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मिलने उनके सरकारी आवास पर गए और उन्हें गुलदस्ते भेंट किए। इन शिष्टाचार मुलाकातों में लोकसभाध्यक्ष, उप राष्ट्रपति एवं केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्रियों को बधाई देते हुए अपनी शुभकामनाएं दी। राजस्थान के मुख्यमंत्री और दोनों उप मुख्यमंत्रियों ने अपना पदभार संभालने के बाद प्रथम बार रविवार को दिल्ली में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार भेंट की थी।

आपा नेता का दावा

युवाओं को रोजगार देने में विफल रही हरियाणा सरकार

यमुनानगर (हिंस)। आम आदमी पार्टी (आआपा) की 10 दिवसीय प्रदेश स्तरीय बदलाव यात्रा के चौथे दिन सोमवार को प्रदेश उपाध्यक्ष चित्रा सरवारा ने जगाधरी में कहा कि हरियाणा सरकार युवाओं को रोजगार देने में विफल रही है। प्रदेश उपाध्यक्ष चित्रा सरवारा सोमवार को यहां पत्रकारों से वार्ता कर रही थीं। वार्ता के दौरान सरवार ने बेरोजगारी के मुद्दे पर हरियाणा सरकार को घेरा। इस मौके पर अंबाला लोकसभा अध्यक्ष आदर्शपाल सिंह भी मौजूद थे। सरवारा ने कहा कि आआपा की बदलाव यात्रा एक मुहिम है, इसके जरिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के संदेश को प्रदेश के हर घर तक पहुंचाया जा रहा है। सरवारा ने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा सरकार से संतुष्ट नहीं है, इसलिए जनता बदलाव के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हरियाणा बहुत बुरी स्थिति से गुजर रहा है। हरियाणा बेरोजगारी में नंबर वन है। युवा अपनी जमीन को बेचकर विदेशों की तरफ पलायन करने को मजबूर हैं, जिसके लिए हरियाणा सरकार जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हाई कोर्ट ने हरियाणा सरकार को फटकार लगाई है कि आंकड़ों का खेल खेलना बंद करे। सरकारी आंकड़े बताते हैं कि करीब 2 लाख सरकारी पद खाली पड़े हैं, लेकिन सरकार लोगों को रोजगार नहीं दे रही। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यपुर्ण बात यह है कि मनोहर सरकार प्रदेश के 10 हजार युवाओं को रोजगार देने के लिए इजराइल भेजने का ऑफर दे रही है, जिसके लिए सरकार ने विज्ञापन निकाला है। जोकि हरियाणा सरकार की विफलता का प्रतीक है।

गेस्ट टीचरों को नियमित नहीं करेगी सरकार, 58 साल तक रहेगी नौकरी

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कार्यरत अतिथि अध्यापकों (गेस्ट टीचर) की सेवाओं को नियमित नहीं करेगी। साथ ही उन्हें नौकरी से हटाया भी नहीं जाएगा। वह सेवानिवृत्त उम्र यानी 58 साल के होने तक सेवाओं में बने रहेंगे। इसके लिए राज्य सरकार वर्ष 2019 में गेस्ट शिक्षकों को रोजगार की गारंटी का कानून बना चुकी है। यह जानकारी सोमवार को विधानसभा में सत्र के दौरान राज्य के स्कूल शिक्षा मंत्री कंवर पाल गुर्जर ने कही है। सोनीपत से कांग्रेस विधायक सुरेंद्र पंवार ने सोमवार को विधानसभा के शीतकालीन सत्र में प्रश्नकाल के दौरान गेस्ट शिक्षकों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि पूर्व की कांग्रेस सरकार ने 2005 में 20 हजार के करीब गेस्ट टीचर लगाए थे। अतिथि अध्यापकों की भर्ती इसलिए की गई थी, क्योंकि उस समय स्कूलों में स्टॉफ की जरूरत थी और नियमित भर्ती इतनी जल्दी कर पाना संभव नहीं था। वर्तमान में 13 हजार के करीब गेस्ट टीचर कार्यरत हैं। पंवार ने कहा कि सरकार गेस्ट शिक्षकों को नियमित करे। विधायक पंवार के इस प्रश्न के जवाब में राज्य के स्कूल शिक्षा मंत्री कंवर पाल गुर्जर ने कहा कि सरकार ने गेस्ट शिक्षकों की रोजगार गारंटी के लिए कानून बनाया है। उन्हें सेवानिवृत्त उम्र तक नहीं हटाया जाएगा। अतिथि अध्यापकों के वेतन-भत्ते नियमित शिक्षकों से कम होने के पंवार के सवाल पर गुर्जर ने कहा कि अतिथि अध्यापकों के वेतन में साल में दो बार - जनवरी और जुलाई में बढ़ोतरी होती है। अतिथि अध्यापकों के ऑनलाइन तबादलों पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि हाई कोर्ट ने आदेश दिए हुए हैं कि पहले नियमित शिक्षकों के तबादले होंगे। इसके बाद अतिथि अध्यापकों के ट्रांसफर ड्राइव में शामि किया जाएगा। वहीं दूसरी ओर, अतिथि अध्यापकों ने सोमवार को पंचकूला स्थित शिक्षा सदन के बाहर प्रदर्शन किया। नियमित करने की मांग कर रहे शिक्षकों ने कहा कि भाजपा ने 2014 के चुनावी घोषण-पत्र में शिक्षकों को नियमित करने का वादा किया था।

राजनीतिक दल निर्वाचन व्यय विवरण निर्धारित समय सीमा में करें दाखिल

जयपुर (हिंस)। मुख्य निर्वाचन अधिकार प्रवीण गुप्ता ने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार सभी राजनीतिक दलों को अंशदान रिपोर्ट, अंकेक्षित वार्षिक लेखा एवं निर्वाचन व्यय विवरण निर्धारित समय सीमा में दाखिल करने का आग्रह किया है। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा जारी पारदर्शिता दिशा-निर्देश तथा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) द्वारा मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अंशदान रिपोर्ट, अंकेक्षित वार्षिक लेखा एवं निर्वाचन व्यय विवरण निर्धारित समय सीमा तक दाखिल किया जाना है। मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को उक्त तीनों पालना रिपोर्ट आयोग के समक्ष दाखिल करनी है। गुप्ता ने बताया कि अंशदान रिपोर्ट 30 सितंबर या सीबीडीटी द्वारा आईटीआर भरने की बढ़ाई गई अंतिम तारीख तक, अंकेक्षित वार्षिक लेखा आईटीआर भरने की अंतिम तारीख से 1 महीने तक एवं निर्वाचन व्यय विवरण की आंशिक रिपोर्ट परिणाम जारी होने के 30 दिवस के अंदर जबकि निर्वाचन व्यय विवरण की अंतिम रिपोर्ट विधानसभा चुनाव परिणाम जारी होने के 75 दिवस के भीतर मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष दाखिल की जाए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि ये पालना रिपोर्ट ऑफ लाइन के बजाय ऑनलाइन दाखिल करने हेतु भारत निर्वाचन आयोग द्वारा तकनीक आधारित सिस्टम आईईएमएस पोर्टल विकसित किया गया है। इस पोर्टल के संबंध में वेबसाइट पर भी विस्तार से बताया गया है। राजनीतिक दलों को जानकारी के लिए सोमवार को सचिवालय स्थित कांफ्रेंस हॉल में आईईएमएस पोर्टल की हैंडस् ऑन ट्रेनिंग दी गई। राजनीतिक दलों को इस संबंध में सहायता हेतु मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय में एक हैल्प डेस्क भी स्थापित की गई है, जिसका विवरण मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। बैठक में निर्वाचन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, व्यय अनुवीक्षण प्रकोष्ठ के अधिकारी एवं विभिन्न पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं के मुद्दे पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के सरकारी स्कूलों में कम हो रही विद्यार्थियों की संख्या के मुद्दे पर सोमवार को कांग्रेस ने विधानसभा में राज्य सरकार को घेरा। इस मुद्दे पर कांग्रेस विधायक जगबीर मलिक तथा शिक्षा मंत्री के बीच स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं को लेकर बहस भी हुई। हरियाणा विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन सोमवार को विधानसभा में कांग्रेस विधायक जगबीर मलिक ने प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पहले से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों की कम हो रही संख्या को लेकर सवाल पूछा। जिसके जवाब में शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने बताया कि बच्चों को विद्यालयों में प्रवेश दिलवाना उनके माता-पिता की इच्छा पर आधारित होता है। वर्ष 2022-23 में राज्य के सरकारी विद्यालयों में छात्रों के नामांकन कोरोना महामारी से पहले की तुलना में 16.57 प्रतिशत अधिक था। शिक्षा मंत्री के अनुसार कोरोना महामारी की अवधि के दौरान सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या में काफी वृद्धि हुई थी। सदन में यह मुद्दा उठाने वाले विधायक जगबीर मलिक ने कहा कि हरियाणा के सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचे का भारी अभाव है। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट इस मामले में सरकार को फटकार लगा चुका है। जगबीर मलिक ने पूरक प्रश्न लगाते हुए सरकार से वर्ष 2019 से लेकर अब तक के परीक्षा परिणाम पर भी जवाब मांगा। मलिक ने कहा कि हरियाणा के सरकारी स्कूलों का परीक्षा परिणाम लगातार गिर रहा है। जिस कारण बच्चों का इन स्कूलों से मोह भंग हो रहा है। शिक्षा मंत्री ने परीक्षा परिणाम को लेकर सदन में रिपोर्ट तो जारी नहीं की अलबत्ता उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की संख्या कम या ज्यादा होती रहती है। कोरोना के दौरान विद्यार्थियों की संख्या जहां अचानक से बढ़ गई थी वहीं अब हालात सामान्य होने के बाद विद्यार्थी वापस अपने मूल जिलों अथवा पुराने स्कूलों में चले गए हैं। जिस कारण इस सत्र के दौरान विद्यार्थियों की संख्या कम हुई है। इसके बावजूद वर्ष 2019-20 के मुकाबले इस वर्ष भी सरकारी स्कूलों में पहली से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों की संख्या अधिक है। उन्होंने बताया कि राजकीय विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने हेतु कक्षा 6 (लड़के एवं लड़कियों) जो अनुसूचित जाति वर्ग से संबंध रखते हैं, को साइकिलें दी जाती हैं।

अगर हिम्मत है तो बनारस जाकर चुनाव लड़ ले, पता चल जाएगा : गिरिराज सिंह

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की वाराणसी में प्रस्तावित रैली को लेकर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को चैलेंज किया है। सोमवार को पटना से दिल्ली रवाना होने से पूर्व पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि अगर किसी में हिम्मत है तो वह वाराणसी जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से चुनाव लड़ लें। हवाईअड्डे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने आईएनडीआईए गठबंधन को चुनौती देते हुए कहा कि मैं आईएनडीआईए गठबंधन को खुला चुनौती देता हूं, किसी भी दल का कोई भी नेता वाराणसी में जाकर पीएम मोदी से चुनाव लड़ लें। चाहे नीतीश कुमार कोशिश कर ले या राजद के कोई नेता नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ ले। चुनौती में नीतीश कुमार को दे रहा हूं अगर हिम्मत है तो बनारस जाकर चुनाव लड़ ले। उन्होंने कहा कि आईएनडीआईए गठबंधन की बैठक में विपक्षी दल अपने स्वार्थ के लिए सिर्फ जा रहे हैं। अपने गुनाह को छिपाने के लिए इस गठबंधन की बैठक में जा रहे हैं। इंडिया गठबंधन के नेता, किसी में हिम्मत नहीं है

फर्जी मतदाता को चिन्हित कर विलोपित करने का निर्देश

अररिया (हिंस)। फारबिसगंज अनुमंडल कार्यालय के सभागार में एसडीएम शैलजा पांडेय की अध्यक्षता में फारबिसगंज तथा नरपतगंज विधानसभा के मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर सोमवार को सुपरवाइजर के साथ मीटिंग हुई। बैठक में अवर निर्वाचन पदाधिकारी अविनाश कृष्ण ने भाग लिया। बैठक में दोनों विधानसभा के दर्जनों की संख्या में सुपरवाइजर ने मतदाता सूची के साथ भाग लिया। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर फारबिसगंज और नरपतगंज विधानसभा क्षेत्र में फोटोग्राफी सिमिलरली इंट्री और डेमोग्राफी सिमिलरली पर वृहत तौर पर चर्चा की गई, जिसके तहत फर्जी मतदाताओं को चिन्हित कर उसे मतदाता सूची से विलोपित करने का निर्देश दिया गया।

स्कूल बस-कार और बाइक में भिड़ंत, पांच की मौत

सीकर (हिंस)। नीमकाथाना के रींगस-श्रीमाधोपुर मार्ग पर छिलावाली बस स्टैंड पर रविवार देर शाम स्कूल बस, कार और बाइक की भिड़ंत में दो सगे भाइयों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। दो गंभीर रूप से घायल हैं। श्रीमाधोपुर थाने के ड्यूटी ऑफिसर जगरूप सिंह ने बताया कि श्रीमाधोपुर के महात्मा गांधी इंटरनेशनल स्कूल की बच्चों से भरी बस जयपुर के आमेर का टूर कर लौट रही थी। इसी दौरान श्रीमाधोपुर से रींगस की तरफ एक कार आ रही थी। छिलावाली बस स्टैंड हरगुण बालाजी के पास कार एक बाइक से टकराते हुए बस से भिड़ गई। हादसे के बाद मौके पर स्कूली बच्चों और लोगों की चीख पुकार मच गई। हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दो युवक ने इलाज के लिए जयपुर ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। अभी दो गंभीर घायल जयपुर में भर्ती हैं। कार में चार लोग सवार थे। वहीं बाइक पर तीन लोग थे। कार सवार सगे भाई अनिल जांगिड़ (35) और सुभाष जांगिड़ (38) पुत्र हरफूल जांगिड़ निवासी रींगस तथा बाइक सवार पप्पूराम (45) पुत्र मंगलाराम निवासी बागरियावास की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक सवार बागरियावास निवासी बजरंग लाल (20) पुत्र दामोदर वर्मा की जयपुर ले जाते समय रास्ते में चौमूं के पास मौत हो गई। एक और घायल जीतू वर्मा (32) ने भी जयपुर रेफर करने के दौरान दम तोड़ दिया। पप्पूराम और बजरंग लाल वर्मा रिश्ते में चाचा-भतीजे थे। दोनों एसकेएस औद्योगिक क्षेत्र परसरामपुरा सरगोठ की एक कंपनी में काम करते थे। छुट्टी होने के बाद घर जा रहे थे। कार सवार अनिल और सुभाष किसी काम से श्रीमाधोपुर गए थे। वे घर लौट रहे थे। कार सवार घायल अभय जांगिड़ (33) पुत्र प्रहलाद जांगिड़ निवासी रींगस और सोहन लाल जांगिड़ (35) पुत्र बाबूलाल जांगिड़ निवासी रींगस का जयपुर में इलाज किया जा रहा है। बाइक सवार बजरंग लाल वर्मा की 25 नवंबर को शादी हुई थी। हादसे की सूचना मिलते ही विधायक सुभाष मील खंडेला ने राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्री पहुंचकर मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी। साथ ही चिकित्सा अधिकारियों और कर्मचारियों का सहयोग करते हुए रेफर करवाने में मदद दी। नगर पालिका अध्यक्ष हरिशंकर निठारवाल और नगर पालिका उपाध्यक्ष अमित शर्मा ने भी सीएचसी पहुंचकर मृतकों के परिजनों को सांत्वना दी।

आज देश का हर नागरिक अपनी विरासत पर गौरव की अनुभूति कर रहा : योगी आदित्यनाथ

वाराणसी (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि आज हर भारतीय गौरव महसूस कर रहा है। 500 वर्षों का इंतजार खत्म हुआ है और अयोध्या में भगवान श्री राम का भव्य मंदिर का निर्माण कार्य हो रहा है, जिस पर हर भारतवासी गर्व कर रहा है। हम आज नए भारत की अनुभूति कर रहे हैं। मुख्यमंत्री चौबेपुर उमरहा में दुनिया के सबसे बड़े मेडिटेशन सेंटर स्वर्वेद महामंदिर के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत कर मुख्यमंत्री ने स्वर्वेद महामंदिर का उल्लेख कर कहा कि जब एक संत की साधना मूर्त रूप लेती है, तो इस प्रकार का एक धाम बनकर तैयार होता है। सद्गुरु सदाफल देव जी महाराज जिन्होंने देश की आजादी के लिए संघर्ष किया था, जिन्होंने उत्तराखंड के गढ़ आश्रम के शून्य शिखर पर साधनारत होकर आध्यात्मिक जगत की अनुभूतियों के माध्यम से भारत की आध्यात्मिक ज्ञान के परंपरा को वेद, उपनिषदों के उस परंपरा को बहुत ही सरल व सहज भाषा में अपने अनुयायियों व भक्तों के लिए सर्व वेद के माध्यम से प्रस्तुत किया, आज उसका मूर्त रूप सबको देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नया भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया का मार्गदर्शन कर रहा है। आज हम सभी उसी स्वतंत्र भारत के नागरिक के रूप में अपनी आजादी के अमृत काल के इस द्वितीय वर्ष में पूरी ऊर्जा के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनी विरासत पर गौरव की अनुभूति करते हुए उसके पुनर्स्थापना के कार्यों के साथ जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि काशी विश्वनाथ धाम में विगत 1 वर्ष के अंदर 13 करोड़ से अधिक देश-विदेश से श्रद्धालुओं एवं अनुयायियों का आना हुआ। भारत की विरासत योग की परंपरा हो या जिस कुंभ में 1954 में सद्गुरु सदाफल देव जी महाराज ने अपनी भौतिक लीला का विसर्जन करते हुए आध्यात्मिक जगत में शून्य शिखर पर स्वयं प्रवेश किया था।

ग्राहकों से गुलजार है खूंटी का क्रिसमस बाजार

खूंटी (हिंस)। मसीही विश्वासियों के सबसे पवित्र और बड़े त्यौहार क्रिसमस को लेकर जिला मुख्यालय के अलावा सभी प्रखंडों में भी क्रिसमस का बाजार गुलजार है। दिसंबर माह के अंतिम सप्ताह में प्रभु यीशु मसीह के जन्म समारोह को धूमधाम से ईसाई मिशनरियों द्वारा मनाया जाता है। यीशु मसीह के आगमन काल को मनाने की तैयारी में मसीही विश्वासी जुट गए हैं। मसीही विश्वासियों में पर्व को लेकर उनका उत्साह देखा जा रहा है। इस बार भव्य आयोजन को लेकर ईसाई समुदाय के लोग विगत कुछ दिनों से तैयारियों में जुट गए हैं। इस निमित्त कैथोलिक चर्च जीईएल चर्च, सीएनआई चर्च सहित अन्य सभी चर्चों को आकर्षक ढंग से सजाया जा रहा है। इसके साथ ही ईसाई बहुल मोहल्लों की भी साफ-सफाई जोरों पर है। शहर के प्रमुख भगत सिंह चौक और नेताजी चौक के अलावा अन्य प्रमुख चौक चौराहों और प्रखंड मुख्यालयों में लगाए गए क्रिसमस बाजार में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ रही है। इस बार क्रिसमस बाजार में क्रिसमस ट्री, सांता क्लॉज, स्टार लाइट समेत अन्य सजावटी वस्तुओं की विशेष मांग है। इसके साथ ही हल्के और फोल्डेबल चरणी, क्रिसमस थीम लाइट सहित खास गिफ्ट आइटम की भी काफी डिमांड है। क्रिसमस के पर्व को लेकर शहर की कुछ जगहों पर अस्थाई दुकानें भी लगाई गई हैं। जैसे-जैसे त्यौहार का दिन निकट आ रहा है, मसीही विश्वासियों का उत्साह बढ़ता जा रहा है। जगह-जगह क्रिसमस गैदरिंग, कैरोल सिंगिंग सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसमें महिलाएं, बच्चे और युवतियां भी बड़ी संख्या में कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। खूंटी। मसीही विश्वासीयों के सबसे पवित्र और बड़े त्यौहार क्रिसमस को लेकर जिला मुख्यालय के अलावा सभी प्रखंडों में भी क्रिसमस का बाजार गुलजार है।

अपराधियों को सुधरने का मौका देगी पुलिस, चलाया गया जागरूकता अभियान

बागपत (हिंस)। बागपत पुलिस ने पुलिस लाईन में अपराधियों को सुधारने के लिए जागरूता अभियान चलाया है। सभी अपराधियों को बुलाकर उनसे डोजियर भरवाया गया। अपराधों से दूर रहने पर बल दिया गया। साथ ही अपराधों से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी गई। अपर पुलिस अधीक्षक नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि पुलिस लाईन परेड ग्राउंड में वर्ष 2021, 22, 23 में जमानत पर रिहा हुए सभी अपराधियों को सुधारने का काम किया जा रहा है। बागपत के सभी थानों के डकैती व लूट के मामले में आरोपी रहे सभी अपराधियों से डोजियर तैयार कराया गया है। अपराधियों को भविष्य में अपराधों से दूर रहने के बारे में समझाया गया है। देश के सभी कानूनों का पालन करने के लिए उनको शपथ दिलाई गई। बताया कि अपराधियों को सुधारने और उनको अपराधों से दूर करने लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उनको जागरूक किया जा रहा है और अपराधों से होने वाली हानि के बारे में बताया जा रहा है। पिछले तीन वर्ष में जमानत पर छूटे सभी अपराधियों को समझाया गया है। उनके परिजनों को भी समझाया गया है।

श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में सम्मिलित होने का दिया निमंत्रण

भागलपुर (हिंस)। लंबे इंतजार के बाद अयोध्या में बने श्री राम जन्मभूमि मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम के लिए तैयारियां जोरों पर है। इसको लेकर श्री राम मंदिर के अक्षत को लोगों के घरों तक पहुंचाकर उन्हें प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में सम्मिलित होने का निमंत्रण दिया जा रहा है। ट्रेन के माध्यम से अक्षत कलश सोमवार को भागलपुर पहुंचा। जहां विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने गाजे-बाजे और ढोल नगाड़े के साथ उसका स्वागत किया। फिर रथ पर मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम, माता सीता और बजरंगबली सवार हुए और इस रथ पर कलश को लेकर शहर में शोभायात्रा निकाली गई। उसके माध्यम से घर-घर तक पहुंच कर लोगों को 22 जनवरी को होने वाले श्री राम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में सम्मिलित होने का आमंत्रण दिया गया। शोभायात्रा के दौरान विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता लोगों को हाथ में अक्षत और सुपारी देकर राम मंदिर के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचने का निमंत्रण दिया। खुशियों में नाचते गाते श्री राम के भक्ति इस खुशियों के क्षण में भावुक हो गए। वर्षों के इंतजार को खत्म होता देख श्री राम के भक्तों की आंखों से आंसू छलक गए। लोगों की अक्षत कलश की आरती भी की। आमंत्रण पाने वाले लोगों ने बताया कि हम लोग बेसब्री से इस क्षण का इंतजार कर रहे थे। अब हमारा मन काफी प्रफुल्लित है। अयोध्या में बने राम मंदिर को देखने के लिए हम सभी बेहद उत्साहित है। लोगों ने कहा कि यह काफी भावुक क्षण है। 22 जनवरी का दिन हमारे लिए लाखों दिवाली के समान है। जो पुण्य आत्मा स्वर्ग सिधार गए हैं वह भी इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षात्कार करेंगे।

गो फर्स्ट को खरीदना चाहती हैं तीन कंपनियां : स्पाइसजेट, सैफ्रिक इन्वेस्टमेंट्स और शारजाह ने जताई इच्छा, एयरलाइंस पर 6,521 करोड़ का कर्ज

नई दिल्ली।

नकदी संकट से जूझ रही एयरलाइंस गो फर्स्ट को खरीदने के लिए तीन कंपनियों ने रुचि दिखाई है। इनमें देश की बजट एयरलाइन स्पाइसजेट, अफ्रीका की सैफ्रिक इन्वेस्टमेंट्स और शारजाह की एविएशन कंपनी स्काई वन शामिल हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, तीनों कंपनियों ने गो फर्स्ट को खरीदने की बोली लगाने की तारीख बढ़ाने की मांग की है। अब बोली लगाने की तारीख बढ़ेगी या नहीं इस पर लैंडर्स की कमेटी आने वाले दिनों में फैसला लेगी। गो फर्स्ट एयरलाइंस को खरीदने के लिए बोली लगाने की आखिरी तारीख 22 नवंबर 2023 थी, लेकिन तब तक किसी ने भी इसे खरीदने की इच्छा नहीं जताई थी। अब जब तीन कंपनियों ने एयरलाइंस को खरीदने की इच्छा जताई है तो उम्मीद जताई जा रही है कि लेंडर्स बोली लगाने की डेट बढ़ाने की मांग को मान सकते हैं। गो फर्स्ट पर अपने लेंडर्स का 6,521 करोड़ रुपए बकाया है। एक्यूइट रेटिंग्स एंड रिसर्च ने 19 जनवरी की रिपोर्ट में कहा था कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का सबसे ज्यादा 1,987 करोड़ रुपए का एक्सपोजर था, इसके बाद बैंक ऑफ बड़ौदा का 1,430 करोड़ रुपए, डॉयचे बैंक का 1,320 करोड़ रुपए और आईडीबीआई बैंक का 58 करोड़ रुपए बकाया था। गो फर्स्ट एयरलाइंस ने 2 मई को बताया कि वो 3, 4 और 5 मई के लिए अपनी सभी फ्लाइट कैंसिल कर रही है। इसके बाद से गो फर्स्ट लगातार फ्लाइट्स सस्पेंड करने की डेट आगे बढ़ा रही है। एयरलाइन का दावा है कि वो इंजनों की सप्लाई नहीं होने से उसे अपने ऑपरेशन बंद करने पड़े हैं। अमेरिका के एयरक्राफ्ट इंजन मैन्युफैक्चरर प्रैट एंड व्हिटनी को गो फर्स्ट को इंजन की सप्लाई करनी थी, लेकिन उसने समय पर इसकी सप्लाई नहीं की। ऐसे में गो फर्स्ट को अपनी फ्लीट के आधे से ज्यादा एयरक्राफ्ट ग्राउंडेड करने पड़े। इससे उसे भारी नुकसान हुआ।

फ्लाइट नहीं उड़ने के कारण उसके पास कैश की कमी हो गई और फ्यूल भरने के लिए भी पैसे नहीं बचे। एयरलाइन के 20 नियो एयरक्राफ्ट में इन इंजनों का इस्तेमाल होता है। एयरलाइन के सीईओ कौशिक खोना का दावा है कि इंजन की खराबी से कंपनी को बीते तीन साल में 1.1 बिलियन डॉलर यानी करीब 8.9 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

एलसीडी पैनलों की खरीदारी में केंद्र के नियमों की हुई अनदेखी, चीन से ज्यादा कीमत पर खरीदे गए उत्पाद

नई दिल्ली । एक ओर मोदी सरकार मेड-इन-इंडिया को बढ़ावा दे रही है तो दूसरी ओर महाराष्ट्र व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण निदेशालय (डीवीईटी) ने चीन की एक कंपनी बेनक्यू द्वारा बनाए गए कई करोड़ रुपये के एलसीडी इंटरैक्टिव पैनलों का आयात किया है। चीन को फिलहाल एक ऐसा देश माना जाता है जिसे सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पर बढ़ावा नहीं दिया जाता है। महाराष्ट्र सरकार की इस डील पर अब सवाल उठ रहे हैं। आरोप लग रहे हैं कि विभाग ने अपनी निविदा में कुछ प्रमाणीकरण की आवश्यकता को अनिवार्य कर दिया था, जिससे सभी भारतीय निर्माता दौड़ से बाहर हो गए। लेकिन अंततः जो आयात किया गया था, उसके पास भी वे प्रमाण पत्र नहीं थे। प्रत्येक पैनल के लिए भुगतान की गई कीमत भी कथित तौर पर औसत दर से बहुत अधिक है। कहा जा रहा है कि निविदा मेक इन इंडिया के शर्त को हटाने के बाद जीईएम पोर्टल पर जारी की गई थी। खरीद एजेंसियों को चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के शिक्षकों ने प्रत्येक पैनल के लिए भुगतान की गई कीमत के दस्तावेज साझा किए। जीईएम पोर्टल पर ताइवान में बने बेनक्यू पैनल को 1.3 लाख रुपये की कीमत के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। लेकिन डीवीईटी ने चीन में बने 242 बेनक्यू पैनलों में से प्रत्येक के लिए 2.2 लाख रुपये का भुगतान किया। जिनकी जीईएम पोर्टल पर सूचीबद्ध होने की अनुमति नहीं थी।

बी2बी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म उड़ान में छंटनी, रिपोर्ट्स में दावा- 150 कर्मचारी निकाले गए

नई दिल्ली । बी2बी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और यूनिकॉर्न स्टार्टअप उड़ान ने अपने लगभग 150 कर्मचारियों को निकल दिया है। कंपनी ने यह छंटनी 34 करोड़ डॉलर की फंडिग हासिल करने के बाद की है। बताया जा रहा है कि कंपनी अपनी हालिया फंडिंग का इस्तेमाल सप्लाई चेन को मजबूत करने और वेंडर्स के साथ साझेदारी बेहतर करने में करेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उड़ान में छंटनी का फैसला कंपनी के संचालन में बुनियादी बदलाव के कारण लिया गया है। सूत्रों के हवाले से दी गई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि निकाले गए कर्मचारियों की संख्या 150 से अधिक हो सकती है। उड़ान में पुनर्गठन के हालिया कदम से कंपनी की सभी भूमिकाओं और डिविजनों के कर्मचारियों के प्रभावित होने की आशंका है। उड़ान ने कथित तौर पर परिचालन को विकेंद्रीकृत करने का फैसला किया है। रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया है कि पहले एफएमसीजी टीम अखिल भारतीय स्तर पर काम करती थी, लेकिन अब इसका परिचालन क्लस्टर वार होगा। विभिन्न समूहों के लिए अलग-अलग टीमें सभी श्रेणियों का कामकाज देखेंगी। उड़ान ने पिछले साल नवंबर में भी 12 करोड़ डॉलर के परिवर्तनीय नोट जुटाने के बाद अपने 10 प्रतिशत कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया था। इसने 2022 में जून और नवंबर में छंटनी के दो दौर में 500 कर्मचारियों को निकाल दिया।

कृषि निर्यात में बढ़ोतरी जारी, फल व सब्जी में 31 प्रतिशत का हुआ इजाफा; पिछले साल की तुलना में कितना हुआ इजाफा

नई दिल्ली। वस्तुओं के कुल निर्यात में गिरावट का दौर चल रहा है, लेकिन कृषि निर्यात में मजबूती दिख रही है। कृषि निर्यात में मजबूती से वस्तुओं के कुल निर्यात को समर्थन मिलने के साथ किसानों को भी फायदा हो रहा है। नवंबर में वस्तुओं के कुल निर्यात में पिछले साल नवंबर की तुलना में 2.84 प्रतिशत की गिरावट रही, लेकिन फल व सब्जी, कॉफी, मसाला, मांस, डेयरी व पोल्ट्री उत्पाद, ऑयल मिल्स, तैयार अनाज व खाने के प्रोसेस्ड आइटम के निर्यात में बढ़ोतरी रही। वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक नवंबर में फल व सब्जी के निर्यात में पिछले साल नवंबर की तुलना में 31.14 प्रतिशत का इजाफा रहा। पिछले कुछ सालों से खाड़ी के देशों के साथ थाईलैंड, मलेशिया, सिंगापुर व कई यूरोपीय देशों में भारतीय सब्जी व फल की मांग लगातार बढ़ रही है।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश का मौका

1-ग्राम सोने के लिए चुकाने होंगे 6,199 रुपए, 22 दिसंबर तक लगा सकेंगे पैसा

नई दिल्ली।

सरकार फिर एक बार सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करने का मौका दे रही है। बॉन्ड की नई सीरीज खुल गई है। इसमें 22 दिसंबर तक निवेश का मौका मिलेगा। इस बार सरकार ने सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के लिए 6,199 रुपए प्रति ग्राम का भाव तय किया है।

ऑनलाइन अप्लाय करने और डिजिटल पेमेंट करने पर प्रति ग्राम 50 रुपए का डिस्काउंट मिलेगा। यानी आपको 1 ग्राम सोने के लिए 6,149 रुपए देने होंगे। यहां हम आपको सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के बारे में बता रहे हैं ताकि आप भी इसमें निवेश करके फायदा कमा सकें...

क्या है सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड - सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक सरकारी बॉन्ड होता है। इसे डीमैट के रूप में परिवर्तित कराया जा सकता है। ये बॉन्ड 1 ग्राम सोने का होता है, यानी 1 ग्राम सोने की जितनी कीमत होगी, उतनी ही बॉन्ड की कीमत होगी। इसे आरबीआई की तरफ से जारी किया जाता है।

24 कैरेट यानी 99.9 प्रतिशत शुद्ध सोने में निवेश - सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में आप 24 कैरेट यानी 99.9 प्रतिशत शुद्ध सोने में निवेश करते हैं। निवेश पर 2.50 प्रतिशत का सालाना ब्याज मिलता है। पैसों की जरूरत पड़ने पर बॉन्ड के बदले लोन भी लिया जा सकता है।

भारतीय बुलियन एंडज्वैलर्स एसोसिएशन लिमिटेड के पब्लिश्ड रेट के आधार पर बॉन्ड की कीमत तय होती है। इसमें सब्सक्रिप्शन पीरियड से पहले वाले हफ्ते के आखिरी तीन दिनों के रेट का एवरेज निकाला जाता है।

शुद्धता और सुरक्षा की कोई चिंता नहीं - शुद्धता की चिंता करने की कोई जरूरत नहीं होती है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के मुताबिक, गोल्ड बॉन्ड की कीमत इंडियन बुलियन एंडज्वेलर्स एसोसिएशन द्वारा प्रकाशित 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने की कीमत से लिंक होती है। इसके साथ ही इसे डीमैट के रूप में रखा जा सकता है, जो काफी सुरक्षित है और उस पर कोई खर्च भी नहीं होता है।

अधिकतम 4 किलो सोने में कर सकते हैं निवेश- एसजीबी के जरिए कोई शख्स एक वित्त वर्ष में कम से कम 1 ग्राम और अधिकतम 4 किलोग्राम सोने में निवेश कर सकता है। जॉइंट होल्डिंग के मामले में 4 किलोग्राम की निवेश सीमा पहले आवेदक पर ही लागू होगी। वहीं किसी ट्रस्ट के लिए खरीद की अधिकतम सीमा 20 किलो है।

8 साल से पहले बॉन्ड बेचने पर देना होता है टैक्स - सॉवरेन का मैच्योरिटी पीरियड 8 साल रहता है। मैच्योरिटी पीरियड पूरा होने के बाद इससे होने वाले लाभ पर कोई टैक्स नहीं लगता। वहीं अगर आप 5 साल बाद अपना पैसा निकालते हैं, तो इससे होने वाले लाभ पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन के रूप में 20.80 प्रतिशत टैक्स लगता है।

ऑफलाइन भी कर सकते हैं निवेश - आरबीआई ने इसमें निवेश के लिए कई तरह के विकल्प दिए हैं। बैंक की शाखाओं, पोस्ट ऑफिस, स्टॉक एक्सचेंज और स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के जरिए इसमें निवेश किया जा सकता है। निवेशक को एक आवेदन फॉर्म भरना होगा। इसके बाद आपके अकाउंट से पैसे कट जाएंगे और आपके डीमैट खाते में ये बॉन्ड ट्रांसफर कर दिए जाएंगे।

निवेश करने के लिए पैन होना अनिवार्य है। यह बॉन्ड सभी बैंकों, स्टॉक होल्डिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के माध्यम से बेचे जाएंगे।

सॉवरेन गोल्ड-बॉन्ड की पहली-सीरीज के निवेशकों को 128 प्रतिशत का रिटर्न - सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की पहली सीरीज 30 नवंबर को मैच्योर हो गई है। ये बॉन्ड 2,684 रुपए प्रति ग्राम के इश्यू प्राइस पर 26 नवंबर, 2015 को जारी किए गए थे। धारक ने इसे 6,132 रुपए प्रति यूनिट पर रिडीम किया। इस हिसाब से बीते 8 साल में कुल 128.5 प्रतिशत का रिटर्न मिला।

यदि किसी निवेशक ने नवंबर 2015 में गोल्ड बॉन्ड में 1 लाख रुपए का निवेश किया होगा, तो 30 नवंबर को उसे करीब 2.28 लाख रुपए मिले होंगे। यानी इस निवेश पर 8 साल में करीब 1.28 लाख रुपए की कमाई।

जुर्माने के साथ आईटीआर भरने का आखिरी मौका

समय-सीमा चूकने वालों के पास 31 दिसंबर अंतिम तारीख

नई दिल्ली।

अगर आप वित्त वर्ष 2022-23 या आकलन वर्ष 2023-24 के लिएआयकर रिटर्न (आईटीआर) भरने की 31 जुलाईकी समय-सीमा से चूक गएहैं तो भी रिटर्न दाखिल करने का आपके पास आखिरी मौका बचा है।आप 31 दिसंबर, 2023 तक जुर्माने के साथबिलेटेड रिटर्न भर सकते हैं।आयकर नियमों के मुताबिक, करदाता को हर साल 31 जुलाई तक रिटर्न भरना होता है। किसी वजह से अगर आप इस अवधि तक आईटीआर नहीं भर पाते हैं तो भी आपको लेट फीस के साथ रिटर्न दाखिल करने का आखिरी अवसर दिया जाता है। यानी जब कोई आखिरी तारीख (31 जुलाई) के बाद आईटीआर भरता है तो उसे बिलेटेड रिटर्न कहते हैं। बिलेटेड आईटीआर भरने का सबसे बड़ा नुकसान है कि आपको लेट फीस चुकाना पड़ता है।यह जुर्माना 5,000 रुपये तक पहुंच सकता है।अगर आपकी सालाना करयोग्य आय 5 लाख रुपये से कम है तो आपको बिलेटेड रिटर्न भरते समय 1,000 रुपये का जुर्माना चुकाना पड़ता है।आपकी कर योग्य आय 5 लाख रुपये से अधिक है तो बतौर जुर्माना 5,000 रुपये तक का जुर्माना देना पड़ सकता है। ऐसे दाखिल कर सकते हैं बिलेटेडे आयकर रिटर्न आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर जाएं। यूजर आईडी में पैन नंबर, पासवर्ड और कैप्चा कोड से लॉग इन करें। यहां ऊपर ई-फाइल मेन्यू दिखेगा। इनकम टैक्स रिटर्न पर जाकर फाइल इनकम टैक्स रिटर्न विकल्प चुनें। संबंधित आकलन वर्ष चुनें।नीचे मोड ऑफ फाइलिंग में ऑनलाइन विकल्प चुनकर कंटीन्यू पर क्लिक करें। स्टार्ट न्यू फाइलिंग पर क्लिक करें।अगर आपने पहले फाइलिंग की कोशिश की थी और ड्राफ्ट सेव कर रखा था तो ऊपर वाला विकल्प चुन सकते हैं। फिर स्टेटस एप्लिकेबल में इंडिविजुअल पर क्लिक करें क्योंकि आपको आईटीआर-1 भरना है। अगले पेज पर यह बताना होगा कि आप आईटीआर क्यों दाखिल कर रहे हैं।

झारखंड विधानसभा में 8111 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश, विपक्ष ने इन मुद्दों पर किया हंगामा

नई दिल्ली ।

झारखंड विधानसभा में विपक्षी भाजपा के हंगामे के बीच 2023-24 के लिए 8,111.75 करोड़ रुपये का दूसरा अनुपूरक बजट पेश किया गया। सुबह करीब 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने पर भगवा पार्टी के विधायक हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आसन के समक्ष आ गए।

भाजपा के मुख्य सचेतक बिरंची नारायण के नेतृत्व में विपक्ष ने कांग्रेस सांसद धीरज साहू से जुड़े परिसरों से बेहिसाब नकदी की बरामदगी और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी के समन मामले पर बहस की मांग की। विपक्ष के नेता अमर बाउरी ने कहा कि नकदी की बरामदगी, ईडी का समन और बिगड़ती कानून व्यवस्था राज्य के ज्वलंत मुद्दे हैं। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री ने पद और गोपनीयता की शपथ ली है। उन्हें केंद्रीय जांच एजेंसी के समन का सम्मान करना चाहिए। एजेंसी द्वारा छह समन भेजे जाने के बावजूद मुख्यमंत्री भाग रहे हैं। उन्हें अपने पद से इस्तीफा क्यों नहीं देना चाहिए। हम सदन में बहस चाहते हैं। इसका जवाब देते हुए संसदीय कार्य मंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि साहू झारखंड विधानसभा के सदस्य नहीं हैं। उन्होंने कहा, वह राज्यसभा सदस्य हैं। यह राज्य का मामला नहीं है। जहां तक ईडी के समन का सवाल है, मुख्यमंत्री जांच एजेंसी को जवाब दे रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष रवीन्द्र नाथ महतो ने कहा कि सदन को उन मुद्दों से बचना चाहिए जो राज्य विधानसभा से जुड़े नहीं हैं। उन्होंने हंगामा कर रहे विधायकों से अपनी सीटों पर वापस जाने का अनुरोध किया, लेकिन विधायकों ने ध्यान नहीं दिया और विरोध जारी रखा, जिसके कारण अध्यक्ष को दोपहर 12.30 बजे तक सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी। विपक्ष के हंगामे के बीच दोपहर 12 बजकर 36 मिनट पर सदन की कार्यवाही फिर से शुरू हुई। हंगामे के बीच वित्त मंत्री रामेश्वर उरांव ने 2023-24 का दूसरा अनुपूरक बजट पेश किया।

इक्विटी-डेट के मिश्रण से मिल सकता है अच्छा रिटर्न

नई दिल्ली।

अगर कोई निवेशक आक्रामक हाइब्रिड फंड में निवेश करना चाहता है तो इसके प्रदर्शन के लिहाज से इसकी स्थिरता को देखते हुए इसमें पैसा लगाने पर विचार कर सकता है।इसमें विदेशी इक्विटी में भी निवेश की सुविधा होती है। यह स्कीम सरकार, अ र्ध-सरकारी एजेंसियों और अच्छी तरह सेरिसर्च किए गए कॉरपोरेट प्रतिभूतियों की ओर से जारी फिक्स्ड इनकम में भी निवेश करता है। फंड चतुराई पूर्वक एए और उससे ऊपर की क्रेडिट रेटिंग वाली लंबी अवधि की फिक्स्ड इनकम प्रतिभूतियों में निवेश करता है। यह फंड ज्यादातर निवेश इक्विटी में करता है।

फंड का एसेट अंडर मैनेजमेंट 26,272 करोड़ रुपये है। इक्विटी निवेश 65-80 फीसदी के बीच होता है, जबकि डेट में 20-35 फीसदी के बीच। एक साल में इस फंड ने न सिर्फ बेंचमार्क से बेहतर प्रदर्शन किया है, बल्कि अपनी श्रेणी के प्रतिस्पर्धियों से काफी आगे निकल गया है। यह लगभग सभी समय-सीमा के दौरान अपनी कैटेगरी में लगातार बेहतर प्रदर्शन करने वाले फंड के रूप में उभरा है। अगर फंड की 24 साल की यात्रा पर नजर दौड़ाई जाए तो पता चलेगा कि इसकी स्थापना के समय (03 नवंबर, 1999) एक लाख रुपये का एकमुश्त निवेश अब 29.33 लाख रुपये हो गया है। यानी 15.06 फीसदी की चक्रवृद्धि दर (सीएजीआर) से रिटर्न। निफ्टी 50 टीआरआई (अतिरिक्त बेंचमार्क) ने 13.48 फीसदी सीएजीआर रिटर्न दिया है और एक लाख रुपये 21.03 लाख रुपये बना है। एसआईपी से 10,000 रुपये का मासिक निवेश अब 2.8 करोड़ हो गया है जबकि निवेश की रकम सिर्फ 28.9 लाख रुपये रही है। यानी 16.12 फीसदी का सीएजीआर रिटर्न। ऐसे फंड लार्ज, मिड और स्मॉलकैप में निवेश करते हैं। 30 नवंबर, 2023 तक लार्ज, मिड व स्मॉलकैप शेयरों में निवेश क्रमशः 90 फीसदी, 5 फीसदी और 5 फीसदी है। स्टॉक चयन के लिए फंड टॉप-डाउन व बॉटम-अप अप्रोच का उपयोग करता है। निवेश में क्षेत्र को ज्यादा महत्व नहीं देता है। यह फंड ऊर्जा, दूरसंचार, वाहन और तेल-गैस पर ज्यादा भरोसा नहीं करता है।

बजाज फाइनैंस से ऑनलाइन इंस्टा पर्सनल लोन लेना हुआ अब और भी आसान

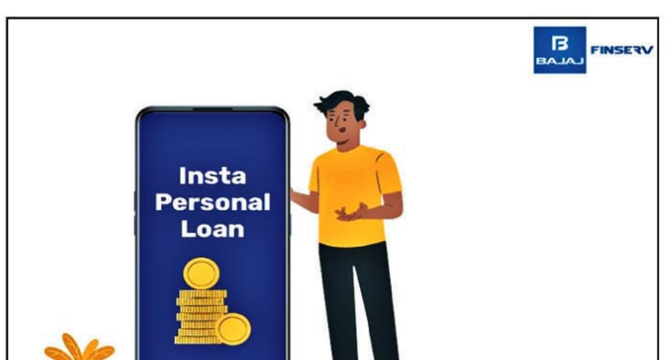

नई दिल्ली।

इंस्टेंट ऑनलाइन लोन के लिए आवेदन करें और अचानक सामने आने वाले खर्चों को पूरा करने के लिए तुरंत फंडिंग की सुविधा पाएं। मेडिकल इमरजेंसी या घर की मरम्मत जैसे अचानक सामने आने वाले खर्चों को संभालने के लिए तुरंत फंड पाने की सुविधा काफी मायने रखती है। हालांकि, आमतौर पर पर्सनल लोन लेने के लिए लोन देने वाले संस्थान की शर्तों को पूरा करने के साथ-साथ सभी जरूरी दस्तावेजों को जमा करने और मंजूरी के लिए लंबे समय तक इंतजार करने की जरूरत होती है। लेकिन किसी भी तरह की इमरजेंसी में मदद पाने का यह तरीका सही नहीं हो सकता है। ऐसे मौकों पर बजाज फाइनैंस इंस्टा पर्सनल लोन तुरंत और बिना किसी झंझट के फंड पाने की सुविधा देकर आपकी मदद करता है।

बजाज फाइनैंस इंस्टा पर्सनल लोन चुनिंदा ग्राहकों को सिर्फ 30 मिनट* के भीतर लोन की रकम अपने खाते में पाने की सुविधा देता है। अगर आप इंस्टेंट पर्सनल लोन लेना चाहते हैं, तो फिर यह आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। बजाज फाइनैंस के मौजूदा ग्राहकों को 12,76,500 रुपये तक का प्री-अप्रूव्ड लोन ऑफर मिल सकता है, जबकि नए ग्राहक सिर्फ अपने मोबाइल नंबर और ओटीपी की मदद से अपने प्री-असाइन्ड लोन की रकम के बारे में तुरंत जान सकते हैं। बजाज फाइनैंस इंस्टा पर्सनल लोन के 4 अतिरिक्त फायदों के बारे में नीचे बताया गया है।

तुरंत प्रोसेसिंग - इंस्टा पर्सनल लोन के लिए आवेदन की लंबी-चौडी प्रक्रिया से गुजरने की जरूरत नहीं होती है और आप बेहद कम समय में अपने लोन ऑफर का लाभ उठा सकते हैं। मौजूदा ग्राहकों के साथ-साथ नए ग्राहक भी अपने मोबाइल नंबर और ओटीपी के जरिये बडी आसानी से अपने इंस्टा पर्सनल लोन ऑफर के बारे में जान सकते हैं। इस तरह, आप घर बैठे ही मिनटों में लोन की रकम प्राप्त कर सकते हैं।

इनकम वेरीफिकेशन की जरूरत नहीं और कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं - हमारे कुछ मौजूदा ग्राहक किसी तरह की कागजी कार्रवाई के बिना इंस्टा पर्सनल लोन प्राप्त कर सकते हैं, और उन्हें इनकम-प्रूफ या केवायसी दस्तावेज भी जमा नहीं करना पडता है। इसके अलावा, पूरी प्रक्रिया में कुछ भी छिपाया नहीं जाता है। लोन से जुडे दस्तावेजों और कंपनी की वेबसाइट पर सभी लागू फीस और शुल्क के बारे में पूरी जानकारी दी गई होती है। कोई छिपा हुआ शुल्क नहीं लिया जाता है।

तुरंत रकम पाने की सुविधा - प्री-अप्रूव्ड पर्सनल लोन ऑफर के साथ, इंस्टा पर्सनल लोन में ग्राहकों की सुविधा के लिए सभी प्रक्रियाओं को जल्दी से पूरा किया जाता है। लोन के लिए आवेदन करने के 30 मिनट* से 4 घंटे के भीतर लोन की रकम आपके बैंक खाते में जमा कर दी जाती है।

लोन चुकाने की सुविधाजनक समय-सीमा - हम इस बात को अच्छी तरह समझते हैं कि, दो अलग-अलग लोगों की जरूरतें कभी भी एक-जैसी नहीं हो सकतीं हैं। इसलिए बजाज फाइनैंस इंस्टा पर्सनल लोन में ग्राहकों को लोन चुकाने के लिए 6 से 63 महीनों तक का समय दिया जाता है। आप अपनी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए लोन चुकाने की समय-सीमा चुन सकते हैं। बजाज फाइनैंस इंस्टा पर्सनल लोन ऑफर के बारे में जानने का तरीका यहां बताया गया है

मौजूदा ग्राहकों के लिए - अगर आप बजाज के मौजूदा ग्राहक हैं या फिर आप पहले कभी लोन के लिए आवेदन कर चुके हैं, तो आपको प्री-अप्रूव्ड लोन का ऑफर दिया जा सकता है। इसके लिए सिर्फ आपके फोन नंबर की जरूरत है। बस बजाज फिनसर्व की वेबसाइट के इंस्टा पर्सनल लोन पेज पर जाएँ और चेक ऑफर पर क्लिक करके अपना फोन नंबर दर्ज करें। इसके बाद वन-टाइम पासवर्ड के जरिए अपने प्रोफाइल को वेरीफाई करें। आपको कोई दस्तावेज जमा करने की जरूरत नहीं होगी, क्योंकि इस तरह के लोन को पहले ही मंजूरी मिल चुकी होती है।

नए ग्राहकों के लिए - बजाज फाइनैंस इंस्टा पर्सनल लोन का लाभ उठाने के लिए आपको मौजूदा ग्राहक होने की जरूरत नहीं है। अगर किसी भी व्यक्ति के पास वैलिड मोबाइल फोन नंबर है, तो वह अपने इंस्टा पर्सनल लोन ऑफर के बारे में जान सकता है। कुछ नए ग्राहकों को अपनी जानकारी को वेरीफाई करने के लिए कुछ दस्तावेज जमा करने की जरूरत पड सकती है। अगर आपको बजाज फाइनैंस इंस्टा पर्सनल लोन ऑफर का लाभ नहीं मिल पाता है, तो वैसी स्थिति में भी आप सामान्य तौर पर उपलब्ध पर्सनल लोन के लिए आवेदन कर सकते हैं।

कप्तान लॉकयर को मैच के दौरान पड़ा था दिल का दौरा अब हालत स्थिर, इस साल दूसरी बार उनके साथ हुआ ऐसा

लंदन।
ल्यूटन क्लब के कप्तान टॉम लॉकयर दिल का दौरा पड़ने से मैदान पर गिर पड़े जिसके कारण बोर्नमाउथ में खेला गया इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबाल का मैच रद्द हो गया। उनके क्लब ने यह जानकारी दी। क्लब के अनुसार, 29 साल के लॉकयर की हालत अब स्थिर है। उनके अभी कुछ और टेस्ट होने बाकी हैं। ल्यूटन ने खिलाड़ियों, कर्मचारियों और समर्थकों से लॉकयर और उनके परिवार के समर्थन में एक साथ आने का आह्वान किया। हालांकि यह मैच 65 मिनट तक चला था जिसके बाद इसे रद्द करना पड़ा। अब यह मैच फिर से शुरुआत से ही खेला जाएगा। प्रीमियर लीग नियम एल15 में कहा गया है कि रेफरी की सहमति से रद्द किया गया कोई भी मैच दोबारा खेला जा सकता है। हालांकि मैच का दिन और समय ईपीएल का बोर्ड बाद में फैसला करेगा।

दोनों क्लब के मेडिकल स्टाफ ने किया उपचार – दोनों क्लबों के मेडिकल स्टाफ ने लॉकयर का मैदान में ही उपचार शुरू कर दिया था। इस दौरान ल्यूटन क्लब के प्रशंसक भी भावुक हो गए थे। वहीं, बोर्नमाउथ क्लब ने कहा, हमें यह सुनकर राहत मिली है कि टॉम स्थिर हैं। इस समय हमारी संवेदनाएं टॉम और उनके परिवार के साथ हैं। हम सभी मेडिकल स्टाफ को उनकी त्वरित कार्रवाई के लिए और साथ ही स्टेडियम के अंदर मौजूद सभी लोगों को कठिन समय में उनका समर्थन के लिए धन्यवाद देते हैं।

मैच के 59वें मिनट में गिरे मैदान पर – वेल्स का यह डिफेंडर मैच के 59वें मिनट मैदान पर गिर पड़ा था। दोनों टीम के खिलाड़ी तुरंत ही उनके पास पहुंचे। ल्यूटन के कोच रॉब एडवर्डस भी तुरंत मैदान में चले गए। इस 29 वर्षीय खिलाड़ी को मैदान पर ही उपचार के बाद स्ट्रेचर पर बाहर ले जाया गया। तब तक उनकी स्थिति में थोड़ा सुधार हो गया था। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। उनका परिवार उनके साथ हैं। उस समय मैच 1–1 से बराबरी पर था। लॉकयर इससे पहले मई में वेंबले स्टेडियम में खेले जा रहे एक मैच के दौरान नीचे गिर पड़े थे। उनके दिल का ऑपरेशन किया गया और बाद में उन्हें खेलने की अनुमति मिल गई थी।

मैच रद्द किए जाने के बाद भी दर्शक स्टेडियम में मौजूद रहे। वे लॉकयर के समर्थन में नारे लगा रहे थे। ल्यूटन ने कहा, 'दोनों टीम के प्रशंसकों का समर्थन करने के लिए हम उनका धन्यवाद करते हैं। अपने साथी और मित्र के इस तरह से मैदान छोड़ने के बाद दोनों टीम के खिलाड़ी मैच आगे जारी रखने की स्थिति में नहीं थे।

न्यूज ब्रीफ

फीफा क्लब विश्व कप में सिटी के शामिल होने की संभावना से खुश गार्डियोला

जेद्दा। मैनचेस्टर सिटी के बॉस पेप गार्डियोला का कहना है कि वह इस सप्ताह फीफा क्लब विश्व कप का गौरव हासिल करने के लिए अपनी टीम की संभावना से उत्साहित और बहुत खुश हैं। ट्रेबल विनर ने जून में इंटर मिलान पर अपनी चैंपियंस लीग फाइनल जीत के आधार पर टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया। वे अभियान की शुरुआत जापानी पक्ष उरावा रेड डायमंड्स के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले से करेंगे, जो 2022 एएफसी चैंपियंस लीग विजेता हैं। क्रिस्टल पैलेस के साथ प्रीमियर लीग मुकाबले के ठीक बाद, गार्डियोला की टीम सऊदी अरब में शोपीस ग्लोबल क्लब टूर्नामेंट के लिए रवाना हो गई। सिटी के लिए यह क्लब विश्व कप में पहली बार प्रवेश है। साथ ही क्लब अंग्रेजी इतिहास में लीग, एफए कप, चैंपियंस लीग, यूईएफए सुपर कप और फीफा क्लब विश्व कप जीतने वाली पहली टीम बनने की भी कोशिश कर रही है। लेकिन, गार्डियोला, जिन्होंने टूर्नामेंट में बार्सिलोना और बायर्न म्यूनिख के साथ जीत हासिल की। सिटी को इस प्रतियोगिता में मार्गदर्शन करने को लुत्फ उठाने और आनंद लेने के क्षण के रूप में देखते हैं। गार्डियोला ने कहा, हमें फीफा क्लब विश्व कप में खेलने जाना पसंद है। बेशक, हम वहां जाकर इसे जीतने की कोशिश करने को लेकर बहुत खुश और उत्साहित हैं। यह एक ऐसा लक्ष्य है, जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते थे, लेकिन हम वहां हैं।

मुंबई में रोहित का कद सीएसके में धोनी के समान है : इरफान

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान ने मुंबई इंडियंस के कप्तान के रूप में रोहित शर्मा की विरासत की सराहना की है और इसकी तुलना चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में एमएस धोनी के कद से की है। जैसे ही मुंबई इंडियंस के साथ रोहित की कप्तानी के युग का अंत हुआ, एक नए अध्याय की शुरुआत हुई। 15 दिसंबर को फ्रेंचाइजी ने हार्दिक पांड्या को रोहित का उत्तराधिकारी घोषित किया। यह परिवर्तन न केवल नेतृत्व में बदलाव का प्रतीक है बल्कि एक ऐसे युग का अंत भी है, जहां रोहित ने टीम को ऊंचाइयों तक पहुंचाया था। इरफान पठान ने बातचीत में मुंबई इंडियंस में रोहित शर्मा के कद और महान एम.एस. के बीच समानताएं बताईं। पठान के अनुसार, टीम पर रोहित का प्रभाव सीएसके में धोनी के प्रभाव जैसा ही है। इन दोनों दिग्गजों ने कई चुनौतियों का सामना करते हुएटीम को सफलता दिलाई है। इरफ़ान ने कहा, रोहित शर्मा का टीम में बहुत बड़ा कद है। मेरे लिए, मुंबई इंडियंस में रोहित शर्मा का कद सीएसके में धोनी के कद के समान है। रोहित शर्मा ने कप्तान के रूप में खून-पसीने से टीम बनाई है। उन्होंने हमेशा बहुत योगदान दिया है। वह एक अद्भुत कप्तान हैं। पिछले साल जोफ्रा आर्चर की फॉर्म और जसप्रीत बुमराह के नहीं होने के बावजूद, रोहित के लिए एक कप्तान के रूप में आईपीएल सीजन शानदार रहा था। आईपीएल इतिहास में रोहित और धोनी सबसे सफल कप्तानों का खिताब साझा करते हु ए कंधे से कंधा मिलाकर खड़े थे। 2013 सीज़न के बीच में कप्तानी संभालने वाले रोहित ने मुंबई इंडियंस को एक रोमांचक फाइनल में सीएसके के खिलाफ अपनी पहली चैंपियनशिप जीत दिलाई।

दुबई पैरा बैडमिंटन में मानसी-तुलसी की जोड़ी जीती, सुहास एलवाई को रजत

नई दिल्ली। पेरिस पैरालंपिक के 13वें क्वालिफाइंग टूर्नामेंट दुबई पैरा बैडमिंटन अंतरराष्टीय टूर्नामेंट में भारतीय शटलरों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक स्वर्ण, पांच रजत और 8 कांस्य पदक समेत कुल 14 पदक जीते। मानसी जोशी और एम तुलसीमति की जोड़ी ने एसएल-3, एसयू-5 कैटेगरी में महिला युगल का स्वर्ण जीता। पुरुष एकल के एसएल-4 वर्ग में आईएएस अधिकारी सुहास एलवाई को फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें रजत मिला। पुरुष एकल के एसएल-3 वर्ग के फाइनल में प्रमोद भगत को भी हार मिली। महिला एकल के एसयू-5 फाइनल में तुलसीमति भी हारीं। प्रमोद भगत-मनीषा रामदास ने मिश्रित युगल और पुरुष युगल में मनोज सरकार-प्रमोद भगत की जोड़ी ने रजत जीता। सुकांत कदम (एसएल-4), तरुण (एसएल-4), पलक कोहली (एसएल-4), नितेश कुमार (एसएल-3) ने कांस्य जीते। मिश्रित युगल में नितेश कुमार-तुलसीमति, मनीषा रामदास (एसयू-5), पुरुष युगल में नितेश कुमार और तरुण के अलावा मिश्रित युगल में पलक कोहली, टी सेलिक ने कांस्य पदक जीते।

दक्षिण अफ्रीका को दूसरे एकदिवसीय में हराकर सीरीज अपने नाम करने उतरेगी भारतीय टीम, रजत और रिंकू को मिल सकता है अवसर

गक्बेरहा।
के एल राहुल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम यहां दूसरे एकदिवसीय में मेजबान दक्षिण अफ्रीका को हराकर तीन मैचों की सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने के इरादे से उतरेगी। पहले एकदिवसीय में मेजबान टीम भारतीय तेज गेंदबाजों अर्शदीप सिंह और आवेश खान के सामने टिक नहीं पायी थी और भारतीय टीम को आठ विकेट से जीत मिली थी। पहले ही मैच में मिली जीत से भारतीय टीम सीरीज में 1-0 से आगे हो गयी है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इससे मेजबान टीम पर दबाव बढ़ा है। भारतीय टीम इस दूसरे एकदिवसीय में बल्लेबाज रजत पाटीदार और आक्रामक खिलाड़ी रिंकू सिंह को अवसर दे सकती है।

कप्तान राहुल दक्षिण अफ्रीका के पिछले दौरे में मिली हार का हिसाब भी इस दौरे में सीरीज जीतकर बराबर करना चाहेंगे। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के टेस्ट टीम से जुड़ने के कारण टीम में एक बल्लेबाज के लिए जगह खाली हुई है। जिसके लिए रिंकू और रजत में मुकाबला है। रिंकू ने पिछले एक साल के अंदर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी का ध्यान खींचा है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टी20 मैचों में अपने प्रदर्शन से दिखाया है कि वह हालात के अनुरुप खेलकर टीम को जीत दिलाने में माहिर हैं।

दक्षिण अफ्रीका में उछाल वाली पिचों पर भी रिंकू की बल्लेबाजी सहज रही है। टीम में अभी उनकी भूमिका फिनिशर की है, ऐसे में चौथे क्रम के बल्लेबाज अय्यर की जगह के लिए रजत का दावा ज्यादा मजबूत दिखता है।घरेलू मैचों में वह इसी क्रम पर बल्लेबाजी करते रहे हैं। पाटीदार 2022 में भी भारतीय एकदिवसीय टीम में जगह बनाने में सफल रहे थे पर उन्हें अंतिम एकादश में अवसर नहीं मिला था। इसके बाद सर्जरी के कारण वह खेल से बाहर रहे।

इस श्रृंखला में मैच फिनिशर की भूमिका के लिए अनुभवी संजू सैमसन को अवसर दिया गया है। वह छठे क्रम पर बल्लेबाजी करेंगे। लिस्ट ए क्रिकेट में रिंकू का औसत तकरीबन 50 का है, ऐसे में टीम प्रबंधन के लिए दोनो ही अहम हैं। इस मैच में रजत और रिंकू दोनों को भी अवसर मिल सकता है पर ऐसे में तिलक वर्मा या सैमसन में से किसी एक को बाहर बैठना होगा पर इन दोनो को ही बाहर रखे जाने की उम्मीद कम है। पहले मैच में तिलक को केवल तीन गेंद खेलने का मौका मिला जबकि सैमसन को बल्लेबाजी का अवसर नहीं मिला था। पहले मैच में युवा सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन ने नाबाद अर्धशतक लगाया था जिससे भारतीय टीम बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही थी। वहीं दूसरी ओर मेजबान दक्षिण अफ्रीका के लिए अनुभवी क्विंटन डिकॉक के खेल संन्यास के बाद टीम में तालमेल बनाना भी कठिन हुआ है। डिकॉक की आक्रामक बल्लेबाजी से रासी वैन डेर डुसेन, हेनरिक क्लासेन्स और डेविड मिलर जैसे बल्लेबाज निडर होकर खेल पाते थे पर डिकॉक के बाहर होने के बाद इसमें बाधा आई है। डिकॉक के बिना उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम के लिए भारतीय टीम के तेज गेंदबाजों का सामना करना कठिन होगा।

भारतीय टीम इस मैच में शायद ही गेंदबाजी में बदलाव करे क्योंकि अर्शदीप और आवेश ने पिछले मैच में मेजबान टीम को खेलने का अवसर नहीं दिया था। इस मैच में मुकेश कुमार ने काफी रन दिये थे, ऐसे में केवल उनकी जगह आकाश दीप को अवसर मिल सकता है। भारतीय टीम इस मैच के साथ ही सीरीज जीतने के लिए पूरी ताकत लगा देगी। स्पिनर के तौर पर अक्षर पटेल और कुलदीप यादव का टीम के साथ बने रहना तय है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं:

भारत : लोकेश राहुल (कप्तान और विकेटकीपर), रुतुराज गायकवाड़, बी साई सुदर्शन, तिलक वर्मा, रजत पाटीदार, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, अर्शदीप सिंह, अवेश खान, रिंकू सिंह, आकाश दीप, युजवेंद्र चहल, वाशिंगटन सुंदर।

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, नांद्रे बर्गर, टोनी डी जोरजी, रीजी हेंड्रिक्स, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, मिहलाली मपोंगवाना, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, एंडिले फेहलुकवायो, तबरेज शम्सी, रासी वैन डेर डुसेन, काइल वेरिन, लिजाद विलियम्स।

ऑस्ट्रेलिया ने बॉक्सिंग-डे टेस्ट टीम का किया ऐलान, 360 रनों से हारने वाले पाकिस्तान के उड़े होश

नई दिल्ली।
तीन मैचों की सीरीज में एक जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया ने मेलबर्न में पाकिस्तान के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए अपने 13 खिलाड़ियों के दस्ते का ऐलान किया है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप विनर्स ने पर्थ में 360 रनों की जीत की टीम में बदलाव किया है। इस बार ऑस्ट्रेलिया ने बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए 13 की जगह 14 खिलाड़ियों के नामों का ऐलान किया है। अनकैप्ड तेज गेंदबाज लांस मॉरिस घरेलू टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए लौट गए हैं।

बॉक्सिंग डे टेस्ट ये संभालेंगे पेस में मोर्चा

उनकी अनुपस्थिति में मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और कप्तान पैट कमिंस की अनुभवी तेज तिकड़ी मोर्चा संभालेगी, जबकि स्कॉट बोलैंड को भी 14 प्लेयर्स में रखा है। युवा ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन एक और खिलाड़ी हैं जो प्लेइंग इलेवन में शामिल होने के लिए दौड़ में हैं, लेकिन कप्तान पैट कमिंस को लगता है कि टीम में कोई बदलाव करना मुश्किल है। इस बारे में उन्होंने कहा- मुझे नहीं लगता कि चोट से कोई समस्या होगी। इस स्तर पर यह काफी समान लाइन-अप होगा। मुझे लगता है कि (पर्थ में जीत के बाद) सभी गेंदबाज काफी तरोताजा हैं। यह मूल रूप से गर्मियों की आदर्श शुरुआत है।

पहले टेस्ट के बाद ऑस्ट्रेलिया को एकमात्र चोट की चिंता स्टार बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन की थी। पहले टेस्ट के तीसरे दिन पाकिस्तान के पदार्पण करने वाले खुर्रम शहजाद ने दाएं हाथ के बल्लेबाज को एक बाउंसर मारा, उनकी दाहिनी हाथ की उंगली पर लगी। लाबुशेन ने तुरंत चिकित्सा सहायता मांगी लेकिन कुछ मिनटों के बाद बल्लेबाजी करने लौट आए। उन्हें 26 दिसंबर को होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए समय पर फिट होने की उम्मीद है। पहले टेस्ट के बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में बदलाव की बात करें तो ऑस्ट्रेलिया वर्तमान में 41.67 जीत-हार प्रतिशत के साथ डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में पांचवें स्थान पर है, जबकि पाकिस्तान भारत के साथ 66.67 प्रतिशत के साथ शीर्ष पर है।

ब्राइटन पर जीत के साथ टॉप पर आर्सेनल

लंदन।
गेब्रियल जीसस और काई हैवर्ट के गोल ने आर्सेनल को प्रीमियर लीग तालिका में फिर से शीर्ष पर पहुंचा दिया। उसने ब्राइटन एंड होव एल्बियन पर 2-0 से बड़ी जीत हासिल की। आर्सेनल इस सीज़न में पहली बार प्रीमियर लीग में टीम में बिना कोई बदलाव के खेल रही है। उसने शानदार शुरुआत की।

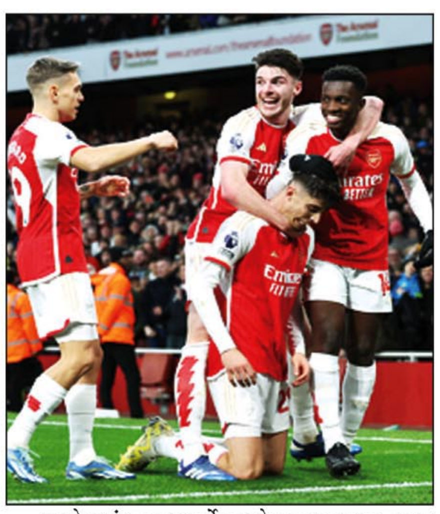

आर्सेनल के लिए गेब्रियल जीसस (53) और काई हैवर्ट (87) ने गोल दागे। वहीं ब्राइटन के खिलाड़ियों ने कुछ मौके जरूर बनाए लेकिन आर्सेनल के डिफेंस को भेदने में कामयाब नहीं रहे।

प्रीमियर लीग की रिपोर्ट के अनुसार, साका ने आर्सेनल के लिए मैच का पहला शॉट लगाया, लेकिन उनके प्रयास को बार्ट वेरब्रुगेन ने बचा लिया।

ब्राइटन को आधे घंटे से ठीक पहले एक झटका लगा, जब डिफेंडर जोएल वेल्टमैन घुटने की चोट के कारण बाहर चले गए। यहां से ब्राइटन के लिए चुनौतियां बढ़ती चली गई। मगर दोनों टीमों ने शुरुआती मुकाबले में एक दूसरे को कड़ी टक्कर दी।

पहला हाफ गोलरहित रहा लेकिन ब्रेक के बाद, ब्राइटन की डिफेंस से बाहर खेलने की चाल महंगी साबित हुई और अंत में 53 मिनट में आर्सेनल को बढ़त मिल गई।

इसके तुरंत बाद आर्सेनल के पास लगभग दूसरा मौका था, लेकिन बेन व्हाइट के हेडर को लुईस डंक ने लाइन से बाहर कर दिया। हालांकि, ब्राइटन खेल के अंत में बराबरी करने के करीब आ गया जब कोरू मितोमा के एक कम क्रॉस का सामना पास्कल ग्रॉस से हुआ, लेकिन जर्मन केवल करीबी सीमा से साइड-नेटिंग को हिट कर सका। तीन मिनट शेष रहने पर, आर्सेनल ने अंततः एक दूसरा गोल दागा। सब्स्टीट्यूट एडी नेकेतिया ने मौका बनाया और काई हैवर्ट ने पूरा फायदा उठाते हुए गोल पूरा किया।

पाकिस्तानी के खिलाफ डेविस कप के लिए भारतीय टीम घोषित, रामकुमार रामनाथन करेंगे टीम की अगुवाई

नई दिल्ली।
भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ग्रास कोर्ट पर होने वाले डेविस कप मुकाबले के लिए रामकुमार रामनाथन की अगुवाई में पांच सदस्यीय टीम घोषित की। यह इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारतीय टीम 60 वर्षों में पहली बार पाकिस्तानी धरती पर खेलने की तैयारी कर रही है।

अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) ने हालांकि सुरक्षा कारणों से पड़ोसी देश की यात्रा नहीं करने को लेकर अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ (आईटीएफ) पंचाट में अपील दायर की है, जिसका फैसला अभी आना है। भारत ने इस मुकाबले को तटस्थ स्थान पर करवाने के लिए आईटीएफ से आग्रह किया था लेकिन आईटीएफ की डेविस कप समिति ने इसे नामंजूर कर दिया था। एआईटीए के महासचिव अनिल धूपर ने कहा,'हमने डेविस कप समिति के फैसले के खिलाफ अपील की है और इस मामले में आईटीएफ पंचाट 19 दिसंबर तक फैसला कर लेगा। अगर पंचाट अपील को नामंजूर कर देता है तो फिर हम पाकिस्तान का दौरा करेंगे।' धूपर से पूछा गया कि क्या सरकार पाकिस्तान का दौरा करने के लिए अनुमति देगी, उन्होंने कहा, 'यह टेनिस का विश्वकप है और सरकार संभवतः यात्रा करने की अनुमति दे देगी।' पाकिस्तान टेनिस महासंघ पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि अगर आईटीएफ इस मुकाबले को तटस्थ स्थान पर आयोजित करता है तो वह इसमें अपनी टीम नहीं उतारेगा। भारत ने इससे पहले आखिरी बार 1964 में पाकिस्तान का दौरा किया था और तब उसने 4–0 से जीत दर्ज की थी। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन और चार फरवरी को इस्लामाबाद में होने वाले मुकाबले के लिए जिस टीम का चयन किया है उसमें रामनाथन के अलावा एन श्रीराम बालाजी, युकी भांबरी, निकी कालियांदा पूनाचा और साकेत माइनेनी शामिल हैं। दिग्विजय प्रताप सिंह रिजर्व खिलाड़ी हैं। रामकुमार का सर्व और वॉली का खेल ग्रास कोर्ट के अनुकूल है। भारतीय टीम में उनके अलावा पूनाचा ही एकल खिलाड़ी हैं जबकि अन्य खिलाड़ी एटीपी टूर में केवल युगल में खेलते हैं। कप्तान रोहित राजपाल अगर भांबरी को एकल में खेलने के लिए कहते हैं तो यह हैरानी भरा फैसला नहीं होगा। यहां तक की बालाजी को भी एकल में खेलने के लिए कहा जा सकता है। भारत के चोटी के खिलाड़ी सुमित नागल और शशि कुमार मुकुंद इस मुकाबले से हट गए थे जिसमें टीम जीत दर्ज करके 2024 के सत्र में विश्व ग्रुप एक में अपनी जगह सुनिश्चित करना चाहेगी। भारत अभी तक पाकिस्तान से कभी नहीं हारा है। उसने पाकिस्तान के खिलाफ सभी आठ मुकाबले जीते हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी मुकाबला 2019 में तटस्थ स्थल पर खेला गया था। भारत ने इस मुकाबले में भी 4–0 से जीत हासिल की थी। यह मुकाबला भी पाकिस्तान में खेला जाना था लेकिन भारत के आग्रह पर इसे कजाखस्तान में आयोजित किया गया था।

केन्या के एबेन्यो और इथोपिया की केबेड की शानदार जीत, भारतीय धावक सावन और रेशमा तेज दौड़े

कोलकाता।
विश्व एथलेटिक्स एलीट लेबल रोड रेस, टाटा स्टील कोलकाता 25के ने आज एक बार फिर इतिहास रच दिया। इसमें केन्या के डैनियल सिमिउ एबेन्यो और इथोपिया की सुतूम असेफा केबेडे ने पुरुष और महिला वर्ग में इवेंट रिकॉर्ड तोड़ दिए। उन्होंने तेज गति से प्रदर्शन करते हुए क्रमशः 1.11:13 और 1.18:47 के समय के साथ अपनी दौड़ पूरी की। संयोग से, जीतने का समय अकेले 25च दौड़ के लिए विश्व सर्वश्रेष्ठ साबित हुआ। कोहरे से लिपटी हुई सुबह 17,557 धावकों भारत के सबसे बड़े दौड़ प्रदर्शनों में से एक में भाग लिया। सभी ने कंधे से कंधा और कदम तालों से कोलकाता की सड़कों पर गर्माहट पैदा कर दी। हालांकि, 25के वर्तमान में आधिकारिक विश्व रिकॉर्ड के लिए सूचीबद्ध दूरी नहीं है। स्टैंड-अलोन 25के दौड़ के लिए पहले विश्व सर्वश्रेष्ठ डेनिस किमेटो (2012) द्वारा 1:11:18 और मैरी जेपकोसगेई केटनी (2010) द्वारा 1:19:53 थे। ये दोनों ही केन्या से थे। पुरुष वर्ग में टाटा स्टील कोलकाता 25के का इवेंट रिकॉर्ड 1:12:49 के समय के साथ केन्या के लियोनार्ड बारसोटन के नाम पर था, जबकि महिलाओं का रिकॉर्ड 1:21:

04 के समय के साथ बहरीन की देसी जीसा के नाम पर था। जीत के साथ ही एबेन्यो और केबेड ने यूएस .100,000 की पुरस्कार राशि प्राप्त की और साथ ही प्रत्येक को 7500 का विजेता चेक और 3000 अमेरिकी डॉलर का बोनस प्राप्त किया। एबेन्यो के बाद दूसरे स्थान पर विक्टर किप्रुतो टोगोम (केन्या) ने भी 1:12:26 के साथ पिछले इवेंट रिकॉर्ड को बेहतर किया। उसके बाद इथोपिया के टेस्फेय डेमेके (1:13:36) तीसरे स्थान पर रहे। यह दो पुरुष अंतरराष्ट्रीय धावकों एबेन्यो और टोगोम के बीच एक रोमांचक दौड़ थी। दोनों ने शुरू से ही गति पकड़ी और एक साथ आमने-सामने आ गए। एबेन्यो, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में बुडापेस्ट वर्ल्ड्स (10,000 मीटर) और रीगा में वर्ल्ड हाफ-मैराथन चैंपियनशिप में दो महत्वपूर्ण रजत पदक हासिल किए थे, ने ज्यादातर मौकों पर 15के को पार करने के बाद 43:01 के समय के साथ मैदान का नेतृत्व किया। हालांकि उस चरण के दौरान टोगोम ने उनसे आगे निकलने की कोशिश की, लेकिन एबेन्यो ने ऐसा नहीं होने दिया और 19के (59:12) के बाद अपनी गति बढ़ा दी और आगे निकल गए। जीत के बाद भावुक एबेन्यो ने कहा, भगवान की कृपा से मैं इवेंट रिकॉर्ड तोड़ने के लिए यहां कुछ विशेष करने में सक्षम हुआ। मुझे यहां आमंत्रित करने के लिए मैं अधिकारियों को धन्यवाद देता हूं। मैं यह जीत अपनी प्रेमिका को समर्पित करता हूं, जिनके समर्थन और प्रोत्साहन ने मुझे आज यहां तक पहुंचने में मदद की। इसी तरह से महिलाओं की दौड़ में केबेडे ने महिलाओं की दौड़ में येहुआलाव को दूसरे स्थान पर धकेल दिया। 2020 में हाफ-मैराथन विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता इथोपिया की यालेमज़ेरफ़ येहुआलॉ (24) ने कोलकाता में 25के में अपनी शुरुआत की। उन्हें इस बार का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। हालाँकि, उनकी टीम के साथी सुतूम असेफ़ा केबेडे के मन में अन्य योजनाएँ थीं। हाल ही में 29 साल के हुए केबेडे को येहुआलॉ की तरह वैश्विक मंच पर कोई महत्वपूर्ण जीत नहीं मिली। केबेडे ने आठ साल पहले बर्लिन में बिग-25 में 1:21:55 का समय लेकर विजेता के रूप में अपना नाम दर्ज कराया था, जो उस समय के सर्वश्रेष्ठ समय में से एक माना जाता था। इस दूरी पर केवल अपनी दूसरी दौड़ में दौड़ते हुए, केबेडे दौड़ के अंतिम चरण तक अपने हमवतन के साथ आगे रहीं और अंतिम किलोमीटर पर दबाव बनाकर 1:18:47 में जीत हासिल की। येहुआलाव (1:19:26) और केन्या की बेट्टी चेपकेमोई किबेट (1:21:43) उनके पीछे रहीं। यह इस दूरी पर महिला धावकों द्वारा चौथा सबसे तेज़ समय था, हालांकि उनसे पहले तीन महिलाओं ने मैराथन के दौरान बेहतर समय हासिल किया था। इवेंट रिकॉर्ड तोड़ने के बाद रोमांचित केबेडे ने कहा, मैं तेज दौड़ना चाहता था, लेकिन अंत में, मैं अपनी टाइमिंग से खुश हूं। अच्छे मौसम की स्थिति के साथ यह एक अच्छा कोर्स है जिससे मेरे लिए यह आसान हो गया है।

भारतीय धावक सावन और रेशमा को स्वर्ण पदक – सावन बरवाल और रेशमा केवटे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए क्रमशः 1:17:49 और 1:30:38 के समय के साथ पुरुष और महिला वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। जबकि भारतीय एलीट पुरुष और महिला विजेताओं के लिए समान पुरस्कार राशि में प्रत्येक दौड़ में पहले तीन को क्रमशः 2,75,000, 2,00,000 और 1,50,000 रुपए मिले। सावन ने गौरव माथुर (1:20:33) को दूसरे स्थान पर और एमडी असीम (1:42:08) को तीसरे स्थान पर धकेल दिया। महिला वर्ग में सीमा 1:32:07 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहीं जबकि निरमाबेन ठाकोर भरतजी 1:32:40 के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। एशियाई हाफ मैराथन चैंपियनशिप 2023 में कांस्य पदक जीतने वाले सावन ने रोमांचक जीत के बाद कहा, मौसम अच्छा, सपाट और ठंडा था। इसलिए दौड़ लगाना शानदार था। मैं समय और पोडियम पर समाप्त होने से खुश हूं। अब मेरा लक्ष्य 2024 में मुंबई मैराथन में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

रेशमा, जो हाल ही में टीसीएस वर्ल्ड 10के बेंगलुरु 2023 में 34:38 के समय के साथ 19वें स्थान पर रहीं, पोडियम पर समाप्त होने से रोमांचित थीं। रेशमा ने कहा, भारतीय पुरुषों के साथ दौड़ना और अच्छी गति पकड़ना अच्छा था। मौसम अच्छा था लेकिन प्रतिस्पर्धा कठिन थी। कुल मिलाकर मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं।

सौंदर्य

स्किन टैग को खत्म करें ये टिप्स

शरीर या चेहरे के किसी हिस्से पर मौजूद स्किन टैग, तिल, ब्लैकहेड्स, स्पॉट और मस्से आपकी सुंदरता को बिगाड़ देते है। बढ़ती उम्र के साथ-साथ इनकी गिनती भी बढ़ती जाती है। इनसे छुटकारा पाने के लिए बहुत सी लड़कियां सर्जरी या मंहगे ब्यूटी ट्रीटमेंट का सहारा लेती है लेकिन इसका अच्छा असर दिखने की बजाए कई साइड-इफेक्ट्स नजर आने लगते है। अगर आप इन समस्याओं से परेशान तो हम आपको कुछ घरेलू तरीके बताएंगे, जिनसे आप इन समस्याओं से छुटकारा पा सकते है।

मस्से:- मस्से की समस्यां को दूर करने के लिए एक सोक्ड बेंडेज पर

एप्पल साइडर सिरका लगाकर हफ्ते में 2 बार मस्से पर लगाएं। इसके बाद पिमिस स्टेन की मदद से इसे निकाल दें। 1 हफ्ते में ही आपको मस्से से छुटकारा मिल जाएगा।

स्किन टैग्स: कॉटन की मदद से लगातार दिन में 2 स्किन टैग्स पर एप्पल साइडर सिरका लगाएं। लगातार 10 दिन तक इसे लगाने से स्किन टैग्स झड़ जाएंगे।

तिल: अनचाहें तिल से छुटकारा पाने के लिए दिन में 4 घंटे रोजाना

लहसुन पीस कर लगाएं। कुछ ही दिनों में तिल गायब हो जाएंगे।

ब्लैकहेड्स: ब्लैकहेड्स को दूर करने के लिए चेहरे पर स्टीम लेकर 5 मिनट तक शहद लगा लें। इसके बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो कर साफ करें। रोजाना 1 हफ्ते तक इसका इस्तेमाल ब्लैकहेड्स को हमेशा के लिए गायब कर देगा।

स्पॉट: ब्लैक स्पॉट के लिए नींबू के रस को रोजाना चेहरे पर लगाएं। नेचुरल ब्लीच की तरह काम करने वाला नींबू के रस आपको चेहरे के भद्दे स्पॉट से छुटकारा मिल जाएगा।

यह है कपल्स के बीच डिवॉर्स की बड़ी वजह

शादी के बाद जल्द ही डिवॉर्स लेने के केसेज अब बढ़ रहे हैं। यूं तो इसकी कई वजहें हैं लेकिन एक कॉमन रीजन है कपल्स के बीच पैसों का झगड़ा। अक्सर देखा गया है कि कपल्स पर्सनल खर्चों और सेविंग से जुड़ी बातें एक-दूसरे से शेयर ही नहीं करते। यही बात आगे चलकर उनके बीच मनमुटाव का कारण बन जाती है। लेकिन अगर सही मनी मैनेजमेंट के साथ ही थोड़ी सी ट्रांसपैरेंसी बरती जाए, तो रिश्ता अच्छा होगा।

मंथली बजट

मनी मैनेजमेंट की शुरुआत करने का सबसे अच्छा तरीका मंथली बजट बनाना है। इसमें आप अपने सभी जरूरी खर्चे लिखें। इसके बाद आपको सिर्फ बचे हुए पैसे को इन्वेस्ट करने के बारे में सोचना होता है। हालांकि यह पैसा तब बचेगा, जब आप फिजूलखर्ची से दूर रहें। मंथली बजट से आपको पता रहेगा कि किन चीजों पर खर्च करना और कहां आप लिमिट क्रॉस कर रहे हैं। साथ ही इससे साथी के सामने आपका खर्चा पारदर्शी भी रहेगा।

चेक एंड बैलेंस

अगर आप पर्सनल फाइनैंस मैनेज करते हैं, तो खर्च पर चेक एंड बैंलेंस की पॉलिसी अपनाएं। अगर हजबैंड ज्यादा खर्च करता है, तो उसको उसी समय पर बताना जरूरी है कि वह बजट और जरूरत से अधिक खर्च कर रहा है। अगर वाइफ अधिक खर्च करती है, तो हसबैंड का फर्ज बनता है कि वह उसे कंट्रोल करे। ऐसे में खर्चे पर कंट्रोल करना आसान हो सकता है।

सेविंग फंड बॉक्स

अगर आपने किसी काम के लिए कोई अमाउंट फिक्स किया है लेकिन खर्चा उससे कम होता है, तो उस पैसे को फालतू उड़ाने की जगह सेविंग फंड बॉक्स में डाल दें। इस बॉक्स को उस अमाउंट के लिए ही यूज करें, जो आप इस तरह इधर-उधर से बचा पाते हैं।

शेयर करें

समय-समय पर दोनों मिलकर बात करें। एक-दूसरे के खर्चों, तरीकों और फ्यूचर इन्वेस्टमेंट के बारे में एक-दूसरे को बताएं। इससे आपसी अंडरस्टैंडिग बढ़ेगी।

इन्वेस्टमेंट

आप जितना पैसा इन्वेस्ट करेंगे, आगे उसकी वैल्यू बढ़ना तय है। ये इन्वेस्टमेंट किसी पॉलिसी या सेविंग सर्टिफिकेट के रूप में हो सकता है।

डिसेबल हो बच्चा तो जरूर दें ये स्पेशल ट्रीटमेंट

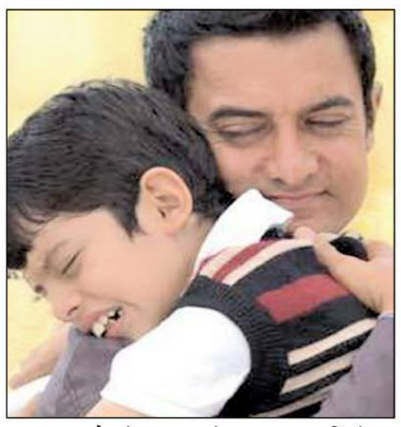

1992 से संयुक्त राष्ट्र संघ हर साल 3 दिसंबर को वर्ल्ड डिसेबिलिटी-डे मनाता और उसे प्रचारित करता आ रहा है। इंटरनैशनल प्लेटफॉर्म पर शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम व्यक्तियों के प्रति समाज के रवैये को बदलने और ऐसे लोगों के जीवन के तौर-तरीकों को और बेहतर बनाने के लिए लोगों को जागरूक करना ही इसका मुख्य लक्ष्य है।

चार तरह की मानसिक अक्षमता

माइल्ड : ऐसे बच्चों का आईक्यू 50-70 के बीच होता है, हालांकि इन बच्चों को शिक्षण और प्रशिक्षण दोनों दिया जा सकता है। ये बच्चे थोड़ी मुश्किलों के बाद समाज में अच्छे से अपना जीवन यापन कर सकते हैं।

मॉडरेट : ऐसे बच्चों का आईक्यू 35-50 के बीच होता है। ऐसी स्थिति में बच्चों को शिक्षण से इतर प्रशिक्षण दिया जा सकता है, ताकि वे आगे चलकर आत्मनिर्भर बन सकें।

सीवियर: ऐसे बच्चों का आईक्यू 20-35 होता है। इन्हें न तो शिक्षण दिया जा सकता है और न ही प्रशिक्षण। ऐसे बच्चों को उनके रोजमर्रा के काम जैसे टॉयलेट हैबिट, खाने-पीने के तरीकों के बारे में भी सिखाया जाता है। ऐसे बच्चों को एजुकेटर उनके रोजमर्रा के काम के बारे में ही अच्छी तरह से सिखाते हैं।

प्रोफाउंड: ऐसे बच्चों का आईक्यू 20 से नीचे होता है। इन बच्चों को पूरे जीवन दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे बच्चों का पूरा जीवन बिस्तर पर ही रहकर गुजर जाता है।

रखें खास खयाल

» अगर बच्चे में प्रारंभिक विकास यानी बोलने, चलने, उठने, बैठने में छह महीने से ज्यादा की देर हो रही हो तो क्लीनिकल साइकॉलजिस्ट से तुरंत बात करें।

» बच्चे पढ़ाई में मेहनत कर रहे हैं और रिजल्ट खराब आता है तो टीचर्स को उन पर खास ध्यान देना चाहिए। अगर वे बच्चे में कुछ भी असामान्य देखते हैं तो तुरंत पैरेंट्स से बात करें।

» स्पेशल बच्चों को कुछ भी सीखने में थोड़ा ज्यादा वक्त चाहिए होता है, इसलिए हर कदम पर धैर्य रखें।

» बच्चों को सोशल करने के लिए पैरेंट्स को उन्हें ज्यादा से ज्यादा बाहर ले जाना चाहिए। समाज में घुलने मिलने देना चाहिए, जिससे सोसायटी में उन्हें एक्सेप्टेंस मिल सकें। समाज से अलग रखने से उनका विकास और धीमा हो सकता है।

» आमतौर पर लोग स्पेशल बच्चों का मजाक बनाते हैं। उनको समाज में वैसी इज्जत नहीं देते जिनके वे हकदार हैं। लोगों को समझना चाहिए कि इस दुनिया में सबको सम्मान से जीने का हक है। इसलिए उनका माखौल उड़ाने या गलत व्यवहार करने की जगह उनको सपोर्ट करें। हिकारत से न देखें। उनकी अक्षमताओं को नहीं बल्कि क्षमताओं को उन्हें समझने का आधार बनाएं।

» बच्चे से कभी यह न कहें या कि वह कमजोर है। हमेशा सपोर्ट करें और छोटी-मोटी गलती करने पर भी हौसला बढ़ाएं।

ये होता है आईक्यू

20 से नीचे प्रोफाउंड
50-35- आईक्यू मॉडरेट
35-20- आईक्यू सीवियर
70-50- आईक्यू माइल्ड

ये हो सकते हैं कारण

ऐसे बच्चे जिनकी सोचने-समझने की क्षमता उनकी उम्र के सामान्य बच्चों से कम होती है और जो न्यूरोडिवेलपमेंटल डिसऑर्डर के शिकार होते हैं, उन्हें स्पेशल बच्चे कहा जाता है। बच्चों के ऐसा होने के और भी कई कारण हो सकते हैं

गर्भावस्था के दौरान कोई संक्रामक रोग

» जन्म के बाद किसी इंफेक्शन के कारण
» प्रेग्नेंसी के दौरान शारीरिक» मानसिक विसंगतियां » प्रेग्नेंसी के दौरान और जन्म के बाद भी पोषण की कमी

वास्तु

मानसिक स्थिति बार-बार बिगड़ने लगें तो समझो मकान में है वास्तुदोष

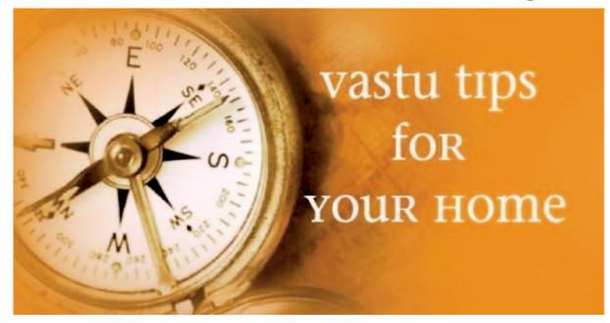

अगर मकान में रहने वाले लोग बार-बार बीमार पड़ने लगें, घर में झगडे ज्यादा होने लगें, लाभ से ज्यादा व्यय हो, ज्यादातर लोगों की मानसिक स्थिति बार-बार बिगड़ने लगे, घर में डर लगने लगे, अकेले या रात में मकान में अजीब सी आवाजें आने लगे, चलते काम रूकने लगे, मकान में आत्माएं दिखने लगे, लगातार घर में क्लेश रहने लगे, बुरे सपने दिखें, शादी या संतान में रुकावट हो या घर में भारीपन रहे तो समझिए कि घर में वास्तु दोष है। ऐसे में ज्योतिष सलाह लें और बताए खास उपायों को भी अपनाने की कोशिश करें।

मकान में अजीब एहसास होना-

यदि आपके मकान के सामने किसी प्रकार का वेध यानी खंभा, बड़ा पेड़ या बहुमंजिला इमारत हो तो इसकी वजह से आपका स्वास्थ्य या आर्थिक स्थिति प्रभावित हो सकती है।

यदि वेघ दोष हो तो निम्न उपाय करना कारगर होगा। अपने मकान के सामने लैम्प पोस्ट लगा लें, यदि यह संभव नहीं हो, तो घर के आगे अशोक का वृक्ष और सुगंधित फूलों के पेड़ के गमले लगा दें। तुलसी का पौधा स्वास्थ्य के लिए शुभ होता है।

यदि मकान के पास में फैक्टरी का धुआं निकलता हो, तो एग्जास्ट पंखा या वृक्ष लगा लें। यदि मकान में बीम इसी जगह हो जिसके कारण आप मानसिक तनाव महसूस करते हो तो बीम से उत्पन्न होने वाले दोषों से बचाव के लिए यह उपाय अपना सकते हैं।

शयनकक्ष में वास्तु दोष

सशयनकक्ष में बीम हो, तो इसके नीचे अपना बैड या डाइनिंग टेबल नहीं लगाएं। यदि ऑफिस हो तो मेज व कुर्सियां नहीं रखें। बीम के दोनों ओर बांसुरी लगा दें, इससे वास्तुदोष निवारण हो जाता है। पवन घंटी बीम के नीचे लटका दें या बीम को सीलिंग टायलस से ढक दें।

बीम के दोनों ओर हरे रंग की गणपति प्रतिमा लगा दें, यह वास्तु दोषनाशक मानी जाती है। यदि मकान का कोई कोना आपके मुख्य द्वार के सामने आए, तो स्पॉट लाइट लगाएं। जिससे प्रकाश आपके घर की ओर रहे तथा सीधा ऊंचा वृक्ष बीच में लगा दें।

शयनकक्ष में घी का दीपक व अगरबत्ती करें जिससे मन प्रसन्न रहे, इस बात का घ्यान रखें कि झाड़ू शयनकक्ष में नहीं रखें। मकान में मुख्य द्वार पर देहरी बना लें, इससे बुरे व अन्य दोष घर में प्रवेश नहीं कर पाते हैं।

पूर्व-उत्तर (ईशान) कोण दोष

सईशान कोण के दोष के लिए इस दिशा में पानी से भरा मटका रखें. इस कोण को साफ-सुथरा रखें। अग्नि कोण दोष निवारण के लिए कोने में एक लाल रंग का बल्ब लगा दें जो दिन-रात जलता रहे। वायव्य कोण दोष निवारण के लिए इस ओर की खिड़कियां खुली रखें, ताकि वायु आ सके। एग्जॉस्ट पंखा भी लगा सकते हैं।

नैत्रृत्य कोण दोष निवारण के लिए इस कोने को भारी बनाएं, स्टोर बनाना यहां शुभ होता है। शयनकक्ष में दर्पण का प्रतिबिंब पलंग पर न पड़े तथा डबल बेड पर एक ही गद्दा रखें, तो ठीक रहेगा।

पूजा घर पूर्व-उत्तर (ईशान कोण) में होना चाहिए तथा पूजा यथासंभव प्रात: 06 से 08 बजे के बीच भूमि पर ऊनी आसन पर पूर्व या उत्तर की ओर मुंह करके बैठ कर ही करनी चाहिए। पूजा घर के पास उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) में सदैव जल का एक कलश भरकर रखना चाहिए इससे घर में सपन्नता आती है।

मकान के उत्तर पूर्व कोने को हमेशा खाली रखना चाहिए। घर में कहीं भी झाड़ू को खड़ा करके नहीं रखना चाहिए, उसे पैर नहीं लगना चाहिए, न ही लांघा जाना चाहिए, अन्यथा घर में बरकत और धनागम के स्त्रोतों में वृद्धि नहीं होगी।

पूजा घर में तीन गणेशों की पूजा नहीं होनी चाहिए, अन्यथा घर में अशांति उत्पन्न हो सकती है। तीन माताओं तथा दो शंखों का एक साथ पूजन भी वर्जित है। धूप, आरती, दीप, पूजा अग्नि आदि को मुंह से फूंक मारकर नहीं बुझाएं, पूजा कक्ष में, धूप, अगरबत्ती व हवन कुंड हमेशा दक्षिण पूर्व में रखें।

पति-पत्नी में प्रेम के लिए प्रेमी परिंदे का चित्र या मेडरिन बतख का जोड़ा रखें अथवा सपरिवार प्रसन्नचित मुद्रा वाला चित्र लगाएं। डायनिंग टेबल को प्रतिबिंबित करने वाला आईना आपके सद्भाव व भाग्य में वृद्धि करता है, इसे लगाएं।

जीपीएस सिग्नल में आ रही समस्या का करें समाधान

आप घर से निकलने के साथ ही पूरा पता और नक्शा अपने फोन पर सर्च कर लेते हैं, जिससे कि आपका फोन हर छोटे-बड़े मोड़ और रास्तों की जानकारी देता रहे। इतना ही नहीं, आज फोन में कई एप्लिकेशन्स हैं, जो लोकेशन सर्विस का उपयोग करते हैं। ऐसे में यदि जीपीएस सिग्नल में थोड़ी भी परेशानी हो, तो आपके लिए बड़ी मुश्किल हो जाती है। जानिए कैसे जीपीएस सिग्नल को बेहतर किया जा सकता है।

क्या है जीपीएस

जीपीएस का आशय है ग्लोबल पोजीशनिंग सिस्टम। यह तकनीक आपकी उपस्थिति को बताता है, जैसे- आप कहां हैं और किस दिशा में बढ़ रहे हैं आदि। जीपीएस तकनीक का डेवलपमेंट सबसे पहले यूएस आर्मी द्वारा किया गया था। वर्ष 1973 में अमेरिकन आर्मी ने इसे नेवी के लिए बनाया था, लेकिन 1995 में इस सेवा को आम उपभोक्ताओं के लिए भी पेश किया गया।

पता करें जीपीएस की परेशानी

यदि आपके फोन के जीपीएस में कोई भी समस्या है, तो उसका भी पता लगा सकते हैं। हालांकि, इसके लिए फोन में जीपीएस इसेन्शल एप्लिकेशन डाउनलोड करना होगा। इससे जीपीएस में समस्या कमजोर सिग्नल की वजह से है या फिर यह हार्डवेयर या सॉफ्टवेयर की वजह से, इसकी जानकारी मिल जाएगी। एप मेन्यू में सैटेलाइट का विकल्प मिलेगा। उस पर क्लिक करने से फोन सैटेलाइट से कनेक्ट हो जाएगा। यदि फोन सैटेलाइट से कनेक्ट नहीं हो रहा है, तो इसका मतलब है कि फोन के आसपास कोई मेटैलिक वस्तु है, जो सिग्नल को रोक रहा है। स्मार्टफोन केस या फिर कुछ और भी हो सकता है। ऐसे में फोन केस को हटाएं। यदि सैटेलाइट सही दिखा रहा है, लेकिन जीपीएस सही तरह से कार्य नहीं कर रहा है, तो समझें कि यह सॉफ्टवेटर की समस्या है।

जीपीएस डाटा को करें रिफ्रेश

कभी-कभी सैटेलाइट सिग्नल न होने की वजह से भी फोन का जीपीएस फ्रीज हो जाता है। ऐसी स्थिति में फोन में जीपीस स्टेटस या टूलबॉक्स जैसे एप्स डाउनलोड कर सकते हैं। ये फोन के जीपीएस डाटा को क्लियर कर उसे फिर से सैटेलाइट से कनेक्ट करने में सक्षम बनाते हैं।

हाई एक्यूरेसी मोड से हटाए

कई बार लोग फोन में बैटरी की खपत को कम करने के लिए जीपीएस सिग्नल को हाई एक्यूरेसी मोड से हटा देते हैं। बैटरी बचाने के लिए तो यह सही है, लेकिन इससे कभी-कभी जीपीएस सटीक जानकारी नहीं देता। यदि कभी लाकेशन सर्च के दौरान आपको लगता है कि जीपीएस सही तरह से कार्य नहीं कर रहा है, तो हाई एक्यूरेसी पर ही उसे रखें। हाई एक्यूरेसी का विकल्प आपको फोन की सेटिंग में जाकर लोकेशन में मिलेगा।

स्मार्टफोन में जीपीएस

स्मार्टफोन में जीपीएस के लिए एक सेंसर लगा होता है। यह सेंसर अंतरिक्ष में स्थापित जीपीएस से कम्युनिकेशन कर आपकी उपस्थिति को बताता है। इस सेंसर को फोन में लगे अन्य हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर द्वारा कंट्रोल किया जाता है। ऐसे में कभी-कभी जीपीएस सिग्नल में समस्या आ जाती है।

सर्दी में जुकाम से बचाएगी लौंग वाली चाय

आपकी सुबह की शुरुआत में मिठास घोलने वाली चाय, स्वाद के साथ सेहत से भी भरपूर होती है। अपने फायदों के साथ चाय के कई प्रकार बाजार में उपलब्ध हैं और कुछ विशेष स्वाद के लिए आप घर पर भी कुछ अलग तरह से चाय बनाते हैं। लौंग की चाय भी इन्हीं में से एक है, जो खास तौर से सर्दियों में बेहद फायदेमंद होती है। जानिए लौंग की चाय के फायदे।

1. सर्दी से बचाने के लिए लौंग की चाय बेहद लाभकारी है। लौंग की तासीर गर्म होती है, इसलिए सर्दी के मौसम में दिन में 2 से 3 बार पीने पर आप सर्दी से बचे रह सकते हैं साथ ही खांसी और जुकाम से भी।

2. अगर आप बुखार से पीडि़त हैं, तो लौंग की चाय पीना आपके लिए काफी फायदेमंद होगा। इसका प्रयोग करने से आपका बुखार अधिक समय तक नहीं टिक पाएगा।

3. शरीर के अंगों और मांस पेशियों में होने वाले दर्द से निजात पाना चाहते हैं तो लौंग की चाय जरूर पिएं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो लौंग की चाय से दर्द वाले स्थान की सिकाई कर सकते हैं। इससे आपको काफी फायदा होगा।

4. पाचन संबंधी समस्याओं में लौंग की चाय असरकारक है। पेट में एसिडिटी होने और पाचन तंत्र की धीमी गति होने पर लौंग की चाय पीना काफी फायदेमंद होता है। इससे पाचन तंत्र बेहतर तरीके से कार्य करता है।

5. दांतों में दर्द होने पर अक्सर लौंग के तेल का प्रयोग किया जाता है। लेकिन लौंग की चाय भी इसके लिए फायदेमंद हो सकती है। इसके अलावा कफ और गले के विकारों के लिए भी लौंग की चाय लाभदायक है।

ऐसे बनाएं

एक चम्मच लौंग को पहले खुरदुरा पीस लें, फिर एक कप पानी में इसे डालकर पांच से 10 मिनट तक उबालें। जब पानी उबलने लगे तो आधा चम्मच चाय की पत्ती डाल दें। फिर कुछ मिनट तक इसे पकाएं, अब चाय बनकर तैयार है। इसे ठंडा कर छान लीजिए। आप चाहें तो इसे फ्रिज में भी स्टोर कर सकते हैं। लौंग की चाय साइनस की समस्या में भी राहत पहुंचाती है।

रेसिपी

हरे प्याज का पराठा

सामग्री

मैदा: 280 ग्राम, नमक: 3/4 छोटा चम्मच
चीनी: 1 छोटा चम्मच, गर्म पानी: 80 मिलीलीटर, शीत पानी: 70 मिलीलीटर
तेल: फ्राई करने के लिए
हरा प्याज: स्वादानुसार
तेल: ब्रश करने के लिए

विधि

एक बाउल में 280 ग्राम मैदा, 3/4 छोटा चम्मच नमक, 1 छोटा चम्मच चीनी, 80 मिलीलीटर गर्म पानी डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। इसमें 70 मिलीलीटर ठंडा पानी डालकर नरम आटे की तरह गूंथ लें। इसे 20 मिनट के लिए रख दें। अब आटे को बराबर भागों में विभाजित करके उन्हें गेंद की तरह रोल करें। इस पर थोड़ा सा सूखा आटा लगाकर बेलन की सहायता से रोटी की तरह बेल लें। इस पर हरा प्याज छिड़कें और गोल-गोल रोल कर लें। फिर इसे दबाकर दोबारा बेलन की सहायता से पराठे की तरह बेलें। मध्यम आंच पर एक पैन रखें और उसमें ब्रश की सहायता से थोड़ा सा तेल लगाकर गर्म करें। इसके बाद इस पर पराठा रखकर 3 मिनट तक पकाएं। फिर इसे पलटकर दूसरी तरफ से पकाएं। अब पराठे के दोनों तरफ तेल लगाकर अच्छे से सेंक लें या जब तक यह सुनहरा भूरा नहीं हो जाता। आपका हरे प्याज का पराठा तैयार है, इसे हरे प्याज के साथ गार्निश करके सर्व करें।

एप्पल रबड़ी

सामग्री

3 कप वसा भरपुर दूध
2 1/2 टेबल-स्पून शक्कर
3/4 कप छिले और कसे हुए सेब
3 टेबल-स्पून हल्के उबाले और स्लाईस्ड बादाम
1/2 टी-स्पून इलायची पाउडर

विधि

एक चौड़ा नॉन-स्टिक पैन गरम करें, दूध डालकर मध्यम आंच पर 20 से 25 मिनट तक बीच-बीच में हिलाते हुए या मिश्रण के गाढ़े होने तक पका लें। शक्कर और सेब डालकर, बीच-बीच में हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 3 से 4 मिनट तक पका लें। बादाम और इलायची पाउडर छिड़क कर अच्छी तरह मिला लें। कम से कम 2 घंटे के लिए फ्रिज में रखें और ठंडा परोसें।

सुलभ सुझाव: इस बात का ध्यान रखें कि आप सेब को रबड़ी में डालने से तुरंत पहले ही कसे, क्योंकि सेब का रंग भूरा हो सकता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)